रांची

हिन्दी दैनिक

वनांचल आई

www.vananchaleye@gmail.com

हर खबर पर पहली नजर

PRGI. NO,JHAHIN/2023/88773 वर्ष:01 अंक:109 शुक्रवार,26 दिसंबर ₹5 Email:vananchaleye@gmail.com

ब्रीफ न्यूज

ढाका पहुंचे बीएनपी के कार्यकारी अध्यक्ष तारिक रहमान, समर्थकों ने स्वागत किया

एजेंसी

ढाका। खालिदा जिया के पुत्र इठढ के कार्यकारी अध्यक्ष तारिक रहमान 17 साल बाद आज बांग्लादेश पहुंचे. लंदन से ढाका पहुंचने पर तारिक रहमान का उनके समर्थकों ने जोरदार स्वागत किया. खबर है कि ढाका एयरपोर्ट के पास उनका स्वागत करने के लिए उनकी पार्टी इठढ के लगभग 1 लाख कार्यकर्ता पहुंचे. बांग्लादेश में अगले साल 12 फरवरी को आम चुनाव होने हैं. शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग बैन कर दी गयी है. ऐसे में बांग्लादेशी नेशनलिस्ट पार्टी (इठढ) की चुनाव जीतने की संभावना बढ़ गयी है.

पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती पर राज्यपाल ने किया श्रद्धा सुमन अर्पित

संवाददाता

रांची। राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने गुरुवार को पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती के अवसर पर लोक भवन स्थित दरबार हॉल में उनके चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। मौके पर राज्यपाल ने कहा कि श्रद्धेय अटल जी के दूरदर्शी नेतृत्व और राष्ट्रहित के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता ने भारत को वैश्विक मंच पर एक नई पहचान दिलाई। उनके आदर्श एवं विचार सदैव सभीके लिए प्रेरणास्रोत रहेंगे।

राज्यपाल ने डॉ वीपी शरण के निधन परजताया शोक

संवाददाता

रांची। राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने रांची विश्वविद्यालय के पूर्व प्रति कुलपति एवं संत जेवियर्स महाविद्यालय के पूर्व शिक्षक तथा वरिष्ठ पत्रकार डॉ. वी.पी. शरण के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है.उन्होंने कहा कि डॉ. शरण का निधन उच्च शिक्षा एवं पत्रकारिता जगत लिए अपूरणीय क्षति है. राज्यपाल ने शोकाकुल परिजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए ईश्वर से प्रार्थना की है कि वे उन्हें इस दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें. बताते चले कि डॉ वीपी शरण का निधनगुरुवार सुबह तीन बजे हो गया.

झारखंड में महिला सशक्तीकरण का प्रबल आधार बन गई मंईयां सम्मान योजना

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के एक निर्णय ने बदल दी सियासी उपलब्धियों की तस्वीर, अगस्त 2024 में ₹1000 ट्रांसफर करने से हुई थी शुरुआत

संवाददाता

रांची:झारखंड में इस साल हुए विधानसभा के चुनाव में हेमंत सोरेन के नेतृत्व में 'इंडिया' गठबंधन ने बंपर जीत हासिल की थी। इस जीत मे अगस्त 2024 में शुरू की गई मंईयां सम्मान योजना की अहम भूमिका मानी जाती है। आज के समय में यह कहना गलत नहीं होगा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के एक निर्णय ने प्रदेश में सियासी उपलब्धियों की तस्वीर को बदल डाला। वास्तव में यह योजना अब महिला सशक्तिकरण का प्रबल आधार बन चुकी है। मुफ्त बिजली, सड़क, और पानी से लेकर अंगदान गाइडलाइन तक सीएम हेमंत के दर्जनों निर्णयों और नई योजनाओं ने सरकार की प्राथमिकता को साफ कर दिया किया। यह महत्वपूर्ण है कि सरकार ने सामाजिक सुरक्षा और कल्याण पर सबसे ज्यादा ध्यान दिया। इसका सर्वाधिक उपयुक्त उदाहरण मंईयां सम्मान योजना है।इस योजना को वास्तविक पहचान तब मिली, जब जनवरी 2025 में 56 लाख से ज्यादा लाभुकों के खाते में 2500 रुपये डीबीटी के जरिए ट्रांसफर किए गए।

गरीबों के लिए मुफ्त बिजली की व्यवस्था

सीएम ने इसे गरीब परिवारों की आर्थिक कमान महिलाएं के हाथ में सौंपने की पहल बताते हुए कहा था कि यह राशि भोजन, बच्चों की पढ़ाई, कपड़े और गैस सिलेंडर तक के लिए सीधे सहारा बनेगी। इसयोजना को लेकर गंभीरता इस बात में झलकी कि सरकार ने वर्तमान वित्तीय वर्ष के बजट में ।

बेहतर शिक्षा और युवाओं पर विशेष ध्यान

हेमंत सरकार ने संगीत, साहित्य और ललित कला को संस्थागत बढ़ावा देने के लिए झारखंड संगीत नाटक अकादमी, साहित्य अकादमी और ललित कला अकादमी की स्थापना को हरी झंडी दी। सरकार ने दलील दी कि आदिवासी, मूलवासी संस्कृति और स्थानीय भाषाओं, लोक कलाओं की पहचान मजबूत किए बिना झारखंड की अस्मिता की रक्षा संभव नहीं है। राज्य सरकार ने झारखंड कोचिंग सेंटर (नियंत्रण एवं विनियमन) विधेयक, 2025 को मंजूरी दी, ताकि कोचिंग संस्थानों की फीस, गुणवत्ता, सुरक्षा और पारदर्शिता तय की जा सके और छात्रों, अभिभावकों केशोषण पर रोक लगे। इसके अलावा सरकार ने एससी-एसटी सिविल सेवा प्रोत्साहन योजना में अनुदान 1 लाख से बढ़ाकर 1.5 लाख कर दिया। हेमंत सरकार ने झारखंड मृतदाता अंग एवं ऊतक प्रत्यारोपण गाइडलाइन को मंजूरी दी, जो अंगदान और ट्रांसप्लांट को पारदर्शी और नैतिक ढांचे में लाने की दिशा में बड़ा कदम है।सरकार ने झारखंड राज्य सड़क सुरक्षा नियम, 2025 को मंजूरी दी है। सड़क हादसों पर नियंत्रण और ट्रैफिक प्रबंधन को सख्त बनाने की नींव रखी गई। राज्य सरकार ने राजधानीवासियों को कांटाटोली और सिरमटोली फ्लाईओवर की सौगात

दर्दनाक हादसा: कर्नाटक में ट्रक के बस से टकराने से नौ लोगों की मौत

संवाददाता

चित्रदुर्ग । कर्नाटक के चित्रदुर्ग जिले में बुधवार देर रात एक तेज रफ्तार ट्रक के लग्जरी स्लीपर बस से टकराने के बाद बस में आग लग गई, जिसमें नौ लोगों की मौत हो गई। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि बुधवार देर रात करीब दो बजे हिरियूर के पास एक तेज रफ्तार कंटेनर ट्रक ने एक निजी लक्जरी स्लीपर बस को टक्कर मार दी, जिससे बस में आग लग गई और कम से कम नौ लोगों की मौत हो गई। पूर्व जोन के पुलिस महानिरीक्षक रविकांत गौड़ा ने बताया कि गोकर्ण जा रही बस में 32 यात्री सवार थे और ट्रक से टकराने के बाद बस आग की लपटों में घिर गई जिसमें नौ लोगों की मौत हो गई, इनमें से अधिकतर लोग वाहन के अंदर ही जिंदा जल गए।

गौड़ा ने संवाददाताओं को बताया कि एक ट्रक डिवाइडर को पार कर सामने से आ रही बस से टकरा गया, जिसके बाद बस में आग लग गई। इस दुर्घटना में बस चालक और खलासी बच गए, लेकिन ट्रक चालक की मौत हो गई।

गौड़ा ने कहा, हमारी प्रारंभिक जांच से संकेत मिलता है कि जिस वाहन ने बस को टक्कर मारी वह डीजल टैंकर हो सकता है। उन्होंने बताया कि कई यात्रियों ने बस से कूदकर अपनी जान बचाई। उन्होंने कहा, हमारी प्रारंभिक जांच से पता चलता है कि आठ यात्रियों और ट्रक चालक की मौत हुई है। 12 घायलों में से नौ को सिरा और तीन को तुमकुरु ले जाया गया है। गंभीर रूप से झुलसे एक व्यक्ति को बेंगलुरु के विक्टोरिया अस्पताल में भर्ती कराया गया है। आईजीपी ने यह भी बताया कि बाकी घायल खतरे से बाहर हैं। दसराहल्ली से दांदेली जा रही एक अन्य बस भी इस बस के पीछे थी, लेकिन यह दुर्घटना में बाल- बाल बच गई। इस बस में 45 स्कूल बच्चे सवार थे। गौड़ा ने कहा, स्कूली बच्चों को ले जा रही बस के चालक ने पीछे से दुर्घटना प्रभावित बस को टक्कर मार दी, फिर दूसरी ओर मुड़कर सड़क से उतर गई। राहत की बात यह रही कि इस बस में सवार कोई भी हताहत नहीं हुआ। उन्होंने बताया कि बच्चों को दूसरी बस से आगे भेज दिया गया है और स्कूल बस का चालक इस हादसे का मुख्य प्रत्यक्षदर्शी है, जिसका बयान दर्ज किया जाएगा। उन्होंने बताया कि कि हादसे की शिकार हुई बस के अधिकतर यात्रियों ने ऑनलाइन टिकट बुक किए थे। पुलिस अधिकारी ने कहा, हमें उनके फोन नंबर मिल गए हैं और हम उनके परिजनों से संपर्क करने की कोशिश कर रहे हैं। अधिकारी ने बताया कि मृतकों की पहचान डीएनए जांच से कराई जाएगी।

भारत को तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने में मध्य प्रदेश करेगा सर्वाधिक भागीदारी : शाह

एजेंसी

भोपाल। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को कहा कि मध्य प्रदेश अब देश में सबसे तेज गति से विकास करने वाला राज्य बन गया है। बीते सालों की वैश्विक आर्थिक उतार-चढ़ाव से अलग रहकर अनेक चुनौतियों और संसाधनों के अभाव से उबरकर प्रदेश ने जिस रफ्तार से प्रगति की है, वह पूरे देश को अभिप्रेरित करती है। केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने कहा कि कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन, सिंचाई, उद्योग, ऊर्जा, पर्यटन, स्वास्थ्य सुधार, खनन, फार्मा, नवकरणीय ऊर्जा और वृहद संख्या में आधारभूत अवसंरचनाएं, आज हर क्षेत्र में मध्य प्रदेश अग्रणी राज्यों की पंक्ति में खड़ा है। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश ने अपनी नई सोच, उद्यमशीलता, प्रगतिशील दृष्टिकोण और नवाचारों के माध्यम से विकास के ऐसे मानक स्थापित किए हैं, जिनका अनुसरण अब अन्य राज्य भी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारत जल्द ही विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने जा रहा है और निःसंदेह यह तय है कि इस ऐतिहासिक उपलब्धि में मध्य प्रदेश का योगदान सबसे बड़ा होगा। केंद्रीय गृह मंत्री गुरुवार को पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्व. अटल बिहारी वाजपेयी की 101वीं जन्म जयंती के विशेष अवसर पर ग्वालियर में आयोजित ह्लअभ्युदय मध्य प्रदेश ग्रोथ समिटह्व को संबोधित कर रहे थे।

कंधमाल के चाकापाड़ थाना क्षेत्र और गंजाम जिले के रांभा वन क्षेत्र में ऑपरेशन

ओडिशा में 2 महिलाओं सहित 6 नक्सली ढेर

संवाददाता

गुरुवार को ओडिशा के कंधमाल में सुरक्षाबलों ने एनकाउंटर में 6 नक्सलियों को ढेर कर दिया। इनमें एक करोड़ से ज्यादा का इनामी सेंट्रल कमेटी मेंबर (सीसीएम) गणेश उइके भी शामिल है। दो महिला नक्सली भी मारी गई हैं। मारे गए नक्सलियों के शव और हथियार बरामद कर लिए गए हैं। सुरक्षाबलों को कंधमाल जिले के चाकापाड़ इलाके में नक्सलियों की मौजूदगी का इनपुट मिला था। इसी इनपुट के आधार पर 23 टीमों को ऑपरेशन के लिए भेजा गया था। यह ऑपरेशन कंधमाल जिले के चाकापाड़ थाना क्षेत्र और गंजामजिले के रांभा वन क्षेत्र में चलाया गया।अभियान के दौरान अलग-अलग स्थानों पर माओवादियों और एसओजी जवानों के बीच कई बार

गोलीबारी हुई। मुठभेड़ के बाद इलाके में सर्चिंग की गई, जिसमें 5 नक्सलियों के शव मिले। इनमें 4 पुरुष और 2 महिलाएं हैं। सभी माओवादी वर्दी में थे। मौके से 2 इंसास राइफल और एक 303 राइफल बरामद हुई है। गौरतलब है कि कंधमाल के नजदीक 4 दिसंबर को छत्तीसगढ़के दंतेवाड़ा व बीजापुर बॉर्डर पर सुरक्षाबलों ने 6 और नक्सलियों को मार गिराया था। 3 दिसंबर को यहीं 12 नक्सलियों का एनकाउंटर हुआ था। सभी 18 नक्सलियों के शवों को जिला मुख्यालय बीजापुर लाया गया था।सबकी डेड बॉडी और कई हथियार बरामद, माओवादी वर्दी में थे सभी अभियान में 20 एसओजी, दो सीआरपीएफ और एक बीएसएफ टीम थी शामिल।

50% टैरिफ को घटाने का प्रस्ताव, नए साल में ठोस फैसले की उम्मीद

ट्रेड वार्ता में भारत ने अमेरिका के सामने दिखाया सख्त स्टैंड, टैरिफ 15% करने का दिया ऑफर

एजेंसी

नई दिल्ली: सख्त स्टैंड जाहिर करते हुए भारत ने अमेरिका के सामने ट्रेड वार्ता में अपना फाइनल प्रस्ताव रख दिया है। भारत ने स्पष्ट किया है कि उस पर लगाए गए 50% टैरिफ को घटाकर 15% किया जाए। साथ ही रूस से कच्चा तेल खरीदने पर जो एक्स्ट्रा 25% पेनाल्टी लगाई गई है, उसे पूरी तरह खत्म किया जाए। दोनों देशों के बीच चल रही इस वार्ता से नए साल में कोई ठोस फैसला निकलने की उम्मीद जताई जा रही है। उल्लेखनीय दोनों देशों के बीच एक व्यापक द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) पर बातचीत चल रही है। वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल का कहना है कि समझौते पर जल्द सहमति बन सकती है, हालांकि उन्होंने कोई तय समय सीमा नहीं बताई। इस हफ्ते भारत और अमेरिका की व्यापार टीमों के बीच दिल्ली में बैठक हुई।प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि कांग्रेस ने देश के विकास में योगदान देने वाली महान विभूतियों का कद छोटा करने का कार्य किया। भाजपा की सरकार ने आंबेडकर, नरसिम्हा राव, प्रणब मुखर्जी, भगवान विरसा मुंडा से लेकर अटलजी तक के योगदान को समान रूप से सम्मान दिया और उनके योगदान को याद किया है। देश में दूसरों की लकीर छोटी कर एक ही परिवार को सारा श्रेय देने का प्रयास हुआ, भाजपा ने उसे भी बदला है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी गुरुवार को यहां पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के जन्म शताब्दी महोत्सव के अवसर पर नवनिर्मित राष्ट्र प्रेरणा स्थल का लोकार्पण करने के बाद एक जनसभा को संबोधित कर रहे थे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने क्रिसमस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आज लखनऊ की यह धरती नयी प्रेरणा का साक्षी बन रही है। 25 दिसंबर का यह दिन दो महान विभूतियों के जन्म का सुयोग लेकर आता है। अटलजी और महामना मदन मोहन मालवीयजी की जयंती है। आज के ही दिन महाराजा बिजली पासी की भी जन्म जयंती है। महाराजा बिजली पासी ने जो विरासत छोड़ी, उसे हमारे पासी समाज ने आगे बढ़ाया। यह संयोग ही था कि अटलजी ने ही वर्ष 2000 में महाराजा बिजली पासी के नाम पर डाक टिकट जारी किया। इन महान विभूतियों को नमन करता हूं। नरेन्द्र मोदी ने कहा कि यह राष्ट्र प्रेरणा स्थल उस सोच का प्रतीक है जिसने भारत को आत्म सम्मान और एकता का मार्ग दिखाया। मुखर्जी, उपाध्याय और अटलजी की यह प्रतिमाएं जितनी ऊंची हैं, उससे अधिक ऊंची उनके विचार हैं। अटलजी कविता कदम मिलाकर.पढ़ते हुए मोदी ने कहा कि यह राष्ट्र प्रेरणा स्थल हमे संदेश देता है कि हमारा हर कदम राष्ट्र के लिए है। सबका प्रयास ही विकसित भारत के संकल्प का सिद्ध करेगा। इस भूमि पर पिछले कई दशकों से कूड़ा जमा था। प्रेरणा स्थल के निर्माण में लगे श्रमिकों और योगीजी की टीम को शुभकामनाएं देता हूं। मोदी ने कहा कि 2014 से पहले 25 करोड़ लोग ऐसे थे जो सरकार की सामाजिक सुरक्षा के दायरे में थे। आज 95 करोड़ उस दायरे में है। उप्र में भी बड़ी संख्या में लोगों को इसका लाभ मिला है। बैंक खाते कम ही लोगों के पास थे। बीमा भी नहीं मिल पाता था। बीमा के लिए योजनाएं बनाई गयीं।

राष्ट्रपतिः राष्ट्रपति आज प्रदान करेंगी प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार

राष्ट्रपति ने संताली भाषा में भारत के संविधान का किया लोकार्पण

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने गुरुवार को संताली भाषा में भारत के संविधान का औपचारिक लोकार्पण किया। यह संविधान संताली भाषा की अलचिकी लिपि में प्रकाशित किया गया है। राष्ट्रपति मुर्मु ने इस अवसर पर

राष्ट्रपति भवन में आयोजित समारोह को सबोधित करते हुए कहा कि संताली समुदाय के लिए यह गर्व और हर्ष का विषय है कि अब भारत का संविधान उनकी अपनी भाषा और लिपि में उपलब्ध है। इससे संताली भाषी लोग

संविधान को सीधे पढ़ और समझ सकेंगे। उन्होंने कहा कि संविधान की

मूल भावना और उसके अनुच्छेदों को मातृभाषा में समझने का अवसर मिलना लोकतंत्र को और सशक्त बनाता है।

राष्ट्रपति ने कहा कि वर्ष 2025 अलचिकी लिपि के शताब्दी वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है और ऐसे महत्वपूर्ण वर्ष में संविधान का अलचिकी लिपि में प्रकाशन अत्यंत सराहनीय है। उन्होंने इसके लिए केंद्रीय कानून एवं न्याय मंत्री और उनकी टीम की प्रशंसा की। अपने संबोधन में राष्ट्रपति ने कहा कि ओडिशा, झारखंड, पश्चिम बंगाल, असम और बिहार में रहने वाले संताली समाज के

लोग अब अपनी मातृभाषा और लिपि में लिखे गए संविधान के माध्यम से अपने अधिकारों और कर्तव्यों को बेहतर ढंग से समझ सकेंगे। समारोह में उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन और केंद्रीय कानून एवं न्याय राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। उल्लेखनीय है कि संताली भाषा भारत की प्राचीन जीवित भाषाओं में से एक है। इसे संविधान के 92वें संशोधन अधिनियम, 2003 के माध्यम से आठवीं अनुसूची में शामिल किया गया

था। यह भाषा मुख्य रूप से झारखंड, ओडिशा, पश्चिम बंगाल और बिहार में बड़ी संख्या में आदिवासी समुदाय द्वारा बोली जाती है।

कांग्रेस ने देश के विकास में योगदान देने वाली महान विभूतियों का कद छोटा करने का कार्य किया: मोदी

एजेंसी

लखनऊ। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि कांग्रेस ने देश के विकास में योगदान देने वाली महान विभूतियों का कद छोटा करने का कार्य किया। भाजपा की सरकार ने आंबेडकर, नरसिम्हा राव, प्रणब मुखर्जी, भगवान विरसा मुंडा से लेकर अटलजी तक के योगदान को समान रूप से सम्मान दिया और उनके योगदान को याद किया है। देश में दूसरों की लकीर छोटी कर एक ही परिवार को सारा श्रेय देने का प्रयास हुआ, भाजपा ने उसे भी बदला है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी गुरुवार को यहां पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के जन्म शताब्दी महोत्सव के अवसर पर नवनिर्मित राष्ट्र प्रेरणा स्थल का लोकार्पण करने के बाद एक जनसभा को संबोधित कर रहे थे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने क्रिसमस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आज लखनऊ की यह धरती नयी प्रेरणा का साक्षी बन रही है। 25

दिसंबर का यह दिन दो महान विभूतियों के जन्म का सुयोग लेकर आता है। अटलजी और महामना मदन मोहन मालवीयजी की जयंती है। आज के ही दिन महाराजा बिजली पासी की भी जन्म जयंती है। महाराजा बिजली पासी ने जो विरासत छोड़ी, उसे हमारे पासी समाज ने आगे बढ़ाया। यह संयोग ही था कि अटलजी ने ही वर्ष 2000 में महाराजा बिजली पासी के नाम पर डाक टिकट जारी किया। इन महान विभूतियों को नमन करता हूं। नरेन्द्र मोदी ने कहा कि यह राष्ट्र प्रेरणा स्थल उस सोच का प्रतीक है जिसने

खोरठा दिवस श्रीनिवास पानूरी के अतुलनीय योगदान की याद दिलाता है : अवध बिहारी

मारवाड़ी कॉलेज में खोरठा दिवस और श्रीनिवास पानूरी जयंती मनाई गई

रांची, संवाददाता ।

मारवाड़ी महाविद्यालय, रांची में जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा (खोरठा) विभाग द्वारा ह्लखोरठा दिवस/श्रीनिवास पानूरी जयंती सह एकदिवसीय संगोष्ठीह्व का आयोजन किया गया. कार्यक्रम का आयोजन महाविद्यालय के जे.सी. बोस सभागार में हुआ. कार्यक्रम के मुख्य अतिथि खोरठा भाषाविद डॉ. विनोद कुमार (समन्वयक, जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा विभाग सह विभागाध्यक्ष, खोरठा भाषा विभाग, ऊढटव) रहे. विशिष्ट अतिथियों में मेजर डॉ. माहेश्वर सारंगी, डॉ. अरविंद कुमार साव, डॉ. राहुल कुमार, डॉ. निरंजन कुमार, डॉ. राजेंद्र कुमार महतो एवं महादेव प्रसाद सहित कई खोरठा विद्वान एवं शिक्षाविद उपस्थित थे. अतिथियों का स्वागत खोरठा भाषा विभाग के सहायक प्राध्यापक सह एएनओ (एनसीसी) लेफ्टिनेंट डॉ. अवध बिहारी महतो एवं सहायक प्राध्यापक डॉ. अमित कुमार के नेतृत्व में हुआ. स्वागत में छात्र-छात्राओं द्वारा मांदर-नगाड़े की थाप, तिलक एवं पुष्पवर्षा के साथ किया गया. कार्यक्रम की शुरूआत श्रीनिवास पानूरी जी के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि देने से हुई.

स्वागत भाषण में लेफ्टिनेंट डॉ. अवध बिहारी महतो ने कहा कि खोरठा दिवस श्रीनिवास पानूरी जी के अतुलनीय योगदान की याद दिलाता है. उन्होंने खोरठा साहित्य की रचना के साथ-साथ भाषा को आगे बढ़ाने का ऐतिहासिक कार्य किया. इस अवसर पर उन्होंने क्रिसमस डे, पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी, तुलसी पूजन एवं झारखंड आंदोलनकारी शहीद निर्मल महतो को भी स्मरण किया. इसके पश्चात अतिथियों को अंगवस्त्र, प्रतीक चिन्ह एवं प्रशस्ति-पत्र देकर सम्मानित किया गया. मुख्य अतिथि डॉ. विनोद कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि श्रीनिवास पानूरी जी का खोरठा भाषा के विकास में योगदान अविस्मरणीय है. संघर्षपूर्ण जीवन के बावजूद उन्होंने खोरठा साहित्य को समृद्ध किया और समाज को प्रेरणा दी. उन्होंने युवाओं से अपनी मातृभाषा में साहित्य सृजन करने का आह्वान किया. अन्य वक्ताओं ने भी मातृभाषा पर गर्व करने, खोरठा भाषा के संरक्षण-संवर्धन, नियमित विचार-मंथन, आईटी एवं एआई से जोड़कर भाषा के विकास तथा रोजगार सृजन की संभावनाओं पर प्रकाश डाला. वक्ताओं ने कहा कि खोरठा झारखंड की द्वितीय राजभाषा बन चुकी है और इसके प्रचार-प्रसार से सांस्कृतिक पहचान और मजबूत होगी.

सांसद खेल महोत्सव का समापन : पीएम मोदी ने खिलाड़ियों को किया ऑनलाइन संबोधित, ओटीसी ग्राउंड में हुआ कार्यक्रम

रांची, संवाददाता ।

सांसद खेल महोत्सव का आज समापन हो गया. इस मौके पर रांची सहित देश भर के 237 स्थानों पर कार्यक्रम आयोजित किए गए. इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ऑनलाइन ना केवल खिलाड़ियों से बात की, वहीं इस मौके पर संबोधित कर युवा खिलाड़ियों में उर्जा भी भरा. प्रधानमंत्री मोदी ने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कई बातें कही. उन्होंने कहा कि खेल के मैदान में कोई जीतता है कोई सीखता है, हार किसी की नहीं होती. पीएम के इस संबोधन को जैसे ही रांची के ओटीसी ग्राउंड में खिलाड़ियों ने सुना तालियों की गड़गड़ाहट से परिसर गूंज उठा. पीएम ने संबोधित करते हुए कहा कि आपके जोश, जज्बा और उत्साह देखकर मुझे स्वर्णिम भारत के दर्शन हो रहे हैं. उन्होंने कहा कि सांसद खेल महोत्सव में 290 से ज्यादा सांसदों की भागीदारी है, जिसके आयोजन में 1 करोड़ से अधिक युवाओं ने रजिस्ट्रेशन कराया. पीएम मोदी ने कहा कि खेल का स्केल जितना बड़ा होगा, उतना ही बड़ा उसका इंपेक्ट होगा. शहरों से लेकर गांवों तक, हर बैकग्राउंड के युवा इसमें शामिल हैं. यह दिखाता है कि इसका पैमाना कितना बड़ा है. उन्होंने कहा कि काशी से सांसद होने के नाते, मैं अपने संसदीय क्षेत्र में इस खेल आयोजन से करीब से जुड़ा रहा हूं. मुझे यह देखकर खुशी होती है कि युवाओं ने इसके जरिए नए मील के पत्थर स्थापित किए हैं. सांसद खेल महोत्सव युवा निर्माण से राष्ट्रीय निर्माण का मजबूत स्तंभ बना. दूर-दराज और छोटे गांवों से नए खेल प्रतिभाएं उभरकर सामने आए. खेल को समय की बबार्दी समझने की सोच में बड़ा बदलाव आया. अब चयन पहचान नहीं, प्रतिभा के आधार पर हो रहा है.

ओटीसी ग्राउंड में रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ हुए शामिल

रांची के ओटीसी ग्राउंड में आयोजित सांसद खेल महोत्सव समापन के मौके पर रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ शामिल हुए. इस मौके पर छऊ नृत्य सहित विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया. इस अवसर पर खिलाड़ियों को टी-शर्ट के अलावे सभी फुटबॉल टीमों को दो नेट और एक फुटबॉल दिया गया. आपको बता दें कि सांसद खेल महोत्सव की शुरूआत 20 अगस्त से हुई थी, जिसका समापन आज 25 दिसंबर को हुआ. करीब चार महीने तक चले इस खेल महोत्सव में एथलेटिक्स, फुटबॉल सहित कुल 8 खेल प्रतिस्पर्धा आयोजित हुए. जिसमें अकेले फुटबॉल में कुल 147 टीमों ने भाग लिया. रांची लोकसभा क्षेत्र के प्रत्येक विधानसभा में हर दिन तीन चार मैच आयोजित हुए. तीरदांजी, कबड्डी, मैराथन, फुटबॉल, बुशू जैसे खेलों में खिलाड़ी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया. रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने कहा कि इस खेल महोत्सव से ग्रामीण क्षेत्र में छिपी हुई प्रतिभा को आगे लाने का प्रयास किया गया है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रेरणादायक संबोधन से ये खिलाड़ी उत्साहित हैं, जिसका लाभ 2030 में होने वाले कॉमनवेल्थ गेम्स में जरूर देखने को मिलेगा.

हजारीबाग में भी कार्यक्रम आयोजित

हजारीबाग के संजय सिंह स्टेडियम में भी सांसद खेल महोत्सव के समापन कार्यक्रम का आयोजन किया गया. जिसमें हजारीबाग के सांसद और बड़ी संख्या में स्थानीय लोग शामिल रहे. हजारीबाग की बात की जाए तो लगभग 30 हजार से अधिक खिलाड़ियों ने इस महोत्सव में हिस्सा लिया. वहीं अगले साल एक लाख से अधिक खिलाड़ी सांसद खेल महोत्सव में हिस्सा लेंगे. इसके लिए तैयारी शुरू कर दी गई है. हजारीबाग सांसद मनीष जायसवाल ने कहा कि अगले साल कई अन्य खेल को भी इसमें स्थान दिया जाएगा.

क्रिसमस पर्व पर आर्च बिशप विंसेंट आइंद को कांग्रेस नेताओं की शुभकामनाएं

रांची, संवाददाता ।

क्रिसमस के पावन अवसर पर झारखंड प्रदेश कांग्रेस वरिष्ठ नेताओं और कार्यकताओं ने आर्च बिशप विंसेंट आइंद को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दीं. इस अवसर पर नेताओं ने क्रिसमस पर्व को प्रेम, करुणा और सामाजिक सौहार्द का प्रतीक बताते हुए समाज में आपसी भाईचारे को और मजबूत करने की अपील की. प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश के नेतृत्व में नेताओं ने अपने संदेश में कहा कि प्रभु यीशु मसीह का जीवन और उनके आदर्श आज भी मानवता को सही मार्ग दिखाने वाले हैं. प्रेम, सेवा, त्याग और करुणा का संदेश वर्तमान समय में अत्यंत प्रासंगिक है. जब समाज को एकजुटता और शांति की सबसे अधिक आवश्यकता है. नेताओं ने कहा कि क्रिसमस का पर्व सभी वर्गों और समुदायों के बीच आपसी सद्भाव और विश्वास को बढ़ाने का अवसर प्रदान करता है. कांग्रेस नेताओं ने कामना की कि यह पावन पर्व झारखंड सहित पूरे देश में सुख, समृद्धि और अमन-चैन का संदेश लेकर आए. साथ ही समाज में सकारात्मक सोच, आपसी सम्मान और सामाजिक एकता को और सशक्त करे. उन्होंने कहा कि झारखंड की संस्कृति में सर्वधर्म समभाव की परंपरा हमेशा से रही है, जिसे और मजबूत करने की आवश्यकता है. इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश के अलावा सुबोधकांत सहाय, रोशन लाल भाटिया, सतीश पॉल, मुजनी, विनय सिंह दीपू, डॉ. राजेश गुप्ता छोटू, आलोक कुमार दुबे सुरेश कुमार सिंह, रोहित सिन्हा, दीपक लाल, रविचंद्र कपूर, आदि थे।

शीतलहर की चपेट में झारखंड, अस्पतालों में बढ़ रही मरीजों की संख्या

रांची, संवाददाता ।

राजधानी रांची समेत पूरा झारखंड इस समय सर्द पछुआ हवाओं की वजह से कड़ाके की ठंड की चपेट में है. दिन की शुरूआत कोहरे और धुंध से हो रही है, और तेज पछुआ हवाओं से बढ़ती कनकनी का असर लोगों की सेहत पर पड़ रहा है. रिम्स के मेडिसिन विभाग के वरिष्ठ चिकित्सक प्रोफेसर (डॉ.) संजय सिंह के मुताबिक, इस मौसम की वजह से होने वाली बीमारियों के कारण अस्पताल में भर्ती होने वाले मरीजों की संख्या में काफी बढ़ोतरी हुई है. डॉ. संजय सिंह बताते हैं कि पिछले कुछ दिनों से झारखंड के कई जिलों में शीतलहर के कारण एलर्जी, ब्रोंकाइटिस, अस्थमा और निमोनिया के मरीजों की संख्या में तेजी से बढ़ोतरी हुई है. पहले आमतौर पर हर यूनिट में 2-3 निमोनिया के मरीज भर्ती होते थे, लेकिन ठंड के कारण यह संख्या बढ़कर 10 या उससे ज्यादा हो गई है. वे यह भी बताते हैं कि पैरालिसिस और दिल से जुड़ी बीमारियों के मरीजों की संख्या में भी बढ़ोतरी हुई है. उन्होंने बताया कि पिछले दिन इमरजेंसी में 80-85 मरीज सिर्फ ठंड की वजह से बीमार पड़कर रिम्स पहुंचे थे. उनमें से कई को इलाज के लिए भर्ती किया गया है.

रांची के मौसम केंद्र ने आने वाले दिनों में ठंड और बढ़ने का अनुमान लगाया है. 13 जिलों के लिए शीतलहर का ऑरेंज और येलो अलर्ट जारी किया गया है. इस स्थिति में, डॉक्टर संजय सिंह सलाह देते हैं कि इस मौसम में स्वस्थ रहने के लिए अपने शरीर को गर्म कपड़ों से पूरी तरह ढककर रखना जरूरी है. अपने शरीर को ठंडी हवाओं के संपर्क में आने से बचाएं. उन्होंने जोर देकर कहा कि इस कड़ाके की ठंड में स्वस्थ रहने के लिए बेहद जरूरी है कि खाली पेट ना रहें. घर से निकलते समय यह सुनिश्चित करें कि आपका शरीर गर्म कपड़ों से पूरी तरह ढका हो, और बाहर जाने से पहले गर्म और ताजा खाना जरूर खाएं. उन्होंने समझाया कि खाना शरीर को गर्म रखने और एनर्जी लेवल बनाए रखने में मदद करता है. वे बताते हैं कि अगर आपको लगातार छींकें आना, शरीर में तेज दर्द, बहुत ज्यादा ठंड लगना, लगातार खांसी और ब्लड प्रेशर बढ़ना, और कई मामलों में लूज मोशन जैसी दिक्कतें हो रही हैं, तो ये सभी ठंड लगने के लक्षण हैं.

रिम्स में क्रिटिकल केयर के हेड डॉ. प्रदीप भट्टाचार्य का कहना है कि हाई ब्लड प्रेशर वाले मरीज जिन्हें अपनी हालत के बारे में पता नहीं है, उन्हें इस मौसम में स्ट्रोक का ज्यादा खतरा होता है, क्योंकि ठंडे मौसम में आर्टरी सिकुड़ जाती हैं, जिससे ब्लड प्रेशर बढ़ जाता है. डॉ. भट्टाचार्य ने यह भी बताया कि लोग सर्दियों में कम पानी पीते हैं, जिससे डिहाइड्रेशन होता है, जो ब्लड सकुर्लेशन को प्रभावित करता है और नतीजतन स्ट्रोक और एंजाइना का खतरा बढ़ जाता है. रिम्स में एसएनसीयू के हेड और पीडियाट्रिशियन डॉ. राजीव मिश्रा बताते हैं कि बच्चों का इम्यून सिस्टम कमजोर होता है और अपनी उम्र और चंचल स्वभाव के कारण वे ठंड के ज्यादा संपर्क में आते हैं. इसलिए बीमार पड़ने का खतरा ज्यादा होता है. डॉ. मिश्रा सलाह देते हैं कि बच्चों को इस मौसम में बाहर खेलने से बचना चाहिए और उन्हें सही कपड़ों से गर्म रखना चाहिए.

नाली का गंदा पानी सड़क पर, दुर्गंध से लोगों का रहना मुश्किल

रांची, संवाददाता ।

हरमु रोड स्थित कुम्हार टोली, वार्ड संख्या-21 के सैकड़ों लोग पिछले दो महीनों से नारकीय जीवन जीने को मजबूर हैं. वर्षों से घरों और सड़क का पानी जिस सरकारी नाली के माध्यम से बहता था, उसे हाल ही में बाउंड्री कर पूरी तरह बंद कर दिया गया है. इसके कारण नाली का पानी सड़क पर फैल गया है. इसकी वजह से लोगों को आने जाने में काफी परेशानी उठानी पड़ रही है. नाली बंद होने से सड़क पर लगातार गंदा पानी बह रहा है, जिससे दुर्गंध फैल गई है. हालात ऐसे हैं कि लोग नाक ढककर सड़क पार करने को मजबूर हैं. स्थानीय लोगों ने बताया कि सरकार द्वारा बनाए गए पुल और नाली को अवैध तरीके से बंद कर दिया गया है, जिससे नाली और पुल में पानी लबालब भर गया है. सड़क पर पानी जमने की वजह से कई घरों की चारदीवारी के भीतर गंदा पानी प्रवेश कर गया है. रोड पर पानी जमा हो रहा है. डेंगू, मलेरिया जैसी गंभीर बीमारियों के फैलने की आशंका है. लोगों ने बताया यदि जल्द समाधान नहीं हुआ तो कई लोगों को डेंगू जैसी बिमारी हो सकती है.

शिकायत के बावजूद नहीं हुई कार्रवाई

इस समस्या को लेकर स्थानीय लोगों ने उपायुक्त और नगर निगम को लिखित आवेदन सौंपा है, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है. इससे लोगों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है. लोगों ने प्रशासन से अविलंब नाली को चालू कराने की मांग की है.

झारखंड भाजपा कार्यालय में अटल बिहारी वाजपेयी के कृतित्व और व्यक्तित्व पर लगाई गई प्रदर्शनी, जयंती पर नेताओं ने दी श्रद्धांजलि

रांची, संवाददाता ।

आज देश पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की 101वीं जयंती मना रहा है. इस मौके पर झारखंड सहित देशभर में सुबह से ही कई कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं. झारखंड विधानसभा परिसर स्थित अटल बिहारी वाजपेयी की आदमकद प्रतिमा पर श्रद्धांजलि देनेवालों का तांता लगा रहा. पूर्व भाजपा अध्यक्ष रविन्द्र कुमार राय, विधायक सीपी सिंह, भाजपा संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह आदि नेताओं ने श्रद्धा-सुमन अर्पित कर पूर्व प्रधानमंत्री को याद किया. इधर, राजभवन में राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने अटल बिहारी वाजपेयी की तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी.

भाजपा प्रदेश कार्यालय में याद किए गए अटल

पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती के मौके पर प्रदेश भाजपा कार्यालय में कार्यक्रम का आयोजन किया गया. इस मौके पर भाजपा नेताओं ने अटल बिहारी वाजपेयी की तस्वीर पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की.

अटल बिहारी के कृतित्व और व्यक्तित्व पर प्रदर्शनी

प्रदेश भाजपा कार्यालय में पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के कृतित्व और व्यक्तित्व को दशार्ती प्रदर्शनी लगाई गई थी, जो लोगों के आकर्षण का केंद्र रही. इस अवसर पर पूर्व प्रदेश अध्यक्ष रविन्द्र कुमार राय ने प्रदर्शनी का अवलोकन कर उन्हें विशाल हृदय वाला व्यक्ति बताया. पूर्व प्रदेश अध्यक्ष रविन्द्र कुमार राय ने कहा कि इस देश की राष्ट्रीय चरित्र और राष्ट्रीय जीवन को अपने जीवन में ढालकर और पाल कर उन्होंने अद्भुत राजनीतिक प्रदर्शन किया,जिसका इस प्रदर्शनी के माध्यम से आकलन किया जा सकता है.अटल बिहारी वाजपेयी के जीवन से हमें कई राजनीतिक शिक्षा मिलती है. गौरतलब है कि अटल बिहारी वाजपेयी का जन्म 25 दिसंबर 1924 को मध्यप्रदेश के ग्वालियर में हुआ था. इनकी जयंती के 101 वर्ष के उपलक्ष्य में भाजपा झारखंड सहित देशभर में कई कार्यक्रम आयोजित कर रही है.

झारखंड की सब जूनियर थ्रोबॉल टीम वाराणसी रवाना

रांची, संवाददाता ।

झारखंड राज्य थ्रोबॉल संघ द्वारा चयनित सब जूनियर बालक एवं बालिका टीम 26 से 28 दिसंबर 2028 तक उत्तर प्रदेश के बनारस में आयोजित होने वाली 33वीं सब जूनियर राष्ट्रीय थ्रोबॉल प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए रवाना हुई। प्रतियोगिता की तैयारी को लेकर संघ द्वारा 05 दिवसीय प्रिपरेशन कैंप का आयोजन किया गया था। सब जूनियर महिला टीम का प्रशिक्षण शिविर पूर्वी सिंहभूम के पटमदा में जबकि पुरुष टीम का प्रशिक्षण शिविर चतरा जिले के सिमरिया में संपन्न हुआ। कैंप के दौरान खिलाड़ियों के प्रदर्शन के आधार पर अंतिम टीम का चयन किया गया। संघ के अध्यक्ष वेदांत कौस्तव ने चयनित खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि झारखंड के खिलाड़ी लगातार राष्ट्रीय स्तर पर बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं और उन्हें पूर्ण विश्वास है कि यह टीम प्रतियोगिता में राज्य का नाम रोशन करेगी। चयनित सब जूनियर टीम में बालक वर्ग में क्रमशः विशाल कुमार, ओम कुमार, आलोक कुमार, रितेश कुमार, रवि कुमार, सन्नी कुमार, विक्रम कुमार, इंद्रजीत कुमार यादव, अखिलेश कुमार, वीर प्रताप सिंह, अयान राशिद, फरीद अनवर, प्रदीप महतो, मोहम्मद शाह आलम एवं बालिका वर्ग में पिंकी कुमारी, संध्या कुमारी, चांदनी कुमारी, निशु प्रिया, ललिता बास्की, पूर्णिमा मुर्मू, परमिला टुडू, सुमित्रा हेम्ब्रम, सुमिता सोरेन, रमनी हांसदा, प्रमिला सोरेन, मालाबती टुडू, सुनिया हांसदा, चुरामणि टुडू, प्रतिमा मुर्मू शामिल हैं। टीम के अच्छे प्रदर्शन की कामना करते हुए डॉ. राजेश गुप्ता, गोविंद झा, राजेश कुमार, जमील अंसारी, आशुतोष गोस्वामी, विश्वास उरांव, गौतम सिंह, नगीना कुमार, कीर्ति कुमार, सोनू सिंह, देवव्रत कुमार, डॉ. मनीष शाहदेव, राकेश कुमार, नीतीश सिंह, अमित कुमार एवं दीपक वर्मा सहित कई खेलप्रेमियों व पदाधिकारियों ने शुभकामनाएं दी हैं।

पेसा नियमावली का आदिवासी संगठन ने किया स्वागत, कहा- बाहरियों को लाभ देने की कोशिशों का होगा विरोध

रांची, संवाददाता ।

झारखंड में पेसा एक्ट (पंचायत उपबंध, अनुसूचित क्षेत्रों पर विस्तार अधिनियम) के तहत बहुप्रतीक्षित नियमावली को मंगलवार को आयोजित राज्य कैबिनेट की बैठक में मंजूरी मिल गई. हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में पंचायती राज विभाग के प्रस्ताव को मामूली संशोधनों के साथ स्वीकृति दी गई. इस नियमावली के लागू होने से अनुसूचित क्षेत्रों में ग्राम सभाओं को अधिक सशक्त बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है. आदिवासी संगठन ने इसे लेकर खुशी जताई है, वहीं उनकी कुछ आशंकाएं भी हैं. पेसा नियमावली को लेकर राज्यभर से लगातार प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं. इसी क्रम में केंद्रीय सरना समिति की ओर से गुरुवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित कर इस नियमावली के पारित होने पर राज्य सरकार को शुभकामनाएं दी गईं. केंद्रीय सरना समिति के अध्यक्ष फूलचंद तिर्की ने कहा कि पेसा कानून कोई नया कानून नहीं है, बल्कि यह वर्षों से लंबित था. देर से ही सही, लेकिन झारखंड में अब इस कानून के तहत नियमावली बनाकर लागू किया गया है, जो स्वागत योग्य कदम है.

हालांकि इस दौरान केंद्रीय सरना समिति ने कुछ गंभीर सवाल भी खड़े किए. फूलचंद तिर्की ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि अगर इस नियमावली में मिशनरियों या किसी विशेष वर्ग के हित में कोई संशोधन किया गया है, तो इसका पुरजोर विरोध किया जाएगा. उन्होंने कहा कि पेसा एक्ट का मूल उद्देश्य आदिवासी समाज की परंपरा, संस्कृति और ग्राम सभा की सर्वोच्चता को सुरक्षित करना है, न कि किसी बाहरी प्रभाव को बढ़ावा देना. सरना समिति का कहना है कि सरकार को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि नियमावली पूरी तरह से संविधान की भावना और पेसा कानून के मूल प्रावधानों के अनुरूप हो. किसी भी तरह का संशोधन, जो आदिवासी समाज के अधिकारों को कमजोर करता हो, स्वीकार नहीं किया जाएगा. पेसा एक्ट की नियमावली को कैबिनेट से मंजूरी मिलना झारखंड के आदिवासी बहुल इलाकों के लिए एक महत्वपूर्ण राजनीतिक और सामाजिक घटनाक्रम माना जा रहा है. अब सबकी निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि इसके क्रियान्वयन में सरकार कितनी गंभीरता और पारदर्शिता दिखाती है.

मंईयां लाभुकों को नवंबर माह की राशि ट्रांसफर, जल्द मिलेगी दिसंबर की राशि

रांची, संवाददाता ।

झारखंड की मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना की लाभुकों के लिए खुशखबरी है. क्रिसमस त्यौहार को देखते हुए जिला स्तर से लाभुकों के खाते में नवंबर माह की किस्त ट्रांसफर होने लगी है. ज्यादातर जिलों से नवंबर माह के किस्त के 2500 रु. आधार सीडिंग से भेज दिए गए हैं. अब सिर्फ दिसंबर माह की किस्त बकाया है. इसको भी जारी करने की तैयारी कर ली गई है.

चार जिलों में हुआ थोड़ा विलंब

निदेशालय के मुताबिक राज्य के 24 में से 20 जिलों में 23 दिसंबर से राशि ट्रांसफर करने की प्रक्रिया शुरू हो गई थी. सिर्फ देवघर, गुमला, पश्चिमी सिंहभूम और सरायकेला में कुछ वजहों से विलंब हो रहा था. वहां भी 24 दिसंबर की शाम से राशि ट्रांसफर करने की कवायद शुरू हो गई है. भरोसा दिलाया गया है कि 25 दिसंबर तक इन चारों जिलों के लाभुकों के खाते में नवंबर माह की किस्त चली जाएगी.

बहुत जल्द जारी होगी दिसंबर माह की किस्त

सामाजिक सुरक्षा निदेशालय के निदेशक विजय कुमार के मुताबिक फरवरी, 2026 तक की राशि पड़ी हुई है. लिहाजा, किस्त को जारी करने में कहीं कोई अड़चन नहीं है. इस बार क्रिसमस त्यौहार को देखते हुए नवंबर माह की किस्त जारी की जा रही है. दिसंबर माह की किस्त जनवरी, 2026 में सोहराय और टुसू पर्व को देखते हुए जारी करने की तैयारी है ताकि त्यौहार की खुशियों में चार चांद लग सके.

रांची जिला प्रशासन ने जारी कर दिए पैसे

रांची जिला प्रशासन ने लाभुकों की लिस्ट भी जारी कर दी है. रांची जिला की 3 लाख 93 हजार 84 लाभुकों के खाते में आधार बेस्ड भुगतान के तहत 98 करोड़ 27 लाख 10 हजार की राशि का भुगतान कर दिया गया है.

बजट और अनुपूरक बजट में राशि का प्रावधान

बता दें कि वित्तीय वर्ष 2025-26 के बजट में राज्य सरकार ने मंईयां सम्मान योजना के लिए 13,363 करोड़ 35 लाख रु. का बजटीय उपबंध किया था. इसके अलावा दिसंबर 2025 में शीतकालीन सत्र के दौरान राज्य सरकार ने 7,721.25 करोड़ रुपये का दूसरा अनुपूरक बजट पेश किया था, जिसमें सबसे अधिक 2,082 करोड़ रुपये राशि का प्रावधान महिला एवं बाल विकास विभाग के लिए किया गया है ताकि मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना के संचालन पर कोई असर ना पड़े. इस योजना का संचालन अगस्त 2024 से किया जा रहा है. शुरूआत में अगस्त से दिसंबर 2024 तक लाभुकों के खाते में 1000 रु ट्रांसफर किए जा रहे थे. लेकिन पिछले चुनाव के वक्त वादे के मुताबिक सत्ता में आने के बाद हेमंत सरकार ने जनवरी 2025 से प्रति लाभुक 2,500 रु. ट्रांसफर करना शुरू किया है जो लगातार जारी है. होली के समय एक साथ तीन माह की किस्त के रूप में प्रति लाभुक को 7,500 रु दिए गये थे. फिलहाल नवंबर और दिसंबर की किस्त बकाया हो गई थी, लेकिन नवंबर माह की किस्त जारी की जा चुकी है.

शाम होते ही डेरा जमाने लगते हैं आसपास के असामाजिक तत्व

करमटोली पार्क की अनदेखी, टूट गए झूले, हादसों को दावत दे रहे नंगे तार

संवाददाता । रांची

राजधानी रांची की हृदयस्थली में स्थित प्रसिद्ध करमटोली पार्क बदहाली का शिकार हो चुका है। कभी बच्चों की भीड़ और परिवारों की चहल-पहल से गुलजार रहने वाला यह पार्क अब अनदेखी और लापरवाही की भेंट चढ़ता नजर आ रहा है। हालात ऐसे हैं कि लोग अब यहां परिवार के साथ आने से भी कतराने लगे हैं। पार्क में लगे झूले पूरी तरह टूट चुके हैं। कहीं जंग लगे लोहे के ढांचे नजर आते हैं तो कहीं झूले जमीन पर बिखरे पड़े हैं। बच्चों के खेलने के लिए सुरक्षित कोई भी साधन फिलहाल पार्क में मौजूद नहीं है। बच्चों का मनोरंजन खत्म हो गया है। इतना ही नहीं कुछ स्लाइडर तो ऐसी स्थिति में है कि किसी भी समय बड़े हादसे को दावत दे सकते है। स्थानीय लोगों की मानें तो करोड़ों रुपये खर्च कर पार्क और तालाब का जीणोर्धार किया गया था। उस वक्त उम्मीद जगी थी कि करमटोली पार्क एक बार फिर रांची के प्रमुख पिकनिक और मनोरंजन स्थलों में शामिल होगा। फ्लोटिंग फाउंटेन और आकर्षक लाइटिंग से पार्क जगमगा रहा था। कुछ ही समय में रखरखाव की कमी और प्रशासनिक उदासीनता के कारण सारी योजनाएं कागजों तक सिमट कर रह गईं। पार्क से सटे तालाब की स्थिति भी चिंताजनक है। गंदगी का अंदाजा तालाब की स्तिथि देखकर लगाया जा सकता है कि न तो नियमित सफाई होती है और न ही सुरक्षा गार्ड की तैनाती है। कोई भीआसानी से पार्क में प्रवेश कर सकता है। पार्क में आने वाले लोगों का कहना है कि पार्क की तत्काल मरम्मत, झूलों की पुनः स्थापना, नंगे तारों को हटाने, पर्याप्त लाइट और सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। साथ ही शाम के समय पुलिस पेट्रोलिंग बढ़ाने पर जोर दिया, जिससे कि लोग शाम ढलने के बाद भी इस पार्क में जा सकें। बता दें कि इस रास्ते से हर दिन मंत्री से लेकर अधिकारी सब गुजरते हैं। इसके बावजूद पार्क की बदहाली पर किसी का ध्यान नहीं हैं। करमटोली तालाब के सौंदर्यीकरण पर 11.24 करोड़ की लागत आई थी। जुडको द्वारा 18 माह में इसका जीर्णोद्धार किया गया था। यहां तीन छठ घाट, लैंड स्केपिंग व म्यूजिकल फाउंटेन का निर्माण किया गया था। इसके अलावा यहां चिल्ड्रेन पार्क, सरना स्थल का विकास, पार्किंग व शौचालय का भी निर्माण किया गया था।

आकर्षक रंगीन फव्वारा, बैठने के लिए शेड, हरे-भरे लैंड स्केपिंग वाले घास और कैफेटेरिया भी बनाया गया था लेकिन, आजतक कैफेटेरियाशुरू नहीं हो पाया।

जामताड़ा में लूट की घटना के विरोध में बाजार बंद कर सड़क पर उतरे व्यापारी

हवा में तीर चला रही पुलिस, अब तक नहीं पकड़े गए डकैत

संवाददाता ।

अजंता चौक स्थित एक आभूषण दुकान में बुधवार की शाम हुई सनसनीखेज लूट की वारदात के विरोध में गुरुवार को जामताड़ा शहर के व्यापारियों ने अपनी-अपनी प्रतिष्ठान बंद रखीं। बंद का आह्वान चैंबर ऑफ कॉमर्स ने किया था। सभी व्यापारी एकजुट होकर बंद के समर्थन में सड़कों पर उतरे औरघटना के खिलाफ विरोध जताया। व्यापारियों का कहना है कि आज प्रतीकात्मक रूप से दुकानें बंद कर प्रशासन को चेताया जा रहा है।अगर, जल्द ही अपराधियों की गिरफ्तारी और कड़ी कार्रवाई नहीं हुई, तो उग्र आंदोलन किया जाएगा। बंद को सफल बनाने के लिए व्यापारी शहर में घूम-घूमकर अन्य दुकानदारों से भी प्रतिष्ठान बंद रखने की अपील करते नजर आए। गौरतलब है कि बुधवार शाम बालाजी ज्वेलर्स नामक आभूषण दुकान में नकाबपोश चार अपराधियों ने हथियार के बल पर लूट की वारदात को अंजाम दिया था। लूट के दौरान अपराधियों ने दुकान संचालक को दो गोलियां मार दीं। गंभीर रूप से घायल दुकानदार को दुगार्पुर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उसके पेट और गर्दन में गोली फंसी हुई है, जिसका ऑपरेशन गुरुवार को किया जाना है। घटना के बाद से पूरे शहर में दहशत का माहौल है और व्यापारियों में आक्रोश व्याप्त है। लोग कानून-व्यवस्था को लेकर प्रशासन से ठोस कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

हिन्दुओं पर हो रहे अत्याचार पर मुस्लिमों ने बंगलादेश उच्चायुक्त को लिखा पत्र

संवाददाता ।

रांची । जमीतुल मोमेनिन चौरासी झारखंड ने एम रियाज हमिदुललाह, उच्चायुक्त, बंग्लादेश उच्चायुक्त कार्यालय, नई दिल्ली को पत्र लिखकर दीपू चंद्र दास बंग्लादेश निवासी के माबलिंचिंग की धरना एवं बंग्लादेश के अल्पसंख्यक हिंदुओं पर अत्याचार के संबंध में ध्यानाकर्षक कराया है। बंग्लादेश में 18 दिसम्बर की रात हिंदू युवक दीपू चंद्र दास की निर्मम हत्या कर दी गई थी। इस हत्या के पीछे जो भी मामला हो किसी को भी कानून अपने हाथ में लेने और कानून से उपर उठकर काम करने का अधिकार नहीं है। इस घटना में लिप्त अभियुक्तों पर विधिसम्मत कारवाई और कठोर से कठोर सजा मिले ताकि भविष्य में इस तरह की घटना नहीं हो।बंग्लादेश के अल्पसंख्यक हिंदुओं पर भी निरंतर अत्याचार की धटनाएं हो रही है। किसी भी देश का नागरिक हो चाहे वह अल्पसंख्यक हो समान अधिकार मिलना कानूनी है।

झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा ने निर्मल महतो की 75 वीं जयंती मनाई

निर्मल महतो के राजकीय मान-सम्मान से ही झारखंड राज्य व सरकार का सम्मान है.; पुष्कर महतो

संवाददाता । रांची

रांचीः झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा रांची जिला के तत्वावधान में सर्कुलर रोड स्थित शहीद निर्मल महतो चौक के पास आज निर्मल महतो की 75 वीं जयंती मनाते हुए श्रद्धासुमन अर्पित की गई.

इस मौके पर झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष समस्या का संस्थापक प्रधान सचिव पुष्कर महतो ने कहा कि निर्मल महतो की जयंती राजकीय मान सम्मान के साथ मनाया जाना चाहिए. बहुत ही साधारण तरीके से आज उनकी जंयती मनाई गई . निर्मल महतो के राजकीय मान सम्मान से ही झारखंड राज्य व सरकार का सम्मान है. उन्होंने मांग की की निर्मल महतो की जीवनी को पाठ्यक्रम में शामिल किया गया है एवं सरकार के द्वारा गजट नोटिफिकेशन का झारखंड आंदोलनकारी एवं शहीद का दर्जा दिया जाए. दक्षिणी छोटा नागपुर प्रजामंडल की अध्यक्ष श्रीमती रोजलीन तिर्की ने कहा कि निर्मल महतो ने जुल्म अन्याय अत्याचार सुटखोरी के खिलाफ एवं झारखंडियों के रोजी, रोजगार एवं नियोजन की गारंटी के लिए संघर्ष करते हुए शहादत दिए. समता मूलक समाज के लिए उन्होंने नारा दिया खून तो खून है टपकता है तो जम जाता है जुल्म तो जुल्म है बढ़ता है तो मिट जाता है.

जिला अध्यक्ष सुबोध कुमार लकड़ा ने कहा कि झारखंड अलग राज्य तथा माय - माटी के मूल्य की रक्षा की लड़ाई अभी भी बाकी है. अपने अस्तित्व एवं अस्मिता की रक्षा के लिए एक और संघर्ष करने की आवश्यकता है.

106.4 एफएम का ग्रैंड क्रिसमस कार्निवल, मॉल ऑफ रांची मे बिगेस्ट केक कटिंग और जश्न का माहौल

संवाददाता । रांची

रांची : 106.4 एफएम द्वारा इस क्रिसमस पर राजधानी रांची के लोगों के लिए क्रिसमस कार्निवल सेलिब्रेशन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत 22 दिसंबर से हुई जिसमे 22 से 25 दिसंबर तक कैंटर वैन राजधानी रांची के विभिन्न इलाकों, सोसायटी और पार्कों में घूमी , जहाँ 106.4 एफएम के सैंटा क्लॉज द्वारा बच्चों के बीच चॉकलेट और गिफ्ट्स बांटकर क्रिसमस की खुशियाँ साझा किया। इस पूरे कार्यक्रम को आर.जे. राजेश्वरी और आर.जे. सावन ने होस्ट किया, इसका मुख्य आकर्षण 25 दिसंबर को मॉल ऑफ रांची में आयोजित बिगेस्ट सेरेमोनियल केक कटिंग कार्यक्रम रहा। इस मौके पर कई मजेदार गेम्स, सरप्राइज एक्टिविटीज और शानदार क्रिसमस कैरोल परफॉर्मेंस भी हुई, जिसमे बड़ी संख्या में लोगो ने भाग लिया। महिलाओं के लिए मेहंदी कंपटीशन एवं बच्चों ने बढ़ चढ़कर अपना कार्यक्रम का हिस्सा लिया इन सारे कार्यक्रम में विनरों को सर्वदा ज्वेलर्स की ओर से खास कूपन दिया गया है ।इस मौके पर पीयूष हेतमसरिया (निर्देशक, प्रतीक ऑटोमोबाइल), अनूप शुक्ला (जीएम, प्रतीक ऑटोमोबाइल) सहित 106.4 एफएम की पूरी टीम और अन्य लोग उपस्थित रहे। इस भव्य क्रिसमस कार्निवल को सफल बनाने में सहयोगी पार्टनर्स के रूप में प्रतीक ऑटोमोबाइल (प्रेसेंटिंग स्पांसर), बैंक ऑफ बड़ौदा (पावर्ड बाय), कैच मसाला (स्पाइस पार्टनर), मेधा दूध (डेयरी पार्टनर), मॉल ऑफ रांची (वेन्यू पार्टनर), द केक शॉप बेकरी (बेकरी पार्टनर), श्री बालाजी मीडिया सॉल्यूशन (प्रिंट पार्टनर), नेचुरल सैलून (मेकअप पार्टनर), यूथेलेनियम मीडिया सॉल्यूशन (इवेंट पार्टनर) तथा स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, क्युरेस्टा हेल्थ, मरियम गार्डन, उज्जीवन स्माल फाइनेंस बैंक, फ्लोरेंस ग्रुप ऑफ नर्सिंग कॉलेज, विकास हॉस्पिटल, मेडिफर्स्ट हॉस्पिटल, केतकी सुजुकी, सर्वदा ज्वेलर्स, ए.एच इंफर्टिलिटी रिसर्च सेंटर (क्स्त्रऋ), श्री गजानन ज्वेलर्स मुख्य सहयोगी के रूप में जुड़े हैं।106.4 एफएम ने एक बार फिर रांचीवासियों के लिए मनोरंजन, संगीत और सामाजिक जुड़ाव का अनोखा मंच बनकर क्रिसमस को यादगार बनाया। और पूरे रांची शहर को असल मायनो में खुशियों और जश्न से भर दिया।

मॉब लिंचिंग के शिकार युवक के परिजनों से मिले बाबूलाल मरांडी

संवाददाती

गिरिडीह जिले के राजधनवार स्थित सिरसाय में जमीन विवाद में कमलेश सिंह नामक युवक की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई थी। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी गुरुवार को मानिकबाद गांव पहुंचे और मृतक के परिजनों से मिले। बाबूलाल ने मृतक के पिता मुंशी सिंह से घटना की विस्तृत जानकारी ली। मुंशी सिंह ने बताया कि 17 दिसंबर को सिरसाय के प्रदीप राय नामक व्यक्ति ही उनके पुत्र कमलेश को घर से बुलाकर ले गया था। शाम को पता चला कि बरोटांड़ गांव के किशोरी अग्रवाल सहित अन्य लोगों ने कमलेश की हत्या कर दी है। मीडिया से बातचीत में बाबूलाल मरांडी ने कहा कि क्रूरता की सीमा लांघ कर युवक की हत्या की गई है। इस घटना में संलिप्त दोषियों को सजा मिले, इसका यथासंभव प्रयास किया जा रहा है। गिरिडीह के एसपी ने उन्हें बताया है कि इस घटना में संलिप्त दो आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। घटना में संलिप्त अन्य लोगों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस छापेमारी कर रही है। शीघ्र ही सभी आरोपी पकड़ लिए जाएंगे। बाबूलाल ने कहा कि पीड़ित परिवार को सरकार और पार्टी से सहयोग उपलब्ध कराया जाएगा। इस मौके पर भाजपा नेता अशोक उपाध्याय, कामेश्वर पासवान, बमशंकर उपाध्याय, अशोक यादव, सुनील साव, मंतोष उपाध्याय, जितेंद्र शर्मा, लखन मंडल, प्रदीप सिंह, अशोक यादव,ऋषि उपाध्याय, गेंदो राय आदि

मौजूद थे।

ब्रीफ न्यूज

क्रिसमस पर बधाई देने पहुंचे कांग्रेस अध्यक्ष

संवाददाता ।

रांची। क्रिसमस पर राजधानी रांची के लोगों के लिए खुशियों और जश्न से भरा क्रिसमस कार्निवल सेलिब्रेशन लेकर आया है ।क्रिसमस के शुभ अवसर पर बिशप सिमंत तिर्की जी को क्रिसमस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ देने पहुंचे कांग्रेस अध्यक्ष श्री केशव महतो कमलेश , सतीश पॉल मुजनी, डॉ. राकेश किरण महजीतो, श्री आलोक दूबे एवं श्री सुरेश कुमार, तारा रानी सतीश पॉल आदि मौजूद थे । कांग्रेस अध्यक्ष ने नए साल की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आने वाला नव वर्ष काफी अच्छा साबित होगा । खुशियों भरा होगा । हम सब इसकी कामनाएं करते हैं ।

शहीद शेख भिखारी की शहादत दिवस मनाने को लेकर बैठक

संवाददाता ।

डकरा : शहीद शेख भिखारी मेमोरियल सोसायटी एन के/पिपरवार की बैठक डकरा श्क्ढ सभागार में हुई ।जिसकी अध्यक्षता सलामत अंसारी और संचालन सरफराज खान एवं धन्यावाद ज्ञापन तौहीद अंसारी ने की ।इस बैठक में मुख्य विचार विमर्श हुआ कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी भी स्वतंत्रा सेनानी शहीद शेख भिखारी व टिकैत उमरांव सिंह का खलारी डकरा मे शहादत दिवस भव्य रुप से मनाया जाएगा । कार्यक्रम की रुप रेखा एवं तैयारी समिती गठन के लिए के लिए अगली बैठक 3 /1 2026 को रखी गई है ।इस बैठक में शामिल सभी लोगों ने बारी-बारी से अपने विचार रखें एवं तैयारी मे सभी को जुटने का आह्वान किया गया । बैठक मे मुख्य रूप से तौहिद अंसारी, सलामत अंसारी जफरुद्दीन अंसारी, मुस्ताक अंसारी, हलीम खान सरफराज खान अख्तर खान हैदर खान, अख्तर अंसारी, महफूज आलम, सहमूद अंसारी, आजाद अंसारी आदि लोग शामिल थे ।

नफरत के खिलाफ माहौल में मुहब्बत के लिए खड़े रहें: तनवीर अहमद

संवाददाता ।

ईसाइयो का सबसे बड़ा त्योहार, पुरे दुनिया में मनाए जाने वाला तेवहार क्रिसमस के अवसर पर हमारे देश के अलग-अलग हिस्सों से जो तस्वीरें और खबरें सामने आईं, वे बेहद दुखद और चिंताजनक हैं। हिंदूवादी और बीजेपी से जुड़े संगठनों से जुड़े कुछ असामाजिक तत्वों द्वारा ईसाई समुदाय को निशाना बनाना, गिरजाघरों में घुसकर उनके धार्मिक त्योहारों में बाधा डालना, भारत की गंगा-जमुनी तहजीब पर सीधा हमला है।भारत की पहचान उसकी विविधता से है। यहां हर धर्म, हर समुदाय के लोग मिल-जुलकर रहते हैं, एक-दूसरे के त्योहारों में शरीक होते हैं। यही हमारी सभ्यता की खूबसूरती रही है। लेकिन अफसोस की बात है कि आज नफरत फैलाने वाली ताकतें इस भाईचारे को तोड़ने पर आमादा हैं। इसे भी गंभीर और चिन्ताजनक बात यह है की पूरी गोदी मीडिया खामोश है। विदेशी नागरिकों के मौत पर तांडव कर रही है, लेकिन स्वदेशी गुंडों के आतंको को नजर अंदाज।और यह विडंबना और भी गहरी हो जाती है जब एक तरफ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश और दुनिया भर में चर्चों में जाकर प्रेम, सौहार्द और सद्भाव का संदेश देते नजर आते हैं, ईसाई धर्म को दुनिया का सब से शांतिप्रिय धर्म बताते फिरते है, वहीं दूसरी तरफ उन्हीं से जुड़े संगठनों के लोग देश के भीतर ईसाई समुदाय के खिलाफ नफरत और हिंसा फैला रहे हैं। सवाल यह है कि अगर वास्तव में ईसाई समुदाय से हमदर्दी और मोहब्बत है, तो फिर इन गुंडा तत्वों पर लगाम क्यों नहीं लगाई जाती ?धर्म के नाम पर किसी भी समुदाय को डराना, अपमानित करना या उनके धार्मिक अधिकारों में दखल देना संविधान के मूल्यों के खिलाफ है। भारत का संविधान सभी नागरिकों को अपने धर्म का पालन करने की आजादी देता है। इस आजादी को कुचलने की कोशिशें देश को कमजोर करेंगी, मजबूत नहीं।हम सरकार से साफ शब्दों में मांग करते हैं कि ऐसे नफरत फैलाने वाले तत्वों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए, चाहे वे किसी भी संगठन या राजनीतिक संरक्षण में क्यों न हों। साथ ही देश के तमाम अमनपसंद लोगों से अपील करते हैं कि वे नफरत के इस माहौल के खिलाफ आवाज उठाएं और भाईचारे, मोहब्बत और इंसानियत के साथ खड़े हों।यही भारत की असली ताकत है, और इसे किसी भी कीमत पर कमजोर नहीं होने दिया जा सकता।

बोकारो थर्मल रेलवे स्टेशन पर खड़ी मालगाड़ी में लगी आग

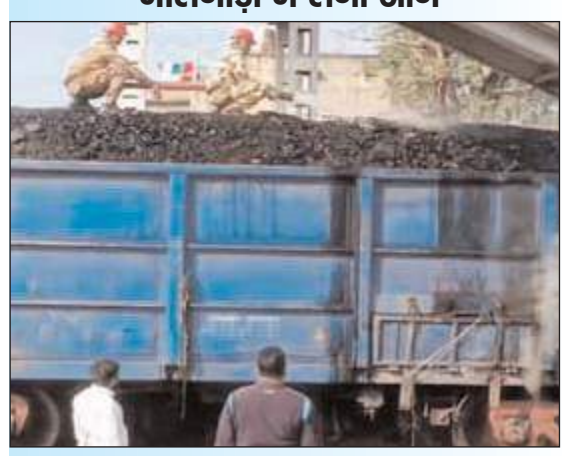

संवाददाता ।

धनबादःधनबाद रेल मंडल के बोकारो जिला अंतर्गत बोकारो थर्मल रेलवे स्टेशन पर खड़ी मालगाड़ी में आग लग गई। आग की लपटें और धुआं उठता देख यात्रियों और रेल कर्मियों में दहशत फैल गई। गोमिया स्टेशन मास्टर ने इसकी सूचना बोकारो थर्मल स्टेशन के स्टेशन अधीक्षक शैलेश कुमार को दी। उनकी सूचना पर डीवीसी की दमकल गाड़ी पहुंची। दमकल की टीम ने कुछ ही देर में आग पर काबू पा लिया। समय रहते आग बुझ जाने से बड़ी दुर्घटना टल गई। स्टेशन अधीक्षक शैलेश कुमार ने बताया कि आग लगने के कारणों का पता लगाया जा रहा है। इस घटना में किसी के हताहत होने या बड़े नुकसान की सूचना नहीं है। उन्होंने सुरक्षा व्यवस्थ को और सख्त करने की बात कही है। स्थानीय लोगों ने स्टेशन अधीक्षक और दमकल कर्मियों की तत्परता को सराहते हुए कहा कि समय परदमकल गाड़ी नहीं पहुंचती, तो बड़ी घटना हो सकती थी।

पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती पर 701 यूनिट रक्त संग्रह

जमशेदपुर, संवाददाता

भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी की 101 वीं जयंती के अवसर पर गुरुवार गोलमुरी स्थित केबुल वेलफेयर क्लब में एक दिवसीय विशाल अटल स्मृति रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें विशेष रूप से युवा रक्तदाताओं का उत्साह देखने को मिला। इस दौरान बड़ी संख्या में युवाओं ने आगे बढ़-चढ़कर रक्तदान कर मानव सेवा के प्रति अपनी जिम्मेदारी भी निभाई। भाजपा जमशेदपुर महानगर के पूर्व जिलाध्यक्ष दिनेश कुमार की अगुवाई में सुबह 9 से संध्या 5 बजे तक चले शिविर में कुल 701 यूनिट रक्त संग्रह किया गया। रक्तदान शिविर का विधिवत उद्घाटन राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास ने अटल बिहारी वाजपेयी जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर एवं दीप प्रज्वलन के साथ की। शिविर में भाजपा के कई वरीय नेताओं के साथ शहर के गणमान्यजनों ने सहभागिता भी की। इस दौरान रघुवर दास ने कहा कि अटल जी का संपूर्ण जीवन राष्ट्र निर्माण, लोकतांत्रिक मूल्यों और मानव सेवा को समर्पित रहा। उनकी स्मृति में रक्तदान जैसे पुनीत आयोजन समाज के लिए प्रेरणास्रोत हैं। उन्होंने अंत्योदय के विचार को व्यवहार में उतारते हुए समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक विकास की रोशनी पहुंचाई। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे अटल जी के आदर्शों को आत्मसात कर राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाएं। साथ ही विशिष्ट अतिथि सांसद विद्युत वरण महतो ने रक्तदान को महादान बताते हुए कहा कि अटल जयंती पर इस प्रकार का आयोजन उनके विचारों और मूल्यों को जीवंत करता है। रक्तदान जैसे आयोजन अटल जी के मानवीय दर्शन का सजीव प्रतिबिंब हैं। जबकि जमशेदपुर पूर्वी की विधायक पूर्णिमा साहू ने कहा कि ऐसे आयोजन समाज में सेवा भाव और मानवीय संवेदनाओं को मजबूत करते हैं। अटल जी का विश्वास था कि सशक्त समाज का निर्माण सेवा, समर्पण और सहभागिता से होता है। रक्तदान शिविर इसी विचारधारा को दशार्ता है। इसी तरह पूर्व विधायक मेनका सरदार ने कहा कि भारत रत्न श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी ने आदिवासी समाज, वंचित वर्ग और पिछड़े क्षेत्रों के उत्थान के लिए दूरदर्शी नीतियां बनाई। उन्होंने आयोजकों और रक्तदाताओं की सराहना भी की। वहीं पोटका की पूर्व प्रत्याशी मीरा मुंडा ने कहा कि अटल जी का सम्पूर्ण जीवन सेवा, समरसता और मानवीय मूल्यों पर आधारित रहा। अटल जयंती पर आयोजित रक्तदान शिविर जैसे कार्यक्रम उनके विचारों को व्यवहार में उतारने का सशक्त माध्यम हैं। पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष दिनेश कुमार ने जानकारी दी कि अटल बिहारी वाजपेयी जी की स्मृति में यह रक्तदान शिविर पिछले 22 वर्षों से लगातार आयोजित किया जा रहा है। जमशेदपुरवासियों की सक्रिय भागीदारी ने इस आयोजन को ऐतिहासिक बनाया है। उन्होंने आज 56 वीं बार एवं शिविर में तीन शतक वीर रक्तदाताओं ने भी रक्तदान किया। उन्होंने रक्तदान शिविर में आये हुए सभी रक्तदाताओं, जमशेदपुर ब्लड बैंक, भाजपा कार्यकताओं एवं शहर के प्रबुद्धजनों का आभार भी व्यक्त किया।

अटलजी के व्यक्तित्व में सरलता, संवेदनशीलता और नेतृत्व का अद्भुत समन्वय था : सरयू राय

जमशेदपुर, संवाददाता

पश्चिमी विधायक सरयू राय ने कहा कि अटल जी भारतीय राजनीति के ऐसे शिखर थे, जिनके व्यक्तित्व में आदर्श, सरलता, संवेदनशीलता और दृढ़ नेतृत्व का अद्भुत समन्वय था। उन्होंने जनसंघ से लेकर भाजपा तक के उनके राजनीतिक सफर को याद करते हुए कई प्रेरक प्रसंग भी साझा किए। वहीं गुरुवार जनता दल यूनाइटेड जमशेदपुर महानगर के बारीडीह स्थित कार्यालय में भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि जब वे संगठनात्मक कार्यों के लिए क्षेत्र में आते थे, तब बहुत कम लोगों के पास वाहन होता था। ऐसे में अटल जी बिना कोई इंतजार किए कई बार रिक्शे से कार्यालय पहुंच जाते थे। स्वागत जुलूस की प्रतीक्षा नहीं करते थे और अनेक अवसरों पर कार्यकताओं के घर पर ही ठहर जाते थे। उन्होंने बताया कि किस प्रकार अटल जी 1996 में 13 दिनों के लिए देश के प्रधानमंत्री बने, फिर किस प्रकार विचारधारा और संगठन के प्रति निष्ठा के कारण जनता पार्टी से अलग होकर भाजपा का गठन हुआ। यह सब अटल जी के सिद्धांतवादी और दृढ़ चरित्र का प्रतीक है। संसद भवन परिसर में स्थापित लोकनायक जयप्रकाश नारायण जी की प्रतिमा अटल जी के प्रधानमंत्री कार्यकाल में स्थापित हुई। जिसकी मांग उन्होंने जेपी मंच के माध्यम से रखी थी और अटल जी ने उसे स्वीकार भी किया था। कार्यक्रम की अध्यक्षता जदयू जमशेदपुर महानगर अध्यक्ष अजय कुमार ने की। इस दौरान पूर्वी सिंहभूम जिलाध्यक्ष सुबोध श्रीवास्तव समेत बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी ने अटल जी के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। कार्यक्रम का संचालन जिला महासचिव कुलविंदर सिंह पन्नू ने किया। मौके पर जिला उपाध्यक्ष चंद्रशेखर राव, दुर्गा राव, प्रेम सक्सेना, युवा जदयू जिलाध्यक्ष नीरज सिंह, महिला मोर्चा की जिलाध्यक्ष अमृता मिश्रा, प्रकाश कोया, राजेश प्रसाद, संजीव सिंह, शंकर कर्मकार, राकेश कुमार, बबलू कुमार, लालू गौड़, प्रवीण सिंह, शमशाद खान, मुश्ताक अहमद, विनोद राय, तारक मुखर्जी, विजय सिंह, मंजू सिंह, शेषनाथ पाठक, अमित शर्मा, धनोज सिंह, ममता सिंह, विनोद सिंह, मृत्युंजय शर्मा, विकास कुमार, मनोज सिंह, महुआ चक्रवर्ती, मल्लिका प्रामाणिक, सपना टांडी, आदि थे।

पुलिस ने जप्त किया 60 से 70 टन कोयला : एसपी

रामगढ़, संवाददाता

अजय कुमार, (भा०पु० से०) पुलिस अधीक्षक, रामगढ़ को समय लगभग 19:20 बजे गुप्त सूचना प्राप्त हुई कि रामगढ़ थाना अन्तर्गत महुआटांड, हेसला स्थित शालु उर्फ सलमान खान के गोल भट्टे कैम्पस में अवैध रूप से चोरी के कोयला का भंडारण किया गया हैं जिसे कुछ कोयला कारोबारी के द्वारा ऊँचे दामो में बेचने की योजना बनाई जा रही है। उक्त सूचना के सत्यापन एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु परमेश्वर प्रसाद, अनुमण्डल पुलिस पदाधिकारी, रामगढ़ एवं पु०नि० नवीन प्रकाश पाण्डेय, पु०नि०-सह-थाना प्रभारी, रामगढ़ के नेतृत्व में अलग-अलग टीम का गठन किया गया। गठित टीम के द्वारा त्वरित कारवाई करते हुए महुआटाड, हेसला स्थित शालु उर्फ सलमान खान के गोल भट्टे कैम्पस की घेरबंदी का योजनाबद्ध तरीके से छापामारी किया गया। छापामारी के क्रम में करीब 60-70 टन अवैध कोयला का भंडारण किया हुआ पाया गया। भडारण किये गये कोयला के मालिक के संबंध में पुछ ताछ किया गया परन्तु कोई भी व्यक्ति न तो उपस्थित हुये और न ही उक्त भडारित कोयले का वैध कागजात किसी भी व्यक्ति के द्वारा प्रस्तुत किया गया। उक्त भूमि के संबंध में किसी भी व्यक्ति के द्वारा उपस्थित होकर अपने भूस्वामी होने का पक्ष नहीं रखा गया। तत्पश्चात अवैध करीब 60-70 टन कोयला को विधिवत जप्त किया गया। पुछ ताछ के क्रम में यह बात प्रकाश में आई कि 1. अनुप पाठक अपने सहयोगी 2. शालु उर्फ सलमान खान 3. अमन खान 4. संजर खान तीनों पिता-मेहरबान खान, ग्राम-हेसला, थाना व जिला-रामगढ़ के सहयोग से अवैध रूप से चोरी छिपे उक्त कोयले का भंडारण किया गया है एवं उसे फर्जी तरीक से ऊँचे दामों में बेचने के लिए ग्राहक का तलाश किया जा रहा है। उक्त व्यक्तियों से जप्त कोयले के संबंध में अपना पक्ष जनने की कोशिश किया गया परन्तु सूचना प्राप्त हुई कि वह पुलिस वाहन को देखते ही फिरार हो गया है। अवैध रूप से चोरी के कोयले को ऊँचे दामों में बेचने हेतु भंडारण करना, बरामद होने के आरोप में 1. अनुप पाठक 2 शालु उर्फ सलमान खान 3. अमन खान 4. संजर खान तीनों पिता मेहरबान खान, ग्राम-हेसला, थाना व जिला-रामगढ़ 5. उक्त भूमि के भूस्वामी के विरूद्ध सुसंगत धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की जा रही है। पुलिस अधीक्षक, रामगढ़ के द्वारा कहा गया कि किसी भी तरह का अवैध कोयला का कारोबार/ खनन नहीं होने दिया जाएगा। इस संबंध में कड़ी कार्रवाई करने हेतु सभी थाना/ओ०पी० प्रभारी को निर्देशित किया गया है।

जप्त सामान की विवरणी:-

1. अवैध रूप से भंडारित कोलया लगभग 60-70 टन ।

विधायक ने पीसीसी पथ निर्माण कार्य का किया शिलान्यास

पतरातू : डीएमएफटी मद के अंतर्गत ग्राम पंचायत कटिया बस्ती में कटिया गरेवा टांड तिलक चंद महतो हनुमान मंदिर से पुत्रियां नदी, कटिया शिव मंदिर, गैस गोदाम, न्यू मार्केट, पीटीपीएस कॉलेज होते हुए एक नंबर रोड से निर्मल मेन रोड तक पीसीसी पथ निर्माण (फेज-2) का शुभ शिलान्यास बड़कागाँव विधायक रोशन लाल चौधरी के द्वारा नारियल फोड़कर विधिवत रूप से किया गया। मौके पर विधायक ने कहा कि इस सड़क के निर्माण से क्षेत्र के ग्रामीणों को आवागमन में सुविधा मिलेगी तथा विकास को नई गति प्राप्त होगी। मौके पर उप मुखिया नंदकिशोर महतो नूतन कुमार महतो विकास कुमार गुप्ता राजेश पटेल रणधीर कपूर राजू कुमार संजय सिंह राहुल कुमार सिंह गौरी शंकर कुमार विजय सिंह मनोज वर्मा अनिकेत आनंद पंकज महतो जितेंद्र कुमार सूरज कुमार मुकेश कुमार राम आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे ।

फैक्ट्री का कोई विरोधी नहीं, सिर्फ चल रही फैक्ट्रियां ईएसपीएन मशीन रोज चालू रखें

रामगढ़, संवाददाता

रामगढ़ जिला के चल रही फैक्ट्री के द्वारा प्रदूषण फैलाने को लेकर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने रामगढ़ डीसी को आलोक फैक्ट्री के खिलाफ जांच करने का आदेश दिया। जांच कमेटी जो बनाई गई है ,आलोक फैक्ट्री के प्रदूषण फैलाने को लेकर उसमें क्षेत्रीय प्रदूषण पदाधिकारी चंदन कुमार ,जिला उद्योग पदाधिकारी बैठा जी एवं कारखाना निरीक्षक रामगढ़ को जांच कमेटी में रखा गया है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार चुकी मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन प्रदूषण फैलाए जाने को लेकर रामगढ़ के फैक्ट्री पर कड़ी नजर है, इसलिए जांच दल के अधिकारी भी तथ्य परख रिपोर्ट राज्य प्रदूषण बोर्ड एवं डीसी को देंगे क्योंकि इसमें खुद मुख्यमंत्री का हस्तक्षेप है। फैक्ट्री का विरोधी बिहार फाऊंडरी के खिलाफ भी आंदोलन कर रही जनता नहीं है बल्कि जनता की मांग है कि प्रदूषण को रोका जाए, क्योंकि इससे जनजीवन अस्त्र हो गया है अनेक तरह की बीमारियां पैदा हो गई है और बगल में स्थित नई सराय अस्पताल में भी जांच दल गया तो दस्त देखने को मिलेगा।

सिर्फ ईएसपीएन मशीन चालू कर दे चल रही फैक्ट्रियां प्रदूषण खुद रुक जाएगा

जानकार बताते हैं कि लगभग 8:30 लाख प्रत्येक दिन बिजली बिल की खपत होती है जो एक महीना में दो करोड़ 50 लाख के करीब होता है। इसे बचाने के ख्याल से धन लक्ष्मी का प्रयोग करते हुए फैक्ट्रियां प्रदूषण फैलाता है और फैल रहे प्रदूषण के खिलाफ लोग आवाज नहीं उठाते हैं जो महत्वपूर्ण लोग समाज के हैं।

मुख्यमंत्री का हस्तक्षेप है इसलिए रिपोर्ट सही जाएगा

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार जिला के अधिकारियों में भी खासकर जो जांच दल में है उनकी जिम्मेवारी तथ्य परख रिपोर्ट देने को लेकर मन में है क्योंकि इसमें डायरेक्ट हस्तक्षेप मुख्यमंत्री का है और जाहिर है कि राज्य प्रदूषण बोर्ड एवं डीसी के द्वारा मुख्यमंत्री को जो रिपोर्ट सौंप जाएगी वह रिपोर्ट निश्चित रूप से तथ्य परख होना चाहिए क्योंकि मुख्यमंत्री वायरल वीडियो को देख चुके हैं और उन्हें अंदाजा होगा कि जिला में फैक्ट्रियां किस तरह से जहरीली गैसों के माध्यम से प्रदूषण वायुमंडल में फैला रही है जिसके कारण पेड़ पौधे पशु पक्षी एवं जीवन हस्तमैथुन हो रहा है। प्रत्येक डीसी के द्वारा प्रदूषण एवं पर्यावरण को लेकर बैठकर होती हैऔर आवश्यक दिशा निर्देश संबंधित विभाग के अधिकारियों को दिया जाता है, आश्चर्य इस बात का है कि इसके बावजूद भी रात के अंधेरे में कौन कहे दिन के उजाले में भी फैक्ट्रियां प्रदूषण फैल रही है और जाहिर है कि क्षेत्र से गुजरने वाले अधिकारियों भी चाहे वह जिला के हो या रांची के इस बात को अच्छी तरह से देखते होंगे।

जनता जानना चाहती है की जांच दल क्या रिपोर्ट देगी सार्वजनिक करें प्रशासन

चौक चौराहा पर मुख्यमंत्री के आदेश के बाद इस बात की चर्चा छिड़ गई है और बिहार फाऊंडरी के खिलाफ आंदोलन कर रहे आंदोलनकारी के मन में भी एक जिज्ञासा और हिम्मत बड़ी है कि मुख्यमंत्री सही फैसला लेंगे और इसे रोकेंगे। चौक चौराहा पर इस बात को लेकर भी चर्चा है कि जिला प्रशासन एवं राज्य प्रदूषण बोर्ड को और मुख्यमंत्री को जांच कमेटी जो रिपोर्ट सौंपेगी वह रामगढ़ जनता के हित के लिए सार्वजनिक करना चाहिए।

संक्षिप्त खबर

सांसद खेल महोत्सव के विजेता खिलाड़ियों का टाउन हॉल में भव्य सम्मान

मेदिनीनगर। मेदिनीनगर शहर स्थित टाउन हॉल में सांसद खेल महोत्सव के अंतर्गत आयोजित विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में विजयी खिलाड़ियों को सम्मानित करने हेतु भव्य सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पलामू सांसद श्री विष्णु दयाल राम ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को मोमेंटो एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। समारोह को संबोधित करते हुए सांसद श्री राम ने कहा कि खेल केवल शारीरिक विकास का माध्यम नहीं है, बल्कि इससे अनुशासन, टीम भावना, नेतृत्व क्षमता और आपसी एकता का भी विकास होता है। उन्होंने कहा कि सांसद खेल महोत्सव का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में छिपी खेल प्रतिभाओं को मंच प्रदान करना है, ताकि खिलाड़ी आगे चलकर राज्य एवं देश का नाम रोशन कर सकें। इस सम्मान समारोह में भाजपा प्रदेश महामंत्री मनोज सिंह, भाजपा जिला अध्यक्ष अमित तिवारी, प्रथम मेयर अरुणा शंकर, प्रथम डिप्टी मेयर मंगल सिंह, लवली गुप्ता, सोमेश सिंह, मीडिया प्रभारी शिवकुमार मिश्रा, चैनपुर सांसद प्रतिनिधि भोला पांडेय, मेदिनीनगर सांसद प्रतिनिधि विजय ओझा, अविनाश वर्मा, परशुराम ओझा सहित भाजपा के अनेक नेता एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में खिलाड़ी एवं खेल प्रेमी शामिल हुए। सम्मान प्राप्त कर खिलाड़ियों के चेहरों पर उत्साह और आत्मविश्वास स्पष्ट रूप से झलक रहा था। पूरा समारोह जोश, उल्लास और खेल भावना से ओतप्रोत रहा।

नावाडीह पंचायत की मुखिया ने पंचायत में जरूरतमंदों के बीच किया कंबल का वितरण

कोडरमा : डोमचांच प्रखंड के नावाडीह पंचायत अंतर्गत विभिन्न वार्ड क्षेत्रों में ठंड को ध्यान में रखते हुए, झारखंड सरकार से प्राप्त कंबलों को जरूरतमंद आमजनों के बीच नावाडीह पंचायत की मुखिया ममता देवी के माध्यम से वितरण किया गया। इस दौरान मुखिया ममता देवी ने कहा की ठंड को देखते हुए जरूरतमंद लोगों को कम्बल दिया जा रहा हैं। कम्बल वितरण कार्यक्रम आगे भी अभी चलता रहेगा। साथ ही उन्होंने प्रखंड प्रशासन, जिला प्रशासन और झारखंड सरकार का आभार जताया और कहा की सही समय पर कम्बल उपलब्ध करा देने से लोगों को ठंड में काफी राहत मिलेगी। जल्द ही अन्य जरूरतमंदों तक कम्बल पहुंचवाने का भी प्रयास किया जा रहा हैं। जबकि मुखिया प्रतिनिधि शंकर कुमार दास ने कहा की हर जरूरतमंद तक कंबल पहुंचाने का प्रयास जारी है। मौके पर पंचायत समिति सदस्य एवं वार्ड सदस्य सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

कोडरमा के बरसोतीयाबर में एक घर से प्रशासन ने अवैध रूप से ब्लू स्टोन का जखीरा बरामद किया

झुमरीतिलैया : कोडरमा थाना क्षेत्र अंतर्गत बरसोतियाबर में एक आवास पर भारी मात्रा में बेशकीमती अवैध ब्लू स्टोन प्रशासन ने जप्त किया है। साथ ही खबर लिखे जाने तक लगातार प्रशासन के द्वारा छापेमारी का कार्य चल रहा था। मौके पर इंस्पेक्टर अरविंद कुमार एवं महिला थाना प्रभारी हेमा कुमारी डोमचांच थाना प्रभारी अभिमन्यु कुमार, तिलैया थाना प्रभारी विनय कुमार सहित पुलिस काफी सख्या में पुलिस के जवान मौजूद है। वही जानकारी मिल रही है कि यह ब्लू स्टोन जो भारी मात्रा में बरामद हुई है। इसमें लोकाई इंदरवा आदि क्षेत्रों के जंगल में खनन किया हुआ यह अवैध ब्लू स्टोन पत्थर माना जा रहा है। जिसकी जानकारी अनुसार लाखों रुपये कीमत आंकी जा रही है। यह कोडरमा पुलिस को मिली गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने करवाई किया है। संभावना जताया जा रहा की 60 बोरा से ऊपर अवैध ब्लू स्टोन जप्त होगा। अब पूरी जप्ती के बाद ही ब्लू स्टोन के कीमत और मात्रा स्पष्ट हो सकेगी।

शीतलहर को देखते हुए जिप सदस्य ने जरूरतमंदों के बीच किया कंबल वितरण

बोकारो, संवाददाता

भीषण शीतलहर और कड़ाके की ठंड को देखते हुए उत्तरी क्षेत्र के जिला परिषद सदस्य अमरदीप महाराज की ओर से कसमार टोला में वृद्ध एवं असहाय महिला-पुरुषों के बीच कंबल का वितरण किया गया। इस मानवीय पहल से जरूरतमंद लोगों को ठंड से राहत मिली और ग्रामीणों में खुशी का माहौल देखा गया। कंबल वितरण कार्यक्रम में समाजसेवी राजू (राजेश महतो), वार्ड सदस्य संख्या 12 भारत महतो सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। सभी ने इस सेवा कार्य की सराहना की और इसे जरूरतमंदों के लिए बड़ी राहत बताया। इस मौके पर अमरदीप महाराज ने कहा कि ठंड के इस कठिन समय में समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक सहायता पहुंचाना उनकी प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि भविष्य में भी ऐसे सेवा और जनकल्याणकारी कार्य निरंतर जारी रहेंगे। ग्रामीणों ने कंबल वितरण जैसी पहल के लिए जिला परिषद सदस्य के प्रति आभार प्रकट किया और कहा कि इस प्रकार के प्रयास समाज में आपसी सहयोग और संवेदनशीलता को बढ़ावा देते हैं।

चिन्मय विद्यालय, बोकारो में 16वां वार्षिक एलुमनी मीट, 2000 बैच का विशेष सम्मान

बोकारो, संवाददाता

चिन्मय विद्यालय, बोकारो में 16वां वार्षिक एलुमनी मीट उत्साहपूर्ण माहौल में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के पहले बैच से लेकर वर्तमान तक के पूर्व विद्यार्थियों ने भाग लिया। मौके पर पूर्व प्रधानाचार्या हेमलता बिस्वास, पूर्व प्रधानाचार्य अशोक कुमार झा सहित कई पूर्व शिक्षक-शिक्षिकाएं बतौर अतिथि उपस्थित रहीं। कार्यक्रम में चिन्मय मिशन, बोकारो की आचार्या स्वामिनी संयुक्तानंदा सरस्वती, अध्यक्ष बिस्वरूप मुखोपाध्याय, सचिव महेश त्रिपाठी, प्राचार्य सूरज शर्मा, उप प्राचार्य नरमेंद्र कुमार, हेडमास्टर गोपाल चंद्र मुंशी, एलुमनी एसोसिएशन के अध्यक्ष रणजीत और सचिव शशिकांत मौजूद रहे। कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्वलन व स्वागत गीत से हुई। प्राचार्य सूरज शर्मा ने स्वागत भाषण में कहा कि किसी भी विद्यालय की पहचान उसके पूर्व छात्र होते हैं। इस अवसर पर वर्ष 2000 के सिल्वर जुबली बैच के विद्यार्थियों को मोमेंटो, पुस्तक और स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया। हेमलता बिस्वास ने विद्यार्थियों को समाज के प्रति जिम्मेदारी निभाने और लक्ष्य के प्रति निरंतर प्रयास करने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

कांग्रेस संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने पर बोकारो में बैठक

बोकारो। कांग्रेस पार्टी द्वारा संगठन को बूथ स्तर तक सशक्त बनाने के उद्देश्य से बोकारो परिसदन में एक अहम बैठक आयोजित की गई। बैठक में AICC के सचिव सह झारखंड प्रदेश के सह प्रभारी भूपेंद्र मारावी, पूर्व मंत्री बंधु तिर्की और बेरमो विधायक कुमार जयमंगल सिंह सहित जिला कांग्रेस के वरिष्ठ नेता, सभी प्रखंड अध्यक्ष एवं प्रखंड प्रभारी शामिल हुए। नेताओं ने कहा कि पार्टी को मजबूत करने के लिए घर-घर कांग्रेस का संदेश पहुंचाना जरूरी है। आने वाले नगर निगम व नगर परिषद चुनाव, SIR लागू होने और परिसीमन की प्रक्रिया को देखते हुए कार्यकताओं को सतर्क रहना होगा तथा इछड के संपर्क में रहकर निगरानी करनी होगी। पूर्व मंत्री बंधु तिर्की ने केंद्र सरकार पर नाम बदलने की राजनीति करने का आरोप लगाया, जबकि विधायक जयमंगल सिंह ने परिसीमन को लेकर कार्यकताओं को सजग रहने की अपील की।

क्रिसमस पर सर्वोच्च मानवाधिकार संरक्षण प्रदेश अध्यक्ष मोहम्मद जाहिद हुसैन अपने समर्थकों के साथ कई जनहित कार्यों में हुए शामिल

बोकारो, संवाददाता

सर्वोच्च मानवाधिकार संरक्षण प्रदेश अध्यक्ष मोहम्मद जाहिद हुसैन गुरुवार को क्रिसमस डे पर अपने समर्थकों के साथ कई जनहित कार्यों को सफलतापूर्वक पूरा किया। सर्वप्रथम उन्होंने एस एन एम एम सी एच धनबाद पहुंचे जहां गंभीर बिमारियों से जुझ रहे मरीजों से मिलकर उन्हें बेहतर जीवन जीने के लिए आर्थिक मदद के साथ साथ इस कड़ाके ठंड के मदेनजर कंबलों का वितरण किया। दूसरी ओर गोविन्दपुर गिरिडीह मुख्य मार्ग पर स्थित बरियो मोड़ पर दर्जनों बंजारनों के बीच सैकड़ों कंबल वितरण करते हुए अलाव जलाकर ठंड में राहत पहुंचाने का काम किया। गौरतलब हो कि सर्वोच्च मानवाधिकार संरक्षण प्रदेश अध्यक्ष मोहम्मद जाहिद हुसैन द्वारा हर मौसम में असहायों के लिए मसीहा के रूप में मानवता का परिचय देते हुए जनहित कार्यों को सफलतापूर्वक पूरा किया जाता है जो अपने आप में एक मिशाल के तौर पर देखा जाता है। इतना ही नहीं उन्होंने अपने हाथों से जरूरतमंद लोगों को इस भीषण ठंड में चाय भी पिलाया। और आगे लोगों को अपने संबोधन में कहा कि जब भी कोई जटिल से जटिल समस्याएं आएं हमसे संपर्क करें असहायों एवं जरूरतों के लिए मानवाधिकार संरक्षण हमेशा सहयोग के लिए कटिबद्ध रहेगा और इस तरह के कामों को करने से हमें बहुत ही सुकुन पहुंचता है। आज के इस जनहित कार्यों में मुख्य रूप से मंदसौर मास्टर,मनीर साहब, अब्दुल रशीद, अख्तर हुसैन, पप्पू अंसारी,वरूण महतो मोबिन मुखिया , ग्यासुद्दीन, सुलेमान,सफी साहब इमरान शाहिद समेत कई समाजसेवी मौके पर उपस्थित थे।

अटल बिहारी वाजपेयी की 101वीं जयंती पर सुशासन दिवस का आयोजन

बोकारो, संवाददाता

पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्व. अटल बिहारी वाजपेयी की 101वीं जयंती बोकारो विधानसभा क्षेत्र के बूथ संख्या 388 में सुशासन दिवस के रूप में मनाई गई। इस अवसर पर भाजपा बोकारो जिला महामंत्री संजय त्यागी ने अटल बिहारी वाजपेयी के चित्र पर श्रद्धा सुमन अर्पित किए। ग्रामीणों को संबोधित करते हुए संजय त्यागी ने कहा कि अटल जी के सिद्धांत, राजनीतिक गरिमा और विचारधारा आज भी सभी के लिए प्रेरणास्रोत हैं। उन्होंने कहा कि अटल जी को झारखंड से विशेष लगाव था और उनके प्रयास से ही अलग झारखंड राज्य का गठन संभव हो सका। सांस्कृतिक राष्ट्रवाद, एकात्म मानववाद और अन्त्योदय की विचारधारा को आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी साकार कर रहे हैं। कार्यक्रम में पन्नालाल कांदु, बुद्धेश्वर घोषाल, प्रकाश प्रामाणिक सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित थे।

शहीद निर्मल महतो की 75वीं जयंती पर उमड़ा जनसैलाब

समाधि स्थल व शहीद स्थल पर दी गई भावभीनी श्रद्धांजलि

निर्मल महतो की 75वीं जयंती पर झामुमो कार्यालय में श्रद्धांजलि सभा

झारखंड मुक्ति मोर्चा के पूर्व केंद्रीय अध्यक्ष एवं आंदोलनकारी नेता वीर शहीद निर्मल महतो की 75वीं जयंती पर परसुडीह स्थित झामुमो कार्यालय में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया. कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महावीर मुर्मू ने निर्मल महतो को झारखंडियों का सच्चा हितैषी बताते हुए उन्हें गरीबों का मसीहा कहा.

मानगो में झामुमो कार्यकर्ताओं ने सामाजिक सेवा के साथ मनाई शहीद निर्मल महतो की जयंती

जमशेदपुर : अलग झारखंड राज्य आंदोलन के प्रणेता शहीद निर्मल महतो की 75वीं जयंती के अवसर पर गुरुवार को जमशेदपुर में श्रद्धा और सम्मान का अद्भुत दृश्य देखने को मिला. कदमा-उलियान स्थित उनके समाधि स्थल एवं बिष्टुपुर चमरिया गेस्ट हाउस के बाहर स्थित शहीद स्थल पर झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) समेत विभिन्न राजनीतिक एवं सामाजिक संगठनों के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया. दिनभर श्रद्धांजलि देने वालों का तांता लगा रहा.

इस अवसर पर शहीद निर्मल महतो की बहू एवं ईचागढ़ की विधायक सविता महतो, झामुमो के केंद्रीय प्रवक्ता कुणाल षाड़ंगी, विधायक मंगल कालिंदी सहित कई प्रमुख नेता चमरिया गेस्ट हाउस के बाहर स्थित शहीद स्थल पर पहुंचे और माल्यार्पण किया. इससे पूर्व सभी श्रद्धालुओं ने समाधि स्थल पर पुष्प अर्पित कर शहीद को याद किया. कदमा-उलियान स्थित समाधि स्थल पर मोहन कर्मकार, राजू गिरी, हिदायतुल्ला खान, प्रमोद लाल, सुनील महतो, विधायक संजीव सरदार समेत कई जनप्रतिनिधि और सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे. इसके अलावा विभिन्न राजनीतिक दलों के नेता और कार्यकर्ता बिष्टुपुर चमरिया गेस्ट हाउस से लेकर समाधि स्थल तक लगातार पहुंचते रहे. श्रद्धांजलि कार्यक्रम के दौरान वीर शहीद निर्मल महतो अमर रहें के नारों से वातावरण गूंज उठा. उपस्थित लोगों ने उनके संघर्ष, बलिदान और झारखंड राज्य निर्माण में उनके योगदान को याद करते हुए कहा कि शहीद निर्मल महतो का जीवन आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्रोत रहेगा.

सांसद बिद्युत महतो ने चमरिया गेस्ट हाउस पहुंचकर दी श्रद्धांजलि

शहीद निर्मल महतो की जयंती के अवसर पर जमशेदपुर के सांसद बिद्युत बरण महतो ने बिष्टुपुर स्थित चमरिया गेस्ट हाउस पहुंचकर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण किया और भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की. इस अवसर पर सांसद ने शहीद निर्मल महतो के संघर्षपूर्ण जीवन को याद करते हुए कहा कि अलग झारखंड राज्य के लिए उनका त्याग और बलिदान अविस्मरणीय है. उन्होंने कहा कि निर्मल दा के विचार और आदर्श आज भी झारखंड के विकास की दिशा तय करते हैं और युवाओं के लिए सदैव प्रेरणास्रोत बने रहेंगे. श्रद्धांजलि कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों ने भी शहीद निर्मल महतो के योगदान को नमन किया और उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया.

निर्मल दा वर्तमान व आने वाली पीढ़ियों के लिए सदैव आदर्श रहेंगे : मंगल कालिंदी

शहीद निर्मल महतो की जयंती के अवसर पर जुगसलाई विधायक मंगल कालिंदी ने बिष्टुपुर स्थित चमरिया गेस्ट हाउस पहुंचकर शहीद निर्मल महतो की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया और भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की. इसके पश्चात वे कदमा-उलियान स्थित समाधि स्थल पहुंचे, जहां पुष्प अर्पित कर शहीद को नमन किया. इस अवसर पर विधायक मंगल कालिंदी ने कहा कि शहीद निर्मल महतो की शहादत को कभी भुलाया नहीं जा सकता. उन्होंने अपना संपूर्ण जीवन झारखंडवासियों के अधिकार और राज्य निर्माण के लिए समर्पित कर दिया. उनका संघर्ष, त्याग और विचार न केवल वर्तमान पीढ़ी बल्कि आने वाली कई पीढ़ियों के लिए भी प्रेरणास्रोत और आदर्श बने रहेंगे. श्रद्धांजलि कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों ने भी शहीद निर्मल महतो के योगदान को याद किया और उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया.

मोहन कर्मकार व गोपाल महतो ने दी श्रद्धांजलि

शहीद निर्मल महतो की 75वीं जयंती के अवसर पर झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के वरिष्ठ नेता मोहन कर्मकार एवं पूर्वी सिंहभूम जिला युवा मोर्चा के पूर्व जिला सचिव गोपाल महतो ने पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ शहर के विभिन्न स्थलों पर श्रद्धांजलि अर्पित की. दोनों नेताओं ने बिष्टुपुर स्थित चमरिया गेस्ट हाउस, कदमा-उलियान स्थित समाधि स्थल, सोनारी चौक एवं निर्मल भवन पहुंचकर शहीद निर्मल महतो की प्रतिमा एवं चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया. इस दौरान उपस्थित कार्यकर्ताओं ने वीर शहीद निर्मल महतो अमर रहेंके नारे लगाए और उनके संघर्ष एवं बलिदान को याद किया. नेताओं ने कहा कि शहीद निर्मल महतो का योगदान झारखंड आंदोलन के इतिहास में स्वर्णाक्षरों में अंकित है और उनके आदर्शों पर चलना ही सच्ची श्रद्धांजलि है.

शहीद निर्मल महतो को मिले सरकारी शहीद का दर्जा : अमित महतो

शहीद निर्मल महतो की जयंती के अवसर पर कोल्हान प्रमंडल के युवा समाजसेवी एवं आंदोलनकारी अमित महतो ने बिष्टुपुर स्थित चमरिया गेस्ट हाउस पहुंचकर उनकी प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी. इस दौरान उन्होंने शहीद निर्मल महतो को अब तक सरकारी रूप से शहीद का दर्जा नहीं दिए जाने पर गहरी नाराजगी जताई. अमित महतो ने कहा कि झारखंड राज्य गठन को 25 वर्ष बीत चुके हैं, लेकिन आज तक शहीद निर्मल महतो को आधिकारिक तौर पर शहीद का दर्जा नहीं मिल पाया है, जो अत्यंत निंदनीय है. उन्होंने राज्य और केंद्र सरकार से मीडिया के माध्यम से मांग की कि शहीद निर्मल महतो को शीघ्र सरकारी रूप से शहीद का दर्जा दिया जाए तथा उनके संघर्ष और बलिदान की वीरगाथा को झारखंड के स्कूलों और कॉलेजों की पाठ्यपुस्तकों में शामिल किया जाए, ताकि नई पीढ़ी उनके विचारों और योगदान से प्रेरणा ले सके.

न्यूज फ्लैश

मानगो नगर निकाय चुनाव का ग्राम सभा संघर्ष समिति ने किया विरोध

जमशेदपुर: संयुक्त ग्राम सभा संघर्ष समिति की एक महत्वपूर्ण बैठक सोरेन कॉपलेक्स, बालीगुमा में डिमना माझी बाबा दीपक मुर्मू की अध्यक्षता में संपन्न हुई. बैठक में मानगो नगर निकाय चुनाव को लेकर विरोध दर्ज कराया गया. समिति के अध्यक्ष मदन मोहन सोरेन ने कहा कि मानगो अनुसूचित क्षेत्र में आता है, इसलिए बिना पेसा कानून लागू किए झारखंड नगर पालिका अधिनियम 2011 के तहत चुनाव असंवैधानिक है. कैलाश बिरुआ ने कहा कि केवल 36 में से 2 सीटों का अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षण आदिवासी प्रतिनिधित्व के साथ अन्याय है. डेमका सोय ने चेतावनी दी कि सामान्य कानून के तहत चुनाव होने से आदिवासियों के अस्तित्व पर संकट उत्पन्न होगा. बैठक में दीपक मुर्मू, सनातन टुडू, सोमेश्वर मुर्मू, पप्पू सोरेन सहित कई सदस्य उपस्थित थे.

भूमिज-मुंडा समाज ने विधायक संजीव सरदार का किया स्वागत

जमशेदपुर: पांचवीं अनुसूची क्षेत्र में पेसा कानून लागू किए जाने पर भूमिज-मुंडा समाज में खुशी का माहौल है. तेंतला पंचायत स्थित इंपीरियल रिसोर्ट में समाज के लोगों ने पोटका विधायक संजीव सरदार का जोरदार स्वागत कर आभार व्यक्त किया. विधायक संजीव सरदार ने कहा कि पेसा कानून से ग्राम सभा को वास्तविक अधिकार प्राप्त होंगे और गांव की स्वशासन व्यवस्था मजबूत होगी. उन्होंने समाज से जागरूक रहकर ग्राम सभा को सशक्त बनाने की अपील की.

अंतरराष्ट्रीय मुक्केबाज अरुणा मिश्रा की माता का निधन

जमशेदपुर: अंतरराष्ट्रीय मुक्केबाज एवं पुलिस सेवा अधिकारी अरुणा मिश्रा की माता उर्मिला मिश्रा का आज सुबह लगभग 3 बजे टीएमएच अस्पताल में निधन हो गया. बीते सप्ताह उनके घर के पास सड़क दुर्घटना में घायल होने के बाद उनका इलाज चल रहा था. उनका अंतिम संस्कार कल प्रातः 10:30 बजे सीतारामडेरा स्थित निवास से स्वर्णरेखा बर्निंग घाट पर किया जाएगा. उर्मिला देवी अपने पीछे दो पुत्र और चार पुत्रियों का भरा-पूरा परिवार छोड़ गईं.

पेसा कानून लागू होने पर बांटे लड्डू

जमशेदपुर: पूर्वी सिंहभूम जिला कांग्रेस कमेटी के तत्वावधान में झारखंड में पेसा कानून लागू किए जाने की खुशी में जिलाध्यक्ष परविंदर सिंह के नेतृत्व में बिष्टुपुर तिलक पुस्तकालय में लड्डू वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया. इसके साथ ही साकची गोलचक्कर पर आम जनता के बीच भी लड्डू बांटकर खुशी मनाई गई. इस अवसर पर जिलाध्यक्ष परविंदर सिंह ने कहा कि ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पाण्डेय सिंह के नेतृत्व में गठित कमेटी द्वारा पेसा कानून का मसौदा तैयार किया गया, जिसे मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कैबिनेट से स्वीकृति प्रदान की. इससे ग्राम सभा की मजबूती मिली है. उन्होंने बताया कि अब पंचायत क्षेत्र में खनन, भूमि अधिग्रहण के लिए ग्राम सभा की सहमति अनिवार्य होगी.

अटल जयंती पर दिखा सेवा व समर्पण का अद्भुत भाव

अटलजी के व्यक्तित्व में सरलता, संवेदनशीलता व नेतृत्व का अद्भुत समन्वय था : सरयू राय

जमशेदपुर : जमशेदपुर पश्चिमी के विधायक सरयू राय ने कहा कि भारत रत्न, पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी भारतीय राजनीति के ऐसे शिखर पुरुष थे, जिनके व्यक्तित्व में आदर्श, सरलता, संवेदनशीलता और दृढ़ नेतृत्व का अद्भुत समन्वय देखने को मिलता है. उन्होंने जनसंघ से लेकर भारतीय जनता पार्टी तक अटलजी के राजनीतिक सफर को याद करते हुए उनके जीवन से जुड़े कई प्रेरक प्रसंग साझा किए. जनता दल यूनाइटेड, जमशेदपुर महानगर के बारीडीह स्थित कार्यालय में अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में श्री राय ने कहा कि संगठनात्मक कार्यों के लिए क्षेत्र में आगमन के दौरान उस समय बहुत कम लोगों के पास निजी वाहन हुआ करते थे. ऐसे में अटलजी कई बार बिना किसी औपचारिकता या इंतजार के रिक्शे से ही कार्यालय पहुंच जाते थे. वे स्वागत जुलूस की प्रतीक्षा नहीं करते थे और अनेक अवसरों पर कार्यकर्ताओं के घर पर ही ठहर जाते थे, जो उनकी सादगी और कार्यकर्ताओं के प्रति अपनत्व को दर्शाता है. कार्यक्रम को अध्यक्षता जनता दल यूनाइटेड जमशेदपुर महानगर अध्यक्ष अजय कुमार ने की, जबकि पूर्वी सिंहभूम जिला अध्यक्ष सुबोध श्रीवास्तव सहित बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता उपस्थित रहे. सभी ने अटलजी के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया. कार्यक्रम का संचालन जिला महासचिव कुलविंदर सिंह पन्नू ने किया. इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष चंद्रशेखर राव, दुर्गा राव, प्रेम सक्सेना, सुधा जदयू के जिलाध्यक्ष नीरज सिंह, महिला मोर्चा की जिलाध्यक्ष अमृता मिश्रा, प्रकाश कोया, राजेश प्रसाद, संजीव सिंह, शंकर कर्मकार, राकेश कुमार, बबलू कुमार, लालू गौड़, प्रवीण सिंह, शमशाद खान, मुश्ताक अहमद, विनोद राव, तर्क मुखर्जी, विजय सिंह, मंजू सिंह, शेषनाथ पाठक, अमित शर्मा, धनोज सिंह, ममता सिंह, विनोद सिंह, मृत्युंजय शर्मा, विकास कुमार, मनोज सिंह, महुआ चक्रवर्ती, मल्लिका प्रामाणिक, सपना टांडी, पुतुल सिंह, रीना डे, सुनीता सिंह, विजय राव, अजीत कुमार, धर्मेंद्र कुमार, मनोज गुप्ता, नवीन कुमार, अशोक कुमार, अबोध कुमार, गणेश चंद्रा, कुमार विनीत सहित अनेक कार्यकर्ता शामिल रहे.

सोनारी मंडल में 101वीं अटल जयंती पर मनाया गया सुशासन दिवस

भाजपा सोनारी मंडल द्वारा सोनारी स्थित राम मंदिर (अटल चौक) में देश के पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की 101वीं जयंती के अवसर पर सुशासन दिवस मनाया गया. कार्यक्रम का नेतृत्व भाजपा सोनारी मंडल अध्यक्ष प्रशांत कुमार पोद्दार ने किया. सुशासन दिवस कार्यक्रम की शुरुआत अटल बिहारी वाजपेयी की तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि अर्पित करने के साथ हुई. इसके पश्चात मंडल के शक्ति केंद्रों में कार्यकर्ताओं के साथ जयंती कार्यक्रम आयोजित किया गया. इस अवसर पर मुख्य रूप से भाजपा झारखंड प्रदेश कार्यसमिति सदस्य जटाशंकर पांडेय, मंडल अध्यक्ष प्रशांत कुमार पोद्दार, भाजपा के पूर्व मंडल अध्यक्ष पूरण वर्मा, संजय रजक, सतेन्द्र सिंह यादव, संजय सिंह मुंडा, राहुल तिवारी सहित मंडल के कार्यकर्ता उपस्थित रहे.

अटल जयंती पर रक्तदान शिविर, 701 यूनिट रक्त संग्रह

भारत रत्न एवं पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की 101वीं जयंती के अवसर पर गोलमुरी स्थित कंबुल वेलफेयर क्लब में आयोजित अटल स्मृति रक्तदान शिविर में कुल 701 यूनिट रक्त संग्रहित किया गया. शिविर का उद्घाटन पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास ने किया. इस अवसर पर सांसद विद्युत वरण महतो, विधायक पूर्णिमा साहू, पूर्व विधायक मेनका सरदार, पोटका की पूर्व प्रत्याशी मीरा मुंडा सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे. आयोजन का नेतृत्व पूर्व जिलाध्यक्ष दिनेश कुमार ने किया, जिन्होंने लगातार 22 वर्षों से इस शिविर के आयोजन की परंपरा को आगे बढ़ाया है.

अटल बिहारी वाजपेयी की 101वीं जयंती पर बांटे कंबल

भारत रत्न एवं पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की 101वीं जयंती के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी बिष्टुपुर मंडल के पूर्व महामंत्री सत्री सिंह के नेतृत्व में न्यू रानी कुदर स्थित महावीर मंदिर परिसर में श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया. श्रद्धांजलि के उपरांत सत्री सिंह द्वारा 105 जरूरतमंदों के बीच कंबल वितरित किए गए. उन्होंने कहा कि अटल जी का जीवन सेवा, सुशासन और राष्ट्र समर्पण का प्रतीक है. इस अवसर पर वंदना सिंह, ललन द्विवेदी, संजय तिवारी, सुनील दीक्षित, राहुल, किट्टू, मन्नू, प्रवीण, विक्रम सहित अन्य लोग उपस्थित थे.

नारायण आईटीआई में मनाई गई वाजपेयी की जयंती

चांडिल के लुपुंगडीह स्थित नारायण आईटीआई में भारत के पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती मनाई गई. कार्यक्रम में संस्थान के शिक्षक, कर्मचारी एवं प्रशिक्षार्थी शामिल हुए. इस अवसर पर संस्थान के संस्थापक सह भाजपा प्रदेश कार्य समिति सदस्य डॉ. जटाशंकर पांडे ने अटल बिहारी वाजपेयी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर विस्तार से प्रकाश डाला. इस अवसर पर ट्रस्टी संजय सिंह, इंदु कुमारी, प्राचार्य जयदीप पांडे, शांति राम महतो, प्रकाश महतो, देवाशीष मंडल, शुभम साहू, भगत लाल तेली, शशि प्रकाश महतो, पवन महतो, गौरव महतो, कृष्ण पद महतो सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे.

अटल बिहारी वाजपेयी की 101वीं जयंती पर जरूरतमंदों के बीच कंबल वितरण

भारत रत्न, पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी की 101वीं जयंती बुधवार को श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई. इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा कदमा मंडल के पूर्व अध्यक्ष राजेश सिंह ने की, जबकि जमशेदपुर पश्चिमी के विधायक प्रतिनिधि मुकुल मिश्रा विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे. कार्यक्रम के दौरान उपस्थित नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने अटल बिहारी वाजपेयी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया और उनके राष्ट्रनिर्माण में दिए गए अतुलनीय योगदान को याद किया. इस अवसर पर जमशेदपुर पश्चिमी के विधायक सरयू राय द्वारा उपलब्ध कराए गए कंबलों का वितरण जरूरतमंदों के बीच किया गया. कार्यक्रम में वरिष्ठ नेता ललन द्विवेदी, मंडल महामंत्री अजय झा, कार्तिक गोप, भोला शर्मा, राजेश सोनकर, संतोष सिंह, विक्की यादव, विनोद रजक, नेपाल माझी सहित बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता एवं क्षेत्रीयवासी मौजूद रहे.

भारत रत्न मालवीय की मनाई जयंती

भारतीय जन महासभा के अध्यक्ष धर्म चंद्र पोद्दार ने मानगो स्थित आवास एवं आदित्यपुर में भारत रत्न पंडित मदन मोहन मालवीय और पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई की जयंती श्रद्धा एवं उत्साह के साथ मनाई. इस अवसर पर अनेक सामाजिक कार्यकर्ता एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे.

कांग्रेस और सपा ने आंबेडकर को भुलाने का पाप किया : पीएम

भाजपा को 370 खत्म करने का गर्व, शाही परिवार कहकर किया कटाक्ष

लखनऊ। पीएम नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को लखनऊ में राष्ट्र प्रेरणा स्थल का उद्घाटन किया। यहां उन्होंने जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी, पं. दीनदयाल उपाध्याय और अटल बिहारी वाजपेयी की मूर्तियों का अनावरण करके पुष्पांजलि अर्पित की। पीएम मोदी ने कहा- पहले एक परिवार की मूर्तियां लगाते थी, आज हर विभूति को सम्मान मिल रहा है। पहले एक ही परिवार का गौरव-गान होता था। भाजपा ने हर किसी के योगदान को सम्मान दिया। मोदी ने ये भी कहा कि आज नेताजी सुभाष चंद्र बोस की प्रतिमा दिल्ली के कर्तव्य पथ है। अंडमान में नेताजी ने जहां पर तिरंगा फहराया, वहां उनकी प्रतिमा है। कोई नहीं भूल सकता है कि आंबेडकर की विरासत को मिटाने का प्रयास किया गया। दिल्ली के शाही परिवार ने इसे मिटाने का प्रयास किया। यहां सपा ने भी ऐसा किया, लेकिन भाजपा ने इसे मिटने नहीं दिया। प्रेरणा स्थल पर 65-65 फीट ऊंची दीनदयाल उपाध्याय, श्यामा प्रसाद मुखर्जी और अटल बिहारी वाजपेयी की मूर्तियां लगाई गई हैं। हर एक प्रतिमा 42 टन वजनी है। प्रेरणा स्थल 65 एकड़ क्षेत्र में 230 करोड़ रुपए की लागत से बना है। साल 2022 में इसका निर्माण शुरू हुआ था। पीएम मोदी ने कहा- कांग्रेस और उसके सहयोगियों ने राजनैतिक रूप से भाजपा को अछूत बनाए रखा। भाजपा का संस्कार हमें सभी का सम्मान करना सिखाता है। नरसिम्हा राव व प्रणब बाबू को भारत रत्न दिया गया। ये हमारी सरकार है, जिसने मुलायम सिंह व तरुण गोगोई को राष्ट्रीय पुरस्कारों से सम्मानित किया। कांग्रेस से या सपा से कोई भी ऐसी उम्मीद नहीं कर सकता। इन लोगों के राज में तो भाजपा के नेताओं को सिर्फ अपमान ही मिलता था। भाजपा के डबल इंजन सरकार को बहुत फायदा यूपी को हो रहा है। यूपी 21वीं सदी के भारत में अपनी अलग पहचान बना रहा है। मेरा सौभाग्य है कि मैं यूपी से सांसद हूं। यूपी के मेहनतकश लोग एक नया भविष्य लिख रहे हैं। अब यूपी की चर्चा विकास के लिए होती है। यूपी पर्यटन मानचित्र पर तेजी से उभर रहा है। अयोध्या में भगवान राम का भव्य मंदिर, काशी विश्वनाथ धाम, दुनिया में यूपी की नई पहचान बन रहा है। राष्ट्र प्रेरणा स्थल जैसे स्थान यूपी को नई पहचान दे रहे है। यूपी सुशासन समृद्धि के रूप में और बुलंदी हासिल करे। इसी कामना के साथ फिर से राष्ट्र प्रेरणा स्थल की बधाई। पीएम मोदी ने करीब 32 मिनट भाषण दिया। उन्होंने आखिरी में तीनों नेताओं के नारे लगवाए। फिर कहा भारत की जयकारे भी लगवाए। पीएम मोदी ने कहा- सरदार पटेल ने रियासतों को भारत में मिलाया। लेकिन आजादी के बाद उनके काम और कद को छोटा कर दिया। भाजपा ने सरदार साहब को मान सम्मान दिया। जिसके वो हकदार थे। उनकी विश्व की सबसे ऊंची प्रतिमा बनाई। आदिवासियों को उचित स्थान नहीं दिया गया। हमारी सरकार ने भगवान बिरसा मुंडा का भव्य स्मारक बनाया। साथियों, देश भर में ऐसे अनेक उदाहरण हैं। महाराज सुहेलदेव का स्मारक भाजपा सरकार में बना। निषादराज व प्रभु राम की मिलन स्थली को सम्मान मिला। साथियों, परिवारवाद की राजनीति की एक विशिष्ट पहचान होती है। असुरक्षा से घिरी होती है। इस कारण परिवारवाद दूसरे की लकीर को छोटा करने की प्रवृत्ति होती है। इसी सोच ने भारत में राजनीतिक छुआछूत का चलन शुरू किया। देश में कई पीएम हुए। लेकिन दिल्ली में म्यूजियम में कई पीएम के योगदान को नजरअंदाज किया गया। आज दिल्ली जाएं तो भव्य पीएम संग्रहालय आपका स्वागत करता है। हर पीएम को उचित सम्मान व साथ दिया गया है। पीएम मोदी ने कहा- तीनों महापुरुषों के प्रेरणा और विजनरी कार्य विकसित भारत के आधार हैं। प्रतिमाएं हमें नई ऊर्जा से भर रही हैं। हमें यह नहीं भूलना है कि भारत में हर कार्य को एक ही परिवार से जोड़ने की प्रवृत्ति पनपी। पहले एक ही परिवार का गौरवगान होता था। उनकी ही मूर्तियां। यही सब चला। भाजपा ने एक परिवार की बंधक बनी इस प्रवृत्ति से देश को बाहर निकाला। भाजपा ने हर किसी के योगदान को सम्मान दिया। आज नेताजी सुभाष चंद्र बोस की प्रतिमा दिल्ली के कर्तव्य पथ है। अंडमान में नेताजी ने जहां पर तिरंगा फहराया, वहां उनकी प्रतिमा है। कोई नहीं भूल सकता है कि आंबेडकर की विरासत को मिटाने का प्रयास किया गया। दिल्ली के शाही परिवार ने इसे मिटाने का प्रयास किया। यहां सपा ने भी ऐसा किया। लेकिन भाजपा ने इसे मिटने नहीं दिया। पीएम मोदी ने कहा- भारत में टेलीकाम को गति देने का काम अटलजी ने ही किया। आज भारत दुनिया में सबसे अधिक इंटरनेट और मोबाइल यूजर वाले देशों में से है। अटलजी जहां होंगे, वो इस बात से खुश होंगे। 11 वर्षों में भारत दुनिया के सबसे बड़ा मोबाइल निर्माता देश बन गया है। कनेक्टिविटी को लेकर उनके विजन 21वीं सदी के भारत की मजबूती है। उनके समय में ही गांव -गांव तक सड़कें पहुंचाने का अभियान शुरू हुआ। स्वर्णिम चतुर्भुज अभियान भी शुरू हुआ। आज 8 लाख किमी सड़कें गांवों में बनकर तैयार हैं। हमारा यूपी एक्सप्रेस-वे के रूप में अपनी पहचान बना रहा है। अटलजी ने मेट्रो की शुरूआत की। आज मेट्रो लाखों लोगों का जीवन आसान बना रहा है।

संक्षिप्त डायरी

विधायक पीएन पाठक ने किया सैकड़ों जरूरतमंद बुजुर्गों में कंबल वितरित

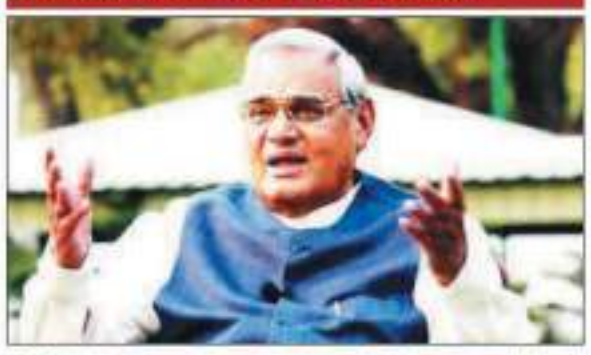

संवाददाता
कसया, कुशीनगर। तहसील क्षेत्र के डुमरी चुरामनछपरा के स्थित प्राथमिक विद्यालय में कम्बल वितरण समारोह में मुख्यअतिथि कुशीनगर विधायक पीएन पाठक ने सैकड़ों जरूरतमंद बुजुर्गों को कंबल वितरित किए। गुरुवार को जरूरतमंदों को कम्बल वितरित करते हुए विधायक पीएन पाठक ने कहा कि बुजुर्गों और असहायों की सेवा करना महत्वपूर्ण है। उन्होंने इसे 'नर सेवा ही नारायण सेवा' बताया। इस दौरान उन्होंने केंद्र और राज्य सरकार की विभिन्न जन-कल्याणकारी योजनाओं का लाभ बताया। ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि सुधीर राव ने कहा कि सरकार सभी वर्गों को लेकर साथ चल रही है और योजनाओं का लाभ पहुंचा रही है। उप जिलाधिकारी संतराज सिंह ने कहा कि सरकार की योजना का लाभ ग्रामीणों को मिले इसके लिए हम सभी का दायित्व है। अस्पताल मण्डल अध्यक्ष राजेश राव व संचालन धीरज राव और अतिथियों का स्वागत ग्राम प्रधान डिम्पल पांडेय ने किया। इस अवसर तहसीलदार धर्मवीर सिंह, नायब तहसीलदार संदीप सिंह, विधायक प्रतिनिधि रुद्र प्रकाश सिंह, आदित्य तिवारी, सुनील कौशिक, पवन दुबे, कौशल जायसवाल, अजय जायसवाल, विकास श्रीवास्तव, राजेश राव, जितेंद्र राव, सुशील मिश्रा, रामायण यादव, मुलेह, बृजेश मिश्रा उपस्थित थे।

कवि हृदय के साथ एक कुशल शासक थे अटल जी: राकेश जायसवाल

संवाददाता
कुशीनगर। संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार के सहयोग से दुलारी सेवा संस्थान, कसया, कुशीनगर द्वारा " अटल बिहारी बाजपेई की 100 वीं जन्म शताब्दी वर्षगांठ विषयक संगोष्ठी में अटल के जीवन संघर्ष, व्यक्तित्व, राष्ट्र सेवा और उनके विचारों पर चर्चा की गई। गुरुवार को नगर के होटल लीला ग्लैक्सी में आयोजित गोष्ठी का शुभारंभ भारत रत्न, पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी बाजपेई के चित्र पर पुष्पार्चन से किया गया। मुख्य अतिथि नगरपालिका परिषद कुशीनगर अध्यक्ष प्रतिनिधि राकेश कुमार जायसवाल ने कहा कि अटल जी महान राजनेता, विचारक और कवि हृदय के साथ एक कुशल शासक थे जिन्होंने भारत के बहुमुखी विकास का द्वार खोला। मुख्य वक्ता प्रोफेसर गौरव तिवारी ने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी भाव, भाषा और भंगिमा से मर्यादा के प्रतिमूर्ति थे। वे वैचारिक असहमति को व्यक्तिगत असहमति नहीं मानते थे। इस कारण उनकी राजनैतिक स्वीकृति दलगत भावनाओं से ऊपर की थी। आज की राजनीति में इस भाव का अभाव है। कवि राजनीतिज्ञ और देशभक्त के रूप में उनके व्यक्तित्व के तीन महत्वपूर्ण आयाम रहे हैं। वे सामंजस्य के साथ लोकतंत्र को आगे बढ़ाने के हिमायती थे। अध्यक्षता करते हुए बुद्ध स्नातकोत्तर महाविद्यालय कुशीनगर के पूर्व प्राचार्य प्रोफेसर अमृतांशु शुक्ल ने कहा कि अटल जी भारत के विकास पुरुष थे। उन्होंने देश को मजबूत करने के लिए विदेशी दबावों के बीच भी परमाणु परीक्षण कराया। अंत्योदय संबंधी कार्यक्रमों को बढ़ावा दिया। डॉ० बीना कुमारी ने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी भारत के महान राजनीतिज्ञ थे। उन्होंने भाजपा को शिखर तक लाने में अपना पुरा जीवन लगा दिया। भाजपा नेता अमित पांडेय ने अटल जी के जीवन के संस्मरणों को साझा किया। प्रो. बीना गुप्ता ने उनके बताए मार्ग पर चलने का आह्वान किया। पूर्व प्राचार्य प्रो. अमृतांशु शुक्ला ने इसी क्रम प्राचार्य रवि शंकर प्रताप राव, चन्दन कसौधन, प्रधानाचार्य अवधेश चौरसिया ने अपने विचार व्यक्त किए। इससे पूर्व निरंकारी स्कूल की छात्राओं ने सरस्वती वंदना और गीत, नृत्य प्रस्तुत किए। गायक सुनील मिश्रा की टीम ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया अतिथियों को बुके और अंग वस्त्र देकर आयोजक संस्था प्रबंधक अमित कुमार मिश्रा ने किया। शानदार संचालन राजू मद्धेशिया ने किया। इस दौरान सुरेश गुप्ता, रमेश मद्धेशिया, किशोर कुमार निषाद, राम प्रताप चौरसिया, विशाल शर्मा, पिंटू राव, नंदलाल गुप्ता सहित प्रतिभागी मौजूद रहे।

भाजपा नेता ओम प्रकाश जायसवाल ने मुख्यमंत्री और परिवहन मंत्री को सौंपा पत्रक

संवाददाता
कसया, कुशीनगर। भाजपा नेता और कुशीनगर एयरपोर्ट सलाहकार समिति सदस्य ओमप्रकाश जायसवाल ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्रक देकर कुशीनगर को मेट्रो सेवा से जोड़ने और परिवहन मंत्री को पत्रक देकर कसया बस स्टेशन को सुविधाओं से सुसज्जित करने व कुशीनगर से लखनऊ दिल्ली तक एसी बस सेवा शुरू करने की मांग की। बीते बुधवार को लखनऊ पहुंचे श्री जायसवाल ने मुख्यमंत्री, प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी और परिवहन मंत्री दया शंकर सिंह से भेंट कर उन्हें श्रीराम दरबार का चित्र देकर शुभकामनाएं दी। मुख्यमंत्री योगी को दिए पत्रक में श्री जायसवाल ने बताया कि विश्व प्रसिद्ध पर्यटन स्थली कुशीनगर में प्रतिवर्ष लाखों पर्यटक आते हैं। प्रदेश सरकार द्वारा अंतर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट निर्माण के लिए हम कुशीनगर वासी आभारी हैं। कुशीनगर में रेलवे लाइन न होने से पर्यटकों और नागरिकों को आवागमन में भारी दिक्कत होती है। गोरखपुर में प्रस्तावित मेट्रो रेल परियोजना को कुशीनगर एयरपोर्ट तक विस्तार दिया जाय। जिससे सुगम परिवहन, पर्यटन और रोजगार का विकास होगा। इसी क्रम में परिवहन मंत्री से मिलकर दिए अपने पत्रक में श्री जायसवाल ने अंतर्राष्ट्रीय बस टर्मिनल कसया की बदहाली का बयान किया और मांग किया कि कसया से लखनऊ, दिल्ली तक एसी बसों का संचालन कराया जाय। श्री जायसवाल ने पत्रक में आगे बताया कि बस टर्मिनल में लगाए गए एयर कंडीशनर एसी गायब हैं। यात्रियों को बैठने के लिए कुर्सियां उपलब्ध नहीं हैं। पूरे परिसर में गंदगी का अंबार है। शौचालय गंदा और बदबू से भरा है। उन्होंने बस स्टेशन को बुनियादी सुविधाओं से परिपूर्ण करने की मांग की। जिसपर परिवहन मंत्री ने सकारात्मक करवाई का आश्वासन दिया। इस दौरान डॉक्टर चंद्रभूषण सिंह, पूर्व प्रधानाचार्य सखनिया, डॉ. अखिलेश सिंह प्रधानाचार्य किसान इंटरमीडिएट कॉलेज सखोपार, अधिवक्ता दिनेश सिंह, वीरेंद्र सिंह प्रधानाचार्य, अनिल पांडेय, सेशन कोर्ट अधिवक्ता गौरव कुमार सिंह और शुभम त्रिपाठी उपस्थित रहे।

अटल बिहारी वाजपेई जयंती: राष्ट्र निर्माण कार्य को ऊंचाइयों पर ले जा रहे मोदी: संसद विजय दूबे

संवाददाता
कुशीनगर। पूर्व प्रधानमंत्री, भारत रत्न, स्व. अटल बिहारी वाजपेई जी भारतीय राजनीति के आधार स्तंभ रहे हैं, उनकी नीति कार्यशैली का विरोधी भी मुरीद रहे हैं और उनका तारीफ भी करते हैं। अटल जी का जीवन जनसेवा और राष्ट्रसेवा को समर्पित था तथा वे देशवासियों को सदैव प्रेरणा देते रहेंगे। दुनिया के विरोध की परवाह किए बगैर अटल बिहारी वाजपेई ने पोखरण परमाणु परीक्षण कर देश परमाणु सम्पन्न देश बनाया।

यह बातें सांसद विजय कुमार दुबे ने कसया के एक होटल में भारतीय जनता पार्टी द्वारा आयोजित कुशीनगर विधानसभा का अटल स्मृति सम्मेलन को बतौर मुख्य अतिथि सम्बोधित करते हुए कहा। उन्होंने कहा कि पहले आतंकवादी घटनाओं पर पड़ोसी देश का सिर्फ निंदा करते थे परन्तु अब उसी वीर सैनिकों तथा उसी संसाधन में हम आतंकवादीयो के घर में घुसकर मार रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भारत रत्न वाजपेयी के विकसित भारत के सपने को पूरी प्रतिबद्धता के साथ साकार कर रहे हैं। अटल जी द्वारा शुरू किए गए राष्ट्र निर्माण के कार्यों को प्रधानमंत्री मोदी नई ऊर्जा और नई गति के साथ नई ऊंचाइयों तक ले जा रहे हैं। विशिष्ट अतिथि गोरखपुर के पूर्व जिलाध्यक्ष युधिष्ठिर सिंह ने कहा कि अटल बिहारी वाजपेई ने साहित्य, राजनीति, सेवा और पत्रकारिता के क्षेत्र में अटल जी ने जो कीर्तिमान स्थापित किया वह अतुलनीय है। अटल जी ऐसे नेता थे जिनको पूरे देश में पक्ष और विपक्ष सभी के नेता पसंद करते हैं। अटल जी सदैव देशहित के विषय पर विपक्षी सरकार का भी समर्थन किया था। पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी के अन्त्योदय के सपने को धरातल पर उतारने का कार्य किया। उनके विकास और सुशासन के मिशन को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आगे बढ़ा रहे हैं। अध्यक्षता करते हुए जिलाध्यक्ष दुर्गेश राय ने कहा कि आज हम एक ऐसे महान व्यक्तित्व की जयंती मना रहे हैं जिन्होंने पूरे जीवन सत्य, ईमानदारी और दृढ़ इच्छाशक्ति के साथ देश की सेवा की। उन्होंने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी केवल एक राजनेता नहीं थे, वे एक संवेदनशील कवि हृदय इंसान और दूरदर्शी राष्ट्रनेता थे, जिन्होंने भारत को नई दिशा दी।कुशीनगर विधायक पीएन पाठक ने कहा कि कहा कि अटल जी का देश के प्रति योगदान हमेशा याद रखा जाएगा। उन्होंने लोकतंत्र की मर्यादा, सुशासन और पारदर्शिता को राजनीति का आधार बनाया। उनके कार्यकाल में लिए गए फैसलों ने भारत को मजबूत और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। चाहे सड़क निर्माण हो, आधारभूत ढांचे का विकास हो या फिर अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत की पहचान हो हर क्षेत्र में अटल जी की सोच साफ दिखाई देती है। सम्मेलन को पूर्व विधायक रजनीकांत मणि त्रिपाठी, पूर्व जिलाध्यक्ष जगदम्बा सिंह, नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि राकेश कुमार जायसवाल ने सम्बोधित किया।

संचालन कार्यक्रम संयोजक अनिल प्रताप राव ने किया। इस अवसर पर राधेश्याम गोंड, सन्तोष दत्त राय, अवधेश प्रताप सिंह, विजय कुमार शुक्ल, दिवाकर मणि त्रिपाठी, विश्वरंजन कुमार आनन्द, चन्द्र प्रभा पाण्डेय, सुधीर राव, अमित पाण्डेय, अशोक पाण्डेय, डॉ टीएन राय, डॉ छेदी शर्मा, आद्या प्रसाद पाण्डेय, अमरजीत कुशवाहा,किन्नरेश चौबे, बच्चा सिंह, राजेश राव सहित पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित थे।

एससी,एसटी के गुनाहगार को पांच साल की सख्त सजा के साथ ही हुआ 19 हजार का जुमार्ना

संवाददाता
हमीरपुर। कुराड़ के सिकरोढ़ी में 28 अक्टूबर 2008 में शराब के नशे में राइफल से पीड़ित के दरवाजे पर फायर करने के साथ ही गाली गलौज कर जान से मारने की धमकी देने के गुनाहगार सिकरोढ़ी निवासी राजू यादव पुत्र कोहरू उर्फ रघुनाथ यादव को एससी, एसटी एक्ट के तहत पांच साल की सख्त सजा के साथ ही हुआ 19 हजार का जुमार्ना। जबकि 28 अक्टूबर 2008 में पीड़ित की तहरीर पर कुराड़ पुलिस ने राजू यादव पुत्र कोहरू, .बड़कवा उर्फ उमाकान्त पुत्र कोहरू उर्फ रघुनाथ यादव,बंटा उर्फ उमाकान्त यादव पुत्र कोहरू उर्फ रघुनाथ याद सहित कोहरू उर्फ रघुनाथ यादव पुत्र मुलुआ यादव के खिलाफ मु0अ0सं0-1123/2008 धारा-308/34, 325/34, 323/34, 504, 506(2) भा0द0सं0 व 3(1)10 सहित एससी, एसटी के तहत मामला दर्ज किया था। जबकि अदालत में चली लम्बी सुनवाई के दौरान मामले से जुड़े तीन अभियुक्तों की मौत हो गई थी। वहीं एससीएसटी अदालत के स्कालर जज ने राजू यादव को गुनाहगार मानते हुये 5 साल की सख्त सजा के साथ ही 19 हजार का जुमार्ना सुनाया। जबकि मामले की जांच तत्कालीन सीओ जोगेन्द लाल ने पूरी करने के बाद अदालत में चार्जशीट दाखिल करदी थी। जबकि अभियोजन की तरफ से विशेष लोक अभियोजक विजय सिंह ने पैरवी की।

क्रिसमस पर सेंट जोसेफ स्कूल ने दिया सांस्कृतिक रंग, उल्लास और भाईचारे का संदेश

संवाददाता
कुशीनगर । फाजिलनगर क्षेत्र के सेंट जोसेफ सीनियर सेकेंडरी स्कूल में क्रिसमस की पूर्व संध्या के अवसर पर बुधवार सायंकाल भव्य एवं रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रार्थना एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ, जिसके उपरांत छात्रछात्राओं ने नृत्य व गीत की आकर्षक प्रस्तुतियों से उपस्थित अतिथियों का मन मोह लिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भाजपा जिलाध्यक्ष दुर्गेश राय ने बच्चों की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजन बच्चों की प्रतिभा को मंच देने के साथ-साथ उनमें संस्कारों का विकास करते हैं। भाजपा जिला उपाध्यक्ष दिवाकर मणि त्रिपाठी ने कहा कि विद्यालयों में होने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रम बच्चों के व्यक्तित्व विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वहीं भाजपा किसान मोर्चा के क्षेत्रीय उपाध्यक्ष राधेश्याम पांडेय ने ऐसे आयोजनों को समाज में आपसी सद्भाव और भाईचारे को मजबूत करने वाला बताया। समाजसेवी पं. अजय शुक्ला ने कहा कि बच्चों की प्रस्तुतियों में अनुशासन, मेहनत और रचनात्मकता स्पष्ट रूप से दिखाई दी, जो उनके उज्ज्वल भविष्य का संकेत है। कार्यक्रम से पूर्व जानसन जी द्वारा विशेष प्रार्थना कर सभी के सुखी एवं समृद्ध जीवन की कामना की गई। इस अवसर पर रिटायर्ड आरटीओ अजय त्रिपाठी ने कहा कि विद्यालयों में इस तरह के सांस्कृतिक आयोजन बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए अत्यंत आवश्यक हैं। इससे बच्चों में आत्मविश्वास, सामाजिकता और नैतिक मूल्यों का विकास होता है, जो उन्हें बेहतर नागरिक बनने की दिशा में प्रेरित करता है। कार्यक्रम के दौरान रिटायर्ड आरटीओ अजय त्रिपाठी,टीएन राय, सेंट जोसेफ ग्रुप के डायरेक्टर एमसी मैथ्यु, सीओ पुन्नुस, सीओ जोश एवं प्रधानाचार्य जेसी जोश ने केक काटकर समारोह का विधिवत शुभारंभ किया। इस दौरान बच्चे सेंटाक्लाज की वेशभूषा में उपस्थित अतिथियों को टॉफी व मिठाइयां बांटते हुए सभी से हाथ मिलाते नजर आए। छात्राओं की सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने क्रिसमस के अवसर पर प्रेम, भाईचारा और आपसी सौहार्द का सशक्त संदेश दिया। संचालन शिक्षक अजय उपाध्याय एवं मजिबुल्लाह राही ने किया, जबकि विद्यालय के डायरेक्टर सीओ जोश ने सभी आगंतुकों के प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि राजन शुक्ला, संगीताचार्य, कवि मनंजय तिवारी ह्रानिर्मलह्र, जनार्दन उपाध्याय, छेदी चौहान, प्रदीप सिंह, अमरनाथ पांडेय, भाजपा नेता चंद्र प्रकाश यादव ह्रामनह्र, राणा प्रताप सिंह, अखिल कुमार जायसवाल, मनीष तिवारी, देवेन्द्र उर्फ इंदु उपाध्याय, मधुसूदन तिवारी, पीपी मिश्रा, महंथ सुभाष चंद्र सिंह, साहित्यविद् नंदा पाण्डेय, डॉ. संजय मिश्रा, अशोक कुमार राय, सुधाकर मणि त्रिपाठी, पीके पांडेय, उपेंद्र नाथ त्रिपाठी, बी जमा सहित बड़ी संख्या में गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

शौर्य क्रिकेट क्लब इंदौर ने दिल्ली चैलेंजर्स को हराकर किया सेमीफाइनल में प्रवेश

संवाददाता
कुशीनगर। फाजिलनगर स्थित पावानगर महावीर इंटर कॉलेज के राज मालती स्टेडियम में आयोजित 20 वीं अखिल भारतीय शहीद मेजर अभिव त्रिपाठी क्रिकेट प्रतियोगिता के गुरुवार के दूसरे मैच में शौर्य क्रिकेट क्लब इंदौर ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दिल्ली चैलेंजर्स दिल्ली को चार विकेट से पराजित कर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। इंदौर के खिलाड़ी विक्रांत सिंह भदौरिया को उनके बेहतरीन ऑलराउंड प्रदर्शन के लिए मैन ऑफ द मैच चुना गया। गुरुवार सुबह दस बजे से खेले गए इस मुकाबले में इंदौर के कप्तान हर्ष त्यागी ने टॉस जीतकर पहले क्षेत्ररक्षण का निर्णय लिया। पहले बल्लेबाजी करने उतरी दिल्ली चैलेंजर्स की टीम ने दमदार खेल दिखाते हुए निर्धारित 30 ओवरों में 9 विकेट पर 347 रन बनाए। दिल्ली की ओर से अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी गौरव तोमर ने 91 रन, मोनू ने 78 रन, आईपीएल खिलाड़ी अनुरीत सिंह ने 40 रन, कप्तान अंकित त्रिपाठी ने 36 रन, अमन अल्वी ने 26 रन तथा आशिक खान स्वाद ने 21 रनों का योगदान दिया। इंदौर की गेंदबाजी में प्रिंस मौर्या और विवेक सिंह ने तीनतीन विकेट चटकाए, जबकि नवनीत कुमार, प्रथम सलूजा और विक्रांत सिंह भदौरिया को एकएक एक विकेट मिला। लक्ष्य का पीछा करने उतरी इंदौर की टीम ने दर्शकों को रोमांच से भरते हुए 29.1 ओवर में 6 विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया। इंदौर की जीत में अमन यादव के 98 रन, विक्रांत सिंह भदौरिया के 84 रन, कप्तान हर्ष त्यागी के 54 रन, हिमांशु सिंह के 52 रन और सम्यक के 41 रन अहम रहे। दिल्ली की ओर से प्रशांत चौधरी ने दो विकेट लिए, जबकि मोहित कनौजिया, अमन अल्वी और मोनू शुक्ला को एकएक सफलता मिली। मैच में अंपायरिंग बीसीसीआई पैनल अंपायर ए.पी. सिंह और संतोष सिंह ने की, जबकि थर्ड अंपायर की भूमिका अशोक शर्मा और नदीम ने निभाई। स्कोरिंग बीसीसीआई स्कोरर एस.पी. सिंह द्वारा की गई। कमेंट्री मोहम्मद आलम, गुड्डू पांडेय एवं आईपीएल कमेंटेटर सुमित कुमार मिश्रा ने की, जबकि मैच का लाइव प्रसारण सचिन यादव, प्रभात सिंह और संदीप यादव द्वारा किया गया।

स्कोरबोर्ड संचालन आयान ने संभाला। 84 रनों की शानदार पारी खेलने और एक विकेट लेने वाले विक्रांत सिंह भदौरिया को मैन ऑफ द मैच का 5000 रुपये नकद पुरस्कार एवं ट्रॉफी लखनऊ के आरटीओ संजय शुक्ला, पूर्व एमएलसी रामू द्विवेदी एवं ई. अपराजिता सिंह ने संयुक्त रूप से प्रदान की। इससे पूर्व खादी ग्रामोद्योग सेवा संस्थान सचिव के मंत्री एवं समाजसेवी पंकज पांडेय ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर मैच का शुभारंभ कराया। इस अवसर पर आयोजन समिति के संरक्षक रिटायर्ड आरटीओ अजय त्रिपाठी, अधिवक्ता अभय त्रिपाठी, स्मिता त्रिपाठी, कंचन त्रिपाठी, जेसी जोश, ई. अजय सिंह, डॉ. रामानुज पांडेय, सीओ जोश, जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि राजन शुक्ला, सत्यम त्रिपाठी, शुभम त्रिपाठी, टी.एन. राय, शिवशंकर तिवारी, डॉ. केपी सिंह, डॉ. संजय मणि, विनीत कुमार बंटी, सतेन्द्र सिंह, आजाद अंसारी, प्रदीप सिंह, भाजपा नेता मनोज चौबे, मीडिया प्रभारी दिनेश सिंह सहित बड़ी संख्या में खेल प्रेमी व गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

सोने की कीमतों में 2025 में रिकॉर्ड तेजी, 2026 में बढ़ने की संभावना

- 1979 के बाद सोने की कीमतों में सबसे बड़ी सालाना बढ़ोतरी

नई दिल्ली ।

साल 2025 में सोने की कीमतों में 70 फीसदी से अधिक की वृद्धि हुई है, जो 1979 के बाद सबसे बड़ी सालाना बढ़ोतरी है। बुधवार को सोना पहली बार 4,500 डॉलर प्रति औंस के पार गया। निवेशक आर्थिक अनिश्चितता, महंगाई और ब्याज दरों में कमी के कारण सोने जैसी सुरक्षित संपत्तियों की ओर तेजी से बढ़ रहे हैं। सोने में इस साल तेजी सिर्फ अटकलों की वजह से नहीं है। अमेरिकी डॉलर की गिरावट ने अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने की कीमत बढ़ा दी है। इसके अलावा केंद्रीय बैंक अपनी डॉलर पर निर्भरता कम करने के लिए तेजी से सोना खरीद रहे हैं। खनन में निवेश की कमी, सप्लाई में रुकावटें और टैरिफ ने बाजार को सख्त कर दिया है, जबकि मांग लगातार बढ़ रही है। विशेषज्ञों का कहना है कि सोने की कीमतें मुख्य रूप से अमेरिका के केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व की ब्याज दरों पर निर्भर करती है। जब फेड ब्याज दर घटाता है, तो सोने में तेजी देखने को मिलती है। फेड अगले साल दो बार ब्याज दरें कम कर सकता है, जिससे सोने की कीमत में और बढ़ोतरी संभव है। बाजार के विश्लेषकों ने कहा कि वर्तमान में कोई भी ऐसा कारण नहीं है जो सोने की कीमत को नीचे खींच सके। केवल केंद्रीय बैंक की सोने की खरीदारी में कमी ही कीमत में गिरावट ला सकती है। अगर यह नहीं होता, तो निवेशकों की स्थिति देखकर लगता है कि सोने में तेजी जारी रहेगी। विशेषज्ञ अनुमान लगा रहे हैं कि साल के अंत तक सोना 5,000 डॉलर प्रति औंस तक पहुंच सकता है। निवेशक और बाजार जानकार इसे सुरक्षित निवेश के रूप में देख रहे हैं, खासकर उस समय जब वैश्विक अर्थव्यवस्था में अनिश्चितता और महंगाई बनी हुई है।

मुंबई के महालक्ष्मी इलाके में 2.5 एकड़ जमीन 2,250 करोड़ में बिकी

- प्राइम प्लॉट का आरक्षित मूल्य 993 करोड़ रुपए था

मुंबई ।

दक्षिण मुंबई के महालक्ष्मी इलाके में रेलवे भूमि विकास प्राधिकरण (आरएलडीए) ने 2.5 एकड़ का प्राइम प्लॉट 99 साल की लीज पर नीलामी के लिए रखा। आरक्षित मूल्य 993 करोड़ रुपये था। हालांकि, डेवलपर्स की प्रतिस्पर्धा ने इसे 2,250 करोड़ रुपये तक बढ़ा दिया। यह अब तक मुंबई में लंबी अवधि के पट्टे पर किसी जमीन की नीलामी के लिए सबसे बड़ी बोली है। नीलामी में चार बड़े डेवलपर्स शामिल थे। दिनेशचंद्र अग्रवाल इन्फ्राकॉन ने सबसे बड़ी बोली लगाई। इसके बाद सोभा रियलिटी ने 1,232 करोड़ रुपये और लोढ़ा ग्रुप ने 1,161 करोड़ रुपये की बोली पेश की। इसके अलावा, आरएमजेड ग्रुप की एक इकाई भी इस नीलामी में हिस्सा ले रही थी। नीलामी के दस्तावेजों के अनुसार शुरुआती भुगतान लगभग 100 करोड़ रुपये होना तय है। कुल भुगतान 8 साल में राजस्व हिस्सेदारी के आधार पर किया जाएगा, जिसमें पहले 6 साल में 80 फीसदी राशि जमा करनी होगी। विशेषज्ञों का कहना है कि महालक्ष्मी जैसे प्राइम इलाके में जमीन की इतनी उच्च बोली यह दर्शाती है कि निवेशक लंबी अवधि में मजबूत रिटर्न की उम्मीद में प्रीमियम कीमत देने को तैयार हैं। यह नीलामी मुंबई में प्राइम जमीन की बढ़ती मांग और केंद्रीय रूप से स्थित, तैयार-से-विकसित जमीन की आकर्षकता को भी रेखांकित करती है। विशेषज्ञों के अनुसार यह सौदा संकेत देता है कि मुंबई के प्राइम लोकेशन में निवेशकों का भरोसा मजबूत है। लंबे समय तक रिटर्न की संभावना और सिटी सेंटर लोकेशन के कारण प्राइम जमीन में निवेश तेजी से बढ़ रहा है।

साल 2025 बिटकॉइन के लिए मिला-जुला रहा

- व्हेल्स की भारी बिकवाली से दबाव बढ़ा

नई दिल्ली ।

साल 2025 बिटकॉइन (बीटीसी) के लिए मिला-जुला रहा। इस साल बिटकॉइन ने कई नई ऊंचाइयां छुईं लेकिन कीमतें अस्थिर रहीं। एक ऑन-चेन विश्लेषक के अनुसार पिछले 12 महीनों में बड़े निवेशकों यानी व्हेल्स ने 1,61,294 बिटकॉइन बेचे, जिसकी कीमत लगभग 15 अरब डॉलर है। उनका कहना है कि इस तरह की बिकवाली आमतौर पर बाजार में गिरावट के पहले या दौरान होती है, न कि पहले से गिर चुकी कीमतों पर। व्हेल्स की भारी बिकवाली के कारण बिटकॉइन की कीमत में कई बार अचानक गिरावट देखी गई। फिलहाल यह 87,000 डॉलर के नीचे कारोबार कर रहा है। निवेशकों का भरोसा कमजोर हुआ है क्योंकि बाजार में बिकवाली का दबाव बना हुआ है। सभी बड़े निवेशक बिकवाली नहीं कर रहे हैं। मध्यम आकार के निवेशक, जिन्हें शार्क कहा जाता है, पूरे साल शुद्ध खरीदार रहे। शार्क्स की खरीदारी ने व्हेल्स के दबाव को कुछ हद तक कम किया और संकेत दिया कि बाजार का प्रभाव धीरे-धीरे छोटे और मध्यम निवेशकों की ओर बढ़ रहा है। विश्लेषकों का मानना है कि अगर व्हेल्स की बिकवाली का सिलसिला साल 2026 में भी जारी रहा, तो बिटकॉइन के लिए टिकाऊ रिकवरी मुश्किल हो सकती है। इसका मतलब है कि अगले साल भी कीमतों में गिरावट का खतरा बना रह सकता है और तेजी के रुझान कमजोर हो सकते हैं।

एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस ने होम लोन की ब्याज दरें घटाईं

- नई ब्याज दरें सिबिल स्कोर पर आधारित

नई दिल्ली ।

एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस ने अपने होम लोन की ब्याज दरें घटाकर 7.15 फीसदी से शुरू कर दी हैं। ये दरें अब ग्राहकों के सिबिल स्कोर और लोन राशि पर निर्भर करेंगी। उच्च सिबिल स्कोर वाले ग्राहकों को कम ब्याज दर का फायदा मिलेगा। जिन ग्राहकों का सिबिल स्कोर 825 या उससे अधिक है, वे 5 करोड़ रुपये तक के लोन पर 7.15 फीसदी और 5 करोड़ से 15 करोड़ रुपये तक के लोन पर 7.45त्न ब्याज दर का लाभ उठा सकते हैं। सिबिल स्कोर 800-824 वाले ग्राहकों को 7.25 से 7.55 तक, 775-799 वाले ग्राहकों को 7.35 से 7.65 फीसदी तक ब्याज देना होगा। सिबिल स्कोर 600-774 वाले ग्राहकों के लिए दरें 7.35 से 9.50 फीसदी तक होंगी। 600 से कम स्कोर वाले ग्राहकों के लिए ब्याज दर 9.55 से 10 फीसदी तक रहेगी। नई दरें न केवल नए लोन पर बल्कि पुराने लोन को एलआईसी में ट्रांसफर करने पर भी लागू होंगी। इससे घर खरीदना और भी आसान हो जाएगा।

क्रिसमस पर चांदी के दामों में रिकॉर्ड तेजी

- दिल्ली में चांदी 2,34,000 रुपए प्रति किलो

नई दिल्ली ।

क्रिसमस के अवसर पर देशभर में चांदी के दामों में जबरदस्त तेजी देखने को मिली। दिल्ली, मुंबई, अहमदाबाद, कोलकाता, चंडीगढ़, लखनऊ, बेंगलुरु, जयपुर, पटना और भुवनेश्वर में चांदी की कीमत 2,34,000 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई। वहीं, चेन्नई और हैदराबाद में यह और भी ऊंची होकर 2,45,000 पर रही। प्रति ग्राम चांदी का भाव गुरुवार को 234 रहा, जो कल की तुलना में 1 रुपये अधिक है। 21 दिसंबर को चांदी का भाव 2,14,000 रुपए प्रति किलोग्राम था। इसके बाद पिछले चार दिनों में कीमतों में कुल 20,000 रुपए की तेजी आई। 22 दिसंबर को यह 2,19,000 रुपए थी, और गुरुवार को तक 2,34,000 रुपए पर पहुंच गई। पिछले तीन दिनों में ही चांदी के दामों में 15,000 रुपए की वृद्धि दर्ज की गई। विश्लेषकों के अनुसार चांदी की बढ़ी हुई कीमत का मुख्य कारण मांग और आपूर्ति में असंतुलन है। लोग अब चांदी को सिर्फ आभूषण के लिए नहीं खरीद रहे, बल्कि इसे सुरक्षित निवेश के रूप में भी ले रहे हैं। इसके अलावा, सिल्वर ईटीएफ में निवेश लगातार बढ़ रहा है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी अमेरिका में ब्याज दरों में कमी की उम्मीद और चीन में 2026 के बाद चांदी के निर्यात पर रोक की संभावना ने कीमतों को और मजबूती दी है।

भारत में सोना 3 लाख प्रति 10 ग्राम के पार जाने की संभावना

नई दिल्ली । एक अमेरिकी अर्थशास्त्री का अनुमान है कि आने वाले वर्षों में सोने की कीमतों में जबरदस्त उछाल आ सकता है। वर्तमान में 4,510 डॉलर प्रति औंस के मुकाबले 2029 तक सोना 10,000 डॉलर प्रति औंस तक पहुंच सकता है और भारत में एमसीएक्स पर सोने का भाव 3 लाख प्रति 10 ग्राम तक जा सकता है। अर्थशास्त्री के अनुसार सोना केवल संकट से सुरक्षा नहीं देता बल्कि लंबी अवधि में निवेश का भी महत्वपूर्ण विकल्प है। इतिहास में बड़ी रैलियों ने निवेशकों को उम्मीद से अधिक लाभ दिया है। अमेरिकी शेयर बाजार के लिए वे सकारात्मक हैं, और 2026 तक एसएंडपी 500 इंडेक्स 7,700 तक पहुंच सकता है। भारत में 2025 कंसोलिडेशन का साल रहेगा, जबकि 2026 में नए अवसर बन सकते हैं।

भारत ने 2025 में कर ढांचे में बड़े सुधार लागू किए

- नया आयकर अधिनियम एक अप्रैल से होगा लागू

नई दिल्ली। भारत ने 2025 में अपने कर ढांचे में बड़े सुधार लागू किए। 22 सितंबर से लगभग 375 वस्तुओं और सेवाओं पर जीएसटी दरें घटाई गईं। चार-स्तरीय जीएसटी प्रणाली (5, 12, 18, 28 फीसदी) को दो मुख्य दरों 5 और 18 फीसदी में समेटा गया। इसका उद्देश्य कर व्यवस्था को सरल, तार्किक और पूर्वानुमानित बनाना था। अप्रैल में जीएसटी संग्रह 2.37 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचा, जबकि नवंबर में यह 1.70 लाख करोड़ रुपये रहा, दर कटौती के प्रभाव के कारण वृद्धि धीमी हुई। सरकार ने मध्यम आय वर्ग के लिए आयकर छूट बढ़ाई, जिससे उपभोक्ताओं के हाथ में अधिक खर्च योग्य आय उपलब्ध हुई। 1 अप्रैल से नया सरलीकृत आयकर अधिनियम, 2025 लागू होगा, जो 1961 के पुराने कानून की जगह लेगा। इस कदम से न केवल उपभोग को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि स्वैच्छिक अनुपालन भी मजबूत होगा। दो नए कानून लागू किए जाएंगे- सिगरेट पर अतिरिक्त उत्पाद शुल्क और पान मसाला पर जीएसटी दरों के अतिरिक्त शुल्क। इन कदमों का उद्देश्य स्वास्थ्य और राजस्व दोनों को ध्यान में रखना है। सरकार सीमा शुल्क में सरलकरण और प्रक्रियाओं के डिजिटलीकरण पर काम कर रही है। दस्तावेजीकरण में एकरूपता, जोखिम-आधारित त्वरित मंजूरी और पुराने विवादों का निपटान व्यापार सुगमता और निर्देशकों का विश्वास बढ़ाने के उद्देश्य से किया जाएगा।

श्रम सुधारों को 2025 में बढ़ावा मिला, ईपीएफओ 3.0 लांच की तैयारी

- श्रम संहिताएं 2026 में पूर्ण रूप से हो जाएंगी लागू

नई दिल्ली ।

सरकार ने पांच साल की लंबी प्रतीक्षा के बाद चार श्रम संहिताओं को लागू करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है, जो 2026 में पूर्ण रूप से लागू हो जाएंगी। इनसे 29 पुराने श्रम कानूनों को सरल और समेकित रूप में बदलकर न्यूनतम वेतन और सार्वभौमिक सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित की जाएगी। केंद्रीय श्रम मंत्री मनसुख मांडविया ने इसे भारतीय श्रम बाजार के लिए ऐतिहासिक सुधार बताया। 2026 में ईपीएफओ 3.0 लाया जाएगा, जो कर्मचारियों की भविष्य निधि, पेंशन और बीमा दावों को तेज और सुविधाजनक बनाएगा। निकासी प्रक्रियाओं के सरलीकरण से करोड़ों कर्मचारियों को उनकी बचत तक आसान पहुंच मिलेगी। ई-श्रम पोर्टल और राष्ट्रीय कैरियर सेवा प्लेटफॉर्म ने सामाजिक सुरक्षा और रोजगार सेवाओं को व्यापक और समावेशी बनाया है। प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना अगले दो वर्षों में 3.5 करोड़ नौकरियों के सृजन को प्रोत्साहित करेगी। पिछले दशक में सामाजिक सुरक्षा कवरेज 19 से बढ़कर 64 फीसदी से अधिक हो गया है। ये सुधार कार्यस्थल पर स्पष्टता, समानता और पूर्वानुमेयता सुनिश्चित करेंगे, और भारत के आधुनिक, समावेशी श्रम बाजार की दिशा में बड़ा कदम है।

भारत का अमेरिका को ट्रेड वार्ता पर प्रस्ताव.....50 प्रतिशत टैरिफ को घटाकर 15 प्रतिशत, कच्चे तेल पर पेनाल्टी हटाएं

वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल का कहना है कि समझौते पर जल्द सहमति बन सकती

नई दिल्ली।

भारत ने अमेरिका के सामने ट्रेड वार्ता में दो टूक प्रस्ताव दे दिया है। भारत चाहता है कि उस पर लगे कुल 50 प्रतिशत टैरिफ को घटाकर 15 प्रतिशत करे। इतना ही नहीं रूस से कच्चा तेल खरीदने पर जो अतिरिक्त 25 प्रतिशत पेनाल्टी लगाई है, उस पेनाल्टी को खत्म करे। दोनों देशों के बीच चल रही वार्ता से नए साल में कोई ठोस फैसला निकलने की उम्मीद है। दोनों देशों के बीच एक व्यापक द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) पर बातचीत जारी है। वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल का कहना है कि समझौते पर जल्द सहमति बन सकती है, हालांकि उन्होंने व्यापार समझौते को लेकर कोई तय समय सीमा नहीं जाहिर की है। इस हफ्ते भारत और अमेरिका की व्यापार टीमों के बीच दिल्ली में बैठक हुई। बातचीत दो मुद्दों पर हो रही है। पहला एक बड़े और स्थायी व्यापार समझौते पर और दूसरा अमेरिका की तरफ से भारत पर लगाए गए 50 प्रतिशत टैरिफ को हटाने या कम करने के लिए एक फ्रेमवर्क समझौते पर सहमति। अगर अमेरिका भारत पर लगाया गया 50 टैक्स घटाकर 15 प्रतिशत कर देता है और रूस से तेल खरीदने पर 25 प्रतिशत की पेनाल्टी हटा देता है। तब भारतीय सामान अमेरिका में सस्ता होगा, जिससे वहां हमारा एक्सपोर्ट बढ़ेगा।

भारतीय कंपनियों को फायदा होगा, ज्यादा ऑर्डर मिलने और रोजगार के मौके बढ़ सकते हैं। भारत में डॉलर ज्यादा आएगा, इससे अर्थव्यवस्था मजबूत होगी। वहीं भारत रूस से सस्ता तेल बिना डर के खरीद सकेगा, इससे पेट्रोल-डीजल के दाम काबू में रह सकते हैं। इतना ही नहीं दोनों देशों के रिश्ते और बेहतर होते और आगे बड़ा व्यापार समझौता आसान हो जाएगा।

लेकिन अगर अमेरिका टैरिफ कम नहीं करता और पेनाल्टी भी जारी रखता है। तब भारतीय सामान अमेरिका में महंगे होने वाले हैं। जिससे हमारी बिक्री घट सकती है। कुछ इंडस्ट्री पर दबाव पड़ेगा, मुनाफा घट सकता है और नौकरियों पर असर पड़ सकता है। रूस से तेल खरीदना महंगा या मुश्किल हो जाएगा, जिससे ईंधन के दाम बढ़ सकते हैं।

दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ सकता है और व्यापार समझौते में देरी हो सकती है।

अमेरिका ने भारत पर कुल 50 प्रतिशत टैरिफ लगाया है। इसमें से 25 प्रतिशत को वे 'रेसिप्रोकल (जैसे को तैसा) टैरिफ' कहता है। जबकि 25 प्रतिशत रूसी तेल खरीदने की वजह से लगाया गया है। अमेरिका का कहना है कि इससे रूस को यूक्रेन युद्ध जारी रखने में मदद मिल रही है। भारत का कहना है कि यह पेनाल्टी गलत है और तुरंत हटाया जाना चाहिए।

रिपोर्ट के मुताबिक, भारत का रूसी तेल आयात नवंबर में करीब 17.7 लाख बैरल प्रति दिन था, जो दिसंबर में घटकर लगभग 12 लाख बैरल प्रति दिन रह गया है। आने वाले समय में यह 10 लाख बैरल प्रति दिन से भी नीचे जा सकता है। यूक्रेन युद्ध के बाद भारत रूस का सबसे बड़ा तेल खरीदार बन गया था, जिस पर ट्रम्प प्रशासन ने कई बार सवाल उठाए हैं।

अमेरिकी शेयर बाजार रिकॉर्ड बढ़त के साथ बंद

वाशिंगटन। अमेरिकी शेयर बाजार कुरुवार को तेजी के साथ बंद हुए। डाओ जोंस इंडस्ट्रियल एवरेज 288.75 अंक बढ़कर 48,731.16 पर, एसएंडपी 500 22.26 अंक बढ़कर 6,932.05 पर और नैस्डैक कम्पोजिट 51.46 अंक बढ़कर 23,613.31 पर बंद हुआ। सभी प्रमुख इंडेक्स ने रिकॉर्ड क्लोजिंग हाई दर्ज किया। पिछले हफ्ते की बिकवाली के बाद एआई से जुड़े शेयरों में सुधार देखा गया। महंगे वैल्यूएशन और मुनाफे पर संभावित असर की चिंताओं के कारण पहले गिरावट आई थी। अमेरिकी अर्थव्यवस्था मजबूत बनी हुई है। मार्केट अगले साल फेडरल रिजर्व द्वारा 50 बेसिस पॉइंट की कटौती की उम्मीद कर रहा है। माइक्रोन टेक्नोलॉजी के शेयर 3.8 फीसदी बढ़कर 286.68 डॉलर के रिकॉर्ड लेवल पर बंद हुए।

एविएशन सेक्टर में तीन नई एयरलाइंस की जल्द होगी एंट्री.....मोदी सरकार ने शुरु की तैयारी

शंख एयर, अलहिंद एयर और पलाई एक्सप्रेस को एनओसी जारी किया

नई दिल्ली।

मोदी सरकार ने देश के एविएशन सेक्टर में प्रतिस्पर्धा बढ़ाने और बड़ी एयरलाइनों पर निर्भरता कम करने के मकसद से तीन नई एयरलाइंस को नो ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट (एनओसी) जारी किया है। इन एयरलाइंस के नाम शंख एयर, अलहिंद एयर और पलाई एक्सप्रेस हैं।

यह फैसला तब लिया गया है, जब हाल ही में इंडिगो के ऑपरेशन से जुड़ी दिक्कतें सामने आई थीं। इसके बाद मोदी सरकार को लगा कि भारतीय एविएशन सेक्टर में ज्यादा कंपनियों और विकल्पों की जरूरत है। क्योंकि हवाई यात्रा करने वाले यात्रियों की संख्या में लगातार इजाफा हो रहा है। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू ने कहा कि मोदी सरकार का लक्ष्य भारतीय आसमान में ज्यादा एयरलाइंस को बढ़ावा देना है। केंद्र सरकार का मानना है कि नई एयरलाइंस के आने से यात्रियों को बेहतर सेवा और ज्यादा विकल्प मिलते हैं।

वहीं हवाई इंडस्ट्री के जानकारों का कहना है कि इससे भारतीय एविएशन सेक्टर में नई प्रतिस्पर्धा शुरू होगी। हालांकि, इन नई एयरलाइंस के सामने असली चुनौती अब शुरू होती है। उन्हें पूंजी जुटानी होगी, विमान बेड़े को तैयार करना होगा और मजबूत नेटवर्क खड़ा करना होगा, ताकि वे सही मायनों में उड़ान भर सकें। जानकारों के मुताबिक, अगर ये एयरलाइंस सफल होती हैं, तब इसका सीधा फायदा यात्रियों को मिलेगा।

एनओसी मिलने का मतलब है कि केंद्र सरकार ने इन कंपनियों को एयरलाइन शुरू करने की आगे की प्रक्रिया शुरू करने की अनुमति दे दी है। अब अगला कदम डीजीसीए से एयर ऑपरेटर सर्टिफिकेट (एओसी) लेना होगा। इसके साथ ही इन्हें विमान (फ्लीट), पायलट और स्टाफ, मेंटेनेंस और रूट नेटवर्क से जुड़ी सारी तैयारियां करनी होंगी। यह पूरी प्रक्रिया आमतौर पर कई महीनों तक चलती है। इसी दौरान यह साफ होता है कि कोई एयरलाइन आर्थिक रूप से कितनी मजबूत है और उड़ान संचालन के लिए कितनी तैयार है।

घाटे में चल रही पा किस्तान की सरकारी एयरलाइन बिक गई

नई दिल्ली । पाकिस्तान की सरकारी एयरलाइन (पीआईए) को वहां के एक कारोबारी ने 134 अरब पाकिस्तानी रुपये (4300 करोड़ रुपये) में खरीद लिया है। एयरलाइन लंबे समय से घाटे में थी। आईएमएफ की शर्तों के तहत घाटे वाली सरकारी कंपनियों की बिक्री जरूरी थी। आने वाले समय में और भी सरकारी कंपनियां बेची जा सकती हैं। चालू वित्त वर्ष के पांच महीनों (जुलाई-नवंबर 2025) में पाकिस्तान का कुल कर्ज 3.032 अरब डॉलर तक पहुंच गया, जो पिछले साल इसी अवधि में 2.667 अरब डॉलर था। विदेशी कर्ज 46.2 फीसदी बढ़कर 2.521 अरब डॉलर हुआ, जबकि ग्रांट में 43 फीसदी गिरावट दर्ज की गई। नवंबर में विदेशी सहायता 511 मिलियन डॉलर रही। इस महीने आईएमएफ ने पाकिस्तान को 1.2 अरब डॉलर की नई किश्त मंजूर की, जिससे कुल आईएमएफ सहायता लगभग 3.3 अरब डॉलर होगी।

झारखंड की बंद खदानें बनेंगी हरित निवेश और रोजगार का केंद्र

रांची । झारखंड में बंद और गैर-संचालित कोयला खदानों से 11,000 हेक्टेयर भूमि तुरंत उपलब्ध है। अगले 5-10 वर्षों में लगभग 45,000 हेक्टेयर भूमि का नवीनीकरणीय ऊर्जा, हरित विनिर्माण और लॉजिस्टिक्स जैसे हरित निवेश के लिए उपयोग किया जा सकता है। 16,977 करोड़ रुपये डीएमएफ में उपलब्ध हैं, जिन्हें कोयला-आश्रित जिलों में आजीविका विविधीकरण, कौशल विकास और कल्याणकारी गतिविधियों में निवेश किया जा सकता है। इससे धनबाद, बोकारो और रामगढ़ में रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। राज्य में 77 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता है। पंपटोरिंग सोलर परियोजनाओं और हरित इस्पात उत्पादन से झारखंड हरित विकास में अग्रणी बन सकता है। अगले एक दशक में राज्य के प्रमुख हॉटस्पॉट जिलों में आर्थिक विविधीकरण और सतत विकास को बढ़ावा मिलेगा।

भारत की पारंपरिक चिकित्सा की रोशनी में विश्व-स्वास्थ्य

ललित गर्ग

आज जब वैश्विक आबादी का एक बड़ा हिस्सा, लगभग 4.6 अरब लोग, पर्याप्त स्वास्थ्य सेवाओं से वंचित हैं, तब भारत की पारंपरिक चिकित्सा प्रणालियाँ आशा की किरण बन सकती हैं। ये प्रणालियाँ न केवल रोगों के उपचार में सहायक है, बल्कि रोकथाम और स्वास्थ्य संवर्धन में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। संतुलित आहार, नियमित योगाभ्यास, प्राकृतिक औषधियों और मानसिक अनुशासन के माध्यम से अनेक बीमारियों को प्रारंभिक स्तर पर ही नियंत्रित किया जा सकता है।

आज की दुनिया गहन और बहुआयामी स्वास्थ्य संकटों से गुजर रही है। एक ओर जीवनशैली से जुड़ी बीमारियाँ, मानसिक तनाव, अवसाद, चिंता और असंतुलन तेजी से बढ़ रहे हैं, तो दूसरी ओर संक्रामक रोग, महामारी और पर्यावरणीय विषमताएँ मानव जीवन को निरंतर चुनौती दे रही हैं। इन परिस्थितियों के बीच यह स्पष्ट होता जा रहा है कि केवल आधुनिक एलोपैथिक चिकित्सा के सहारे वैश्विक स्वास्थ्य समस्याओं का संपूर्ण समाधान संभव नहीं है। यही कारण है कि विश्व समुदाय का ध्यान पुनः भारत की पारंपरिक चिकित्सा प्रणालियों की ओर आकर्षित हो रहा है, जिनमें आयुर्वेद, योग, यूनानी, सिद्ध, होम्योपैथी और प्राकृतिक चिकित्सा जैसी पद्धतियाँ शामिल हैं। जिन्हें ह्यआयुषह्व के नाम से जाना जाता है, ये प्रणालियाँ समग्र स्वास्थ्य, प्राकृतिक उपचार और शरीर-मन संतुलन पर ध्यान केंद्रित करती हैं, जिनमें आयुर्वेद सबसे प्राचीन और सुव्यवस्थित प्रणालियों में से एक है, जो अपने दार्शनिक आधार और विविध उपचार विधियों के लिए प्रसिद्ध है। इन चिकित्सा प्रणालियों का आधार केवल रोग का उपचार नहीं, बल्कि शरीर, मन और आत्मा के समन्वय के माध्यम से संपूर्ण स्वास्थ्य की अवधारणा है।

आयुर्वेद शरीर के तीन दोषों (वात, पित्त, कफ) के संतुलन पर केंद्रित; आहार, जीवनशैली, जड़ी-बूटी और पंचकर्म (शुद्धिकरण) जैसी तकनीकों का उपयोग करती है। अष्टांग आयुर्वेद अर्थात कायचिकित्सा (आंतरिक चिकित्सा), शल्य (सर्जरी), कौमारभृत्य (बाल चिकित्सा), भूतविद्या (मनोविज्ञान), अगद तंत्र (विष विज्ञान), रसायन (जराचिकित्सा), वाजीकरण (प्रजनन) और शालक्य (नेत्र/कान/नाक) में विभाजित है। आयुर्वेद की ही भांति योग भी एक पारंपरिक चिकित्सा प्रणाली है जो शारीरिक आसन (आसन), प्राणायाम (सांस लेने के व्यायाम), ध्यान (मेडिटेशन) और नैतिक सिद्धांतों के माध्यम से मन-शरीर के समन्वय पर केंद्रित है। इसी तरह प्राकृतिक चिकित्सा में मिट्टी, पानी, धूप और आहार जैसी प्राकृतिक तरीकों से शरीर की स्व-उपचार क्षमता को बढ़ावा देती है। यूनानी चिकित्सा प्रणाली भी भारत में प्रचलित है, यूनान से आई यह प्रणाली शरीर के चार ह्यमर (रक्त, बलगम, पीला पित्त, काला पित्त) के संतुलन पर जोर देती है और पर्यावरण के प्रभाव को मानती है। सिद्ध चिकित्सा प्रणाली मुख्यतः दक्षिण भारत में प्रचलित है, जिसमें जड़ी-बूटियों और धातुओं से बनी दवाओं का उपयोग और योग व ध्यान पर जोर दिया जाता है। सोवा-रिग्पा पहाड़ों की चिकित्सा प्रणाली है, हिमालयी क्षेत्रों (जैसे लद्दाख, सिक्किम) में प्रचलित है, जिसे ह्यतिब्बती चिकित्साह्व के रूप में भी जाना जाता है। भारत सरकार का आयुष मंत्रालय राष्ट्रीय आयुष मिशन के माध्यम से इन प्रणालियों के विकास, अनुसंधान और मुख्यधारा की स्वास्थ्य सेवा में एकीकरण को बढ़ावा देता है। ये प्रणालियाँ प्राचीन भारतीय ज्ञान पर आधारित हैं और अब वैश्विक स्वास्थ्य मंच पर भी अपनी पहचान बना रही हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत की इन पारंपरिक चिकित्सा को वैश्विक मंच पर प्रतिष्ठा दिलाने में निर्णायक भूमिका निभाई है। उन्होंने इसे केवल सांस्कृतिक धरोहर के रूप में नहीं, बल्कि भविष्य की एक प्रभावी, सुलभ और टिकाऊ स्वास्थ्य व्यवस्था के रूप में प्रस्तुत किया है। उनके नेतृत्व में आयुष मंत्रालय की स्थापना, अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की शुरुआत, विश्व स्वास्थ्य संगठन के साथ पारंपरिक चिकित्सा को लेकर साझेदारी और वैश्विक सम्मेलनों का आयोजन इस दिशा में ठोस कदम हैं। हाल ही में नई दिल्ली में पारंपरिक चिकित्सा पर दूसरा वैश्विक शिखर सम्मेलन इस बात का प्रमाण है कि भारत अब इस क्षेत्र में केवल सहभागी नहीं, बल्कि मार्गदर्शक की भूमिका निभा रहा है। प्रधानमंत्री की ओमान यात्रा के दौरान आयुष और हर्बल उत्पादों के निर्यात में हुई वृद्धि इस परिवर्तनशील परिदृश्य को स्पष्ट रूप से दर्शाती है। 61.1 मिलियन डॉलर से बढ़कर 65.1 मिलियन डॉलर तक पहुँचना केवल आर्थिक आँकड़ा नहीं है, बल्कि यह वैश्विक विश्वास का संकेत है। दुनिया के अनेक देश यह समझने लगे हैं कि भारत की पारंपरिक चिकित्सा प्रणालियाँ न केवल सस्ती और सुलभ हैं, बल्कि दीर्घकालिक स्वास्थ्य लाभ भी प्रदान करती हैं। यह तथ्य और भी महत्वपूर्ण हो जाता है जब विश्व की लगभग एक चौथाई आबादी आर्थिक कारणों से बुनियादी स्वास्थ्य सुविधाओं से वंचित है। ऐसे में पारंपरिक चिकित्सा एक व्यावहारिक विकल्प के रूप में उभरती है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार आज भी दुनिया के लगभग 170 देशों में 40 से 90 प्रतिशत आबादी किसी-न-किसी रूप में पारंपरिक चिकित्सा का उपयोग करती है। यह आँकड़ा इस धारणा को तोड़ता है कि पारंपरिक चिकित्सा केवल विकासशील देशों तक सीमित है। वास्तव में विकसित देशों में भी योग, आयुर्वेदिक उपचार, हर्बल औषधियाँ और प्राकृतिक चिकित्सा के प्रति रुचि लगातार बढ़ रही है। इसका एक बड़ा कारण आधुनिक चिकित्सा से जुड़े दुष्प्रभाव, अत्यधिक दवाओं पर निर्भरता और महँगी उपचार प्रक्रियाएँ हैं। एलोपैथिक चिकित्सा ने जहाँ त्वरित राहत और शल्य चिकित्सा में अद्भुत प्रगति की है, वहीं इसके साथ दवाओं के साइड इफेक्ट, एंटीबायोटिक प्रतिरोध और दीर्घकालिक जटिलताएँ भी जुड़ी हैं। इसके विपरीत भारतीय पारंपरिक चिकित्सा रोग की जड़ तक पहुँचने का प्रयास करती है। आयुर्वेद शरीर की प्रकृति, दोषों के संतुलन और जीवनशैली के सुधार पर बल देता है। योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि मानसिक शांति, एकाग्रता और आत्मिक संतुलन का मार्ग है। इन पद्धतियों का उद्देश्य रोग को दबाना नहीं, बल्कि शरीर की स्वाभाविक उपचार क्षमता को जाग्रत करना है। यही कारण है कि इन्हें अपेक्षाकृत सुरक्षित, कम दुष्प्रभाव वाली और दीर्घकालिक स्वास्थ्य के लिए उपयोगी माना जाता है।

पारंपरिक चिकित्सा के दूसरे वैश्विक शिखर सम्मेलन में भारत ने इस दृष्टिकोण को प्रभावी ढंग से दुनिया के सामने रखा। ब्राजील, संयुक्त अरब अमीरात, मलेशिया, मेक्सिको, नेपाल, श्रीलंका सहित 16 देशों के साथ द्विपक्षीय बैठकों ने यह स्पष्ट कर दिया कि पारंपरिक चिकित्सा अब कूटनीति और वैश्विक सहयोग का भी एक सशक्त माध्यम बन चुकी है। इस अवसर पर प्रधानमंत्री मोदी द्वारा जारी किया गया ह्यआयुष मार्कह्व एक ऐतिहासिक पहल है, जो आयुष उत्पादों और सेवाओं के लिए गुणवत्ता का वैश्विक मानक स्थापित करेगा। इससे न केवल उपभोक्ताओं का विश्वास बढ़ेगा, बल्कि भारतीय उत्पादों की अंतरराष्ट्रीय स्वीकार्यता भी मजबूत होगी। हालांकि यह भी सत्य है कि पारंपरिक चिकित्सा के क्षेत्र में कुछ चुनौतियाँ मौजूद हैं। गुणवत्ता नियंत्रण, मानकीकरण, वैज्ञानिक शोध और प्रमाणिकता के प्रश्न लंबे समय से उठते रहे हैं। कई बार अप्रमाणित दावे और मिलावटी उत्पाद इस पूरी प्रणाली की विश्वसनीयता पर प्रश्नचिह्न लगा देते हैं। किंतु ह्यआयुष मार्कह्व जैसी पहलों और वैज्ञानिक अनुसंधान को बढ़ावा देकर इन चुनौतियों से निपटा जा सकता है। आवश्यकता इस बात की है कि पारंपरिक ज्ञान और आधुनिक विज्ञान के बीच सेतु बनाया जाए, ताकि दोनों की श्रेष्ठताओं का समन्वय हो सके।

आज जब वैश्विक आबादी का एक बड़ा हिस्सा, लगभग 4.6 अरब लोग, पर्याप्त स्वास्थ्य सेवाओं से वंचित हैं, तब भारत की पारंपरिक चिकित्सा प्रणालियाँ आशा की किरण बन सकती हैं। ये प्रणालियाँ न केवल रोगों के उपचार में सहायक हैं, बल्कि रोकथाम और स्वास्थ्य संवर्धन में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। संतुलित आहार, नियमित योगाभ्यास, प्राकृतिक औषधियों और मानसिक अनुशासन के माध्यम से अनेक बीमारियों को प्रारंभिक स्तर पर ही नियंत्रित किया जा सकता है। इस संदर्भ में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का दृष्टिकोण दूरदर्शी कहा जा सकता है। उन्होंने पारंपरिक चिकित्सा को अतीत की विरासत के रूप में नहीं, बल्कि भविष्य की आवश्यकता के रूप में देखा है। वैश्विक मंचों पर भारत की इस चिकित्सा परंपरा को स्थापित करने के उनके प्रयास यह संकेत देते हैं कि आने वाले वर्षों में विश्व स्वास्थ्य व्यवस्था में भारत की भूमिका और भी सशक्त होगी। जब आधुनिक चिकित्सा की सीमाएँ स्पष्ट हो रही हैं और विश्व एक समग्र, सुलभ और मानवीय स्वास्थ्य मॉडल की तलाश में है, तब भारतीय पारंपरिक चिकित्सा न केवल भारत के लिए, बल्कि पूरी मानवता के लिए एक प्रभावी विकल्प के रूप में उभर रही है। यही इसकी सबसे बड़ी उपलब्धि और भविष्य की सबसे बड़ी संभावना है।

संपादकीय

बाजार के विस्तार की उम्मीदें पूरी नहीं हुई

जीएसटी कटौती से एफएमसीजी कंपनियों की बिक्री में अक्टूबर में हुई बढ़ोतरी नवंबर में गायब हो गई। बाजार का दीर्घकालिक रुझान भी जारी रहा है। एसयूवी की बिक्री खूब बढ़ी है, मगर छोटी कारों के मामले में मामूली बढ़ोतरी ही दर्ज हुई।

धूम-धड़ाके से बचत उत्सव मनाने के बाद अब बारी उसकी कीमत चुकाने की है। प्रधानमंत्री ने स्वतंत्रता दिवस को लाल किले से जीएसटी ढांचे में बदलाव का एलान किया था। नवरात्रि के साथ नई दरें लागू हुईं, तो यह धारणा बनाने की कोशिश हुई कि भारतीय बाजार में मांग एवं उपभोग की कमी से उपजी तमाम आर्थिक समस्याओं का अब हल निकल आएगा। यह समाधान कितना हुआ, यह अपने-आप में महत्त्वपूर्ण प्रश्न है। मगर एक सवाल राजकोष पर इसके असर का भी है, जिसकी ओर तब अनेक हलकों से ध्यान दिलाया गया था। अब मुद्दा सामने है। महाराष्ट्र के वित्त मंत्री अजित पवार ने कहा है कि कल्याण योजनाओं पर अधिक खर्च के कारण पहले से ही राजकोषीय दबाव में चल रही राज्य सरकार को जीएसटी दरों में कटौती से सालाना 15 हजार करोड़ रुपये का नुकसान होने जा रहा है। इसकी क्षतिपूर्ति के लिए राज्य सरकार उत्पाद शुल्कों में बदलाव पर विचार कर रही है। यानी जीएसटी में मिली राहत को उत्पाद शुल्क में वृद्धि से वापस लिया जाएगा। या फिर पहले से ही 9.32 लाख करोड़ रुपये के कर्ज बोझ तले दबी राज्य सरकार नए ऋण लेगी। कर्ज का गणित यह है कि उसका ब्याज चुकाना होता है और वह भी करदाताओं की जेब से ही आता है। कर्जदाता मोटी जेब वाली कंपनियां और लोग होते हैं, जबकि ज्यादा बोझ फटी जेब वालों पर पड़ता है।

अब अगर जीएसटी कटौती से हुए फायदों पर ध्यान दें, तो कुछ ताजा आंकड़े इसकी कहानी बता देते हैं। रोजमर्रा की जरूरत के सामान बनाने वाली (एफएमसीजी) कंपनियों की बिक्री दर में अक्टूबर में हुई बढ़ोतरी नवंबर में गायब हो गई। और अक्टूबर की कथा भी यह थी कि बिक्री में बढ़ोतरी बाजार के दीर्घकालिक रुझान के अनुरूप ही रही। मसलन, अक्टूबर- नवंबर के साझा आंकड़ों के मुताबिक कार बाजार में एसयूवी की बिक्री 17 फीसदी बढ़ी, लेकिन छोटी कारों के मामले में यह तीन प्रतिशत ही रही। यानी बाजार के विस्तार की उम्मीदें पूरी नहीं हुई हैं। लाभ धनी लोगों तक सीमित रहा, जबकि अब कीमत चुकाने का ज्यादा बोझ आम लोग उठाएंगे!

चिंतन-मनन

मुक्ति की तलाश

जापान में नानहेन नामक एक परम ज्ञानी फकीर थे। एक दिन एक व्यक्ति उनके पास पहुंचकर बोला, मैं संन्यास लेना चाहता हूं। इसके लिए मैंने अपने घर-परिवार, रिश्ते-नाते सब को तिलांजलि दे दी है। फकीर ने पूछा, क्या तुम बिल्कुल अकेले हो? तुम्हारे साथ वास्तव में कोई नहीं है। व्यक्ति बोला, आप मेरे आगे-पीछे देख लीजिए, आपको कोई नहीं मिलेगा। फकीर बोले, अपनी आंखें बंद करो। अंदर झांककर देखो कि वहां कोई और तो नहीं है? जाओ, कुछ देर के लिए वटवृक्ष की छाया में बैठकर सोचो। थोड़ी देर बाद आना।

वह व्यक्ति वटवृक्ष की छाया में बैठकर ध्यान करने लगा। जब उसने आंखें बंद कीं तो उसे अपने वृद्ध माता-पिता, पत्नी और बच्चों की छवि नजर आने लगी। वह चिंतित हो गया। घबराकर उसने अपनी आंखें खोलीं तो फकीर को अपने पास खड़ा पाया। व्यक्ति ने कहा, मैं तो अपना परिवार, नाते-रिश्ते सब पीछे छोड़ आया था, लेकिन यहां पर आंखें बंद करते ही उनकी छवि सामने घूम रही है। इस पर फकीर बोले, ध्यानमग्न होकर उन व्यक्तियों को अपने दिमाग से निकालने का प्रयत्न करो। कुछ देर बाद मेरे पास आना। दो घंटे बाद युवक ने फकीर का दरवाजा खटखटाया तो फकीर बोले, कौन है? युवक बोला, मैं हूं। फकीर ने कहा, अभी भी तुम अकेले नहीं हो। तुम्हारा मैं तुम्हारे साथ है। अगर तुम इस मैं और भीड़ को छोड़ सको तो फिर यहां आने की जरूरत ही नहीं रह जाएगी। तुम मैं से मुक्ति पा लो तो फिर संन्यास लेने का भी कोई अर्थ नहीं रह जाएगा। व्यक्ति ने फकीर की बात समझ ली।

वीर बालकों की शहादत को सच्ची श्रद्धांजलि है 'वीर बाल दिवस'

योगेश कुमार गोयल

26 दिसम्बर को गुरु गोबिंद सिंह जी के चार छोटे साहिबजादों के बलिदान की याद में 'वीर बाल दिवस' मनाया जाता है। इन वीर बालकों ने छोटी उम्र में ही अपने धर्म के लिए अपनी जान न्यौछावर कर दी थी। वीर बाल दिवस वही दिन है, जब साहिबजादों 9 वर्षीय जोरावर सिंह और 6 वर्षीय फतेह सिंह को मुगलों द्वारा दीवार में जिंदा चुनवा दिया गया था। गुरु गोबिंद सिंह के चारों साहिबजादों ने अन्याय के आगे सिर झुकाने के बजाय अपने देश, अपने धर्म की रक्षा के लिए हंसते-हंसते अपना बलिदान कर अपनी वीरता और अपने आदर्शों से ऐसे उदाहरण प्रस्तुत किए, जो हर किसी के लिए अनुकरणीय हैं।

गुरु गोबिंद सिंह और उनका पूरा परिवार सिख धर्म का प्रतीक था, जिनका एक ही प्रण था कि चाहे कुछ भी हो जाए, वे लोगों को धर्म परिवर्तन नहीं करने देंगे और मुगलों के खिलाफ एकता से लड़ेंगे। इसीलिए मुगलों द्वारा उनके परिवार को धर्म परिवर्तन करने के लिए अनेक कष्ट दिए गए। उनके दो बड़े बेटों अजीत सिंह और जुझार सिंह को उनके सामने ही मार डाला गया और दो छोटे बेटों जोरावर सिंह और फतेह सिंह को जिंदा दीवार में चुनवा दिया गया लेकिन गुरु गोबिंद सिंह ने सिख धर्म छोड़कर मुगल बनना कभी स्वीकार नहीं किया।

मुगल सेना द्वारा अचानक आक्रमण किए जाने पर गुरु गोबिंद सिंह को पूरे परिवार के साथ 20 दिसम्बर 1704 को कड़कड़ाती ठंड में आनंदपुर साहिब किला छोड़ना पड़ा था। किले को छोड़कर जब वे सरसा नदी को पार कर रहे थे तो नदी में पानी के तेज बहाव के कारण उनके परिवार के सदस्य एक-दूसरे से बिछुड़ गए। उनके दोनों बड़े बेटे अजीत सिंह और जुझार सिंह उनके साथ चमकौर पहुंच गए जबकि माता गुजरी तथा दोनों छोटे बेटे जोरावर सिंह और फतेह सिंह अलग हो गए, जिनके साथ गुरु गोबिंद सिंह का निजी सेवक गंगू था। गंगू माता गुजरी और दोनों साहिबजादों को उनके परिवार से मिलाने का भरोसा देकर अपने गांव सहेड़ी ले गया और चंद सोने की मोहरों के लालच में इसकी खबर सरहिंद के नवाब वजीर खान को कर दी, जिसके बाद माता गुजरी और दोनों साहिबजादों को मुगलों द्वारा गिरफ्तार कर लिया।

साहिबजादों को वजीर खान के समक्ष पेश किया गया तो उसने उन्हें सिर झुकाकर खड़ा होने और इस्लाम धर्म अपनाने को कहा लेकिन इतने छोटे होकर भी दोनों ने सिर झुकाने और इस्लाम धर्म अपनाने से इन्कार करते हुए कहा कि हम अकाल पुरख और अपने गुरु पिता के अलावा किसी और के समक्ष सिर नहीं झुकाते। वजीर खां ने दोनों बच्चों को काफी ललचाया, डराया, धमकाया लेकिन वे टस से मस नहीं हुए। आखिरकार क्रूर वजीर खान ने दोनों को दीवार में जिंदा चुनवाने का आदेश दे डाला। जब उन्हें दीवार में चुना जाने लगा तो दोनों साहिबजादे जपुजी साहिब का पाठ करने लगे। 26 दिसम्बर 1705 को फतेह सिंह और जोरावर सिंह को दीवार में जिंदा चुनवा दिया गया और इस प्रकार दोनों साहिबजादों ने अपने धर्म की खातिर हंसते-हंसते अपने प्राणों की आहुति दे दी। दोनों इतने वीर थे कि दीवार पूरी बन जाने के बाद भी अंदर से इनके जयकारा लगाने की आवाजें आती रहीं।

कहा जाता है कि माता गुजरी को भी सरहिंद के किले से धक्का देकर मार डाला गया था। गुरु गोबिंद सिंह को जब इस घटनाक्रम के बारे में पता चला तो उन्होंने अपनी माता और छोटे साहिबजादों की शहादत से दुखी होने और मुगलों के अत्याचारों के समक्ष घुटने टेकने के बजाय औरंगजेब को एक जफरनामा (विजय पत्र) लिखा, जिसमें उन्होंने औरंगजेब को स्पष्ट चेतावनी दी कि तुम्हारे साम्राज्य को समाप्त करने के लिए खालसा पंथ तैयार हो चुका है। गुरु गोबिंद सिंह के सबसे बड़े बेटे थे अजीत सिंह, जिन्होंने चमकौर के युद्ध में केवल 17 साल की आयु में ही मुगल फौज के छक्के छुड़ा दिए थे। तीर खत्म होने पर उन्होंने तलवार निकालकर दुश्मनों से युद्ध किया लेकिन युद्ध के दौरान तलवार टूट जाने पर वे वीरगति को प्राप्त हुए। उनकी शहादत के बाद गुरु जी के दूसरे बेटे जुझार सिंह ने रणभूमि में मोर्चा संभाला और अद्भुत वीरता का प्रदर्शन करते हुए वीरगति को प्राप्त हुए। खेलने-कूदने की छोटी सी उम्र में गुरु गोबिंद सिंह के साहिबजादों का बलिदान आज की युवा पीढ़ी को अपने देश और धर्म से प्रेम करने और इनकी रक्षा के लिए कुछ भी कर गुजरने को तत्पर रहने का संदेश देता है।

हिजाब विवाद : क्रिया से खतरनाक प्रतिक्रिया

निर्मल रानी

देश में पिछले दिनों उस समय हिजाब को लेकर फिर एक बहस छिड़ गयी जबकि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने गत 15 दिसंबर को पटना में एक सरकारी कार्यक्रम में नव नियुक्त आयुष डॉक्टरों को नियुक्ति पत्र वितरित करते समय एक मुस्लिम महिला डॉक्टर नुसरत परवीन जोकि चेहरा ढकने वाला हिजाब पहने हुई थीं, का हिजाब सार्वजनिक मंच से उसके चेहरे से खींच कर उतारने की कोशिश की। उस समय डॉक्टर नुसरत परवीन स्टेज पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के हाथों नियुक्ति पत्र ग्रहण करने हेतु आमंत्रित की गयी थीं। इस घटना ने वहां मौजूद सभी लोगों को स्तब्ध कर दिया। इस घटना से संबंधित वायरल वीडीओ में देखा जा सकता है कि घटना के समय जहाँ डॉक्टर नुसरत असहज दिखीं वहीं उसी मंच पर मौजूद बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी भी न केवल घटना से हतप्रभ नजर आये बल्कि उन्होंने नीतीश की ओर हाथ बढ़ाते हुये उन्हें हिजाब खींचने से रोकने की कोशिश भी की। जबकि उसी मंच पर मौजूद कुछ लोग हंसते हुये भी दिखायी दिये। इस घटना से एक बात तो साबित हो ही गयी कि नितीश कुमार जैसे अनुभवी राजनेता लगभग 75 वर्ष की आयु तक पहुँचने के बाद अपना मानसिक संतुलन खो चुके हैं। इसी वजह से वे पहले भी महिलाओं को लेकर की गयी एक अत्यंत अभद्र टिप्पणी के लिये आलोचना का पात्र बन चुके हैं। कभी सार्वजनिक मंचों पर उनकी बेतुकी बातें व उनकी असामान्य हरकतें भी यही संकेत देती कि अब वे उम्र के उस पड़ाव पर पहुंच चुके हैं जहां उन्हें सार्वजनिक सक्रिय राजनैतिक जीवन से सन्यास ले लेना चाहिये।

परन्तु इस घटना के बाद जिस तरह से इसे परिभाषित करने की कोशिश की गयी वह और भी हैरान करने वाली बात थी। हिजाब खींचने की बहस को नितीश कुमार की मनोदशा से जोड़कर देखने के बजाये हिजाब धारण करने न करने को लेकर ही बहस छिड़ गयी। इस्लाम व मुस्लिम विरोध की राजनीति पर अपनी दुकानें चलाने वाले कुछ नेता तो बेशर्मी की सभी हदें पार करते हुये नितीश कुमार के बचाव में उतर आये। कांग्रेस, आर जे डी व अन्य कई विपक्षी दलों ने इसे महिलाओं और मुस्लिम समुदाय का अपमान बताया। किसी ने नितीश से मुआफी की मांग की तो किसी ने इस्तीफा मांगा। जबकि कुछ ने नीतीश की मानसिक स्थिति पर भी सवाल उठाए। परन्तु इस विषय पर सबसे घटिया, ओछी, अपमानजनक प्रतिक्रिया देने वाले दो नेता ऐसे भी हैं जो केंद्र व उत्तर प्रदेश सरकार के मंत्री जैसे संवैधानिक पदों पर बैठकर इस मुद्दे पर जहर उगल रहे हैं तथा अपनी अशिष्ट शब्दावली से देश की संवैधानिक मर्यादाओं का मजाक उड़ा रहे हैं। इनमें नितीश कुमार के हिजाब विवाद पर अपनी पहली प्रतिक्रिया संसद भवन में देने वाले केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने नीतीश कुमार का खुलकर बचाव करते हुये कहा कि नितीश ने कुछ भी गलत नहीं किया है। नियुक्ति पत्र लेने आए व्यक्ति को चेहरा दिखाना चाहिए। क्या भारत कोई इस्लामिक देश है? एयरपोर्ट, पासपोर्ट या वोटिंग के समय चेहरा दिखाना पड़ता है, तो यहां क्यों नहीं? जब उनसे सवाल किया गया कि खबर है कि महिला डॉक्टर नुसरत परवीन के नौकरी छोड़ने की खबर है इस पर गिरिराज सिंह गुस्से में यह कहते सुनाई दिये कि नौकरी करे या जहन्नुम में जाए। उनका यह बयान सबसे ज्यादा विवादित रहा और इसे सांप्रदायिक व अपमानजनक बयान के रूप में देखा गया।

ऐसा ही निम्नस्तरीय बयान उत्तर प्रदेश सरकार में मत्स्य पालन मंत्री संजय निषाद द्वारा दिया गया। उन्होंने भी नीतीश कुमार का समर्थन करते हुये कहा कि अरे वो भी तो आदमी हैं न... नकाब छू दिया तो इतना बवाल? कहीं और छू देते तो क्या हो जाता? संजय निषाद के इस बयान को भी महिला गरिमा को आहत करने की नजरों से देखा गया। जे डी यू के नेता व बिहार के अल्पसंख्यक मंत्री जमा खान ने नितीश के प्रति अपनी वफादारी का सुबूत देते हुये यह कहा कि वह पिता जैसा स्नेह था। तो कुछ मुस्लिम व महिला संगठनों द्वारा इस मामले में एक आई आर दर्ज कराने व कई जगह नितीश के विरुद्ध प्रदर्शन करने व उनका पुतला जलाने की भी खबरें हैं। परन्तु सबसे बड़ी चिंता का विषय तो यही है कि इस घटना को लेकर नितीश के मानसिक स्वास्थ पर चर्चा होने के बजाये जिसतरह हिजाब पर ही बहस छेड़ दी गयी और वह भी अपने कुतर्कों के द्वारा, इससे यह साबित होता है कि साम्प्रदायिकता की राजनीति करने वाले मुस्लिम विरोध या इस्लामी प्रतीकों के विरोध का कोई भी अवसर गंवाना नहीं चाहते। अन्यथा किसी केंद्रीय मंत्री के इस बेहूदे कुतर्क का क्या अर्थ कि एयरपोर्ट, पासपोर्ट या वोटिंग के समय चेहरा दिखाना पड़ता है, तो यहां क्यों नहीं? संविधान की शपथ लेने वाले इस केंद्रीय मंत्री गिरिराज को पता नहीं कि एयरपोर्ट, पासपोर्ट या वोटिंग के समय महिला सुरक्षा कर्मियों द्वारा किसी महिला की स्वेच्छा से उसके अपने हाथों से हिजाब या पर्दा हटाने को कहा जाता है न कि नितीश कुमार की तरह बदतमीजी से किसी के चेहरे से हिजाब खींचा जाता है? ऊपर से पीड़िता को ही यह कहना कि वह नौकरी करे या जहन्नुम में जाए, इस तरह की शब्दावली देश का एक केंद्रीय मंत्री इस्तेमाल कर रहा है?

बुर्का पर्दा या हिजाब को लेकर खुद विश्व मुस्लिम जगत में ही बड़ा घमासान है। दुनिया के कई अलग अलग इस्लामी देश अलग अलग तरह के परदे या हिजाब की पैरवी करते रहे हैं। जबकि विश्व का एक बड़ा उदारवादी व प्रगतिशील वर्ग ऐसा भी है जो इस तरह की बंदिशों को गैर जरूरी समझता है। कोई इसे इस्लामिक व शरिया से जुड़ी व्यवस्था बताता है तो कोई इसे सामाजिक या भौगोलिक जरूरतों का हिस्सा बताता है। कई महिलायें स्वयं इसका विरोध करती हैं तो कई इसे अपनी इस्मत से जोड़कर देखती हैं। परन्तु यहाँ बहस इन विषयों पर नहीं होनी चाहिये बल्कि बहस का विषय नितीश कुमार द्वारा हिजाब को लेकर की गयी उनकी अभद्र क्रिया होनी चाहिये। और इस क्रिया से भी खतरनाक उन प्रतिक्रियाओं पर चर्चा होनी चाहिये जोकि उच्च संवैधानिक पदों पर बैठे मंत्री स्तर के लोगों द्वारा व्यक्त की गयी हैं।

Printed and Published by Manish KUMAR KASHYAP,Run by Vananchal Media & Wefare Trust, behalf of Palace of Publication,BALIHARI ROAD, NEAR - KALYAN BHAWAN NEW AREA MORABADI RANCHI- 834008,Ranchi- Jharkhand, and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222,Jharkhand And Published at Palace of Publication,Ranchi- Jharkhand,, **PRGI. NO,JHAHIN/2023/88773** Editor- Editor SHAHOOD ALAM. Email:vananchaleye@gmail.com

कियारा आडवाणी ने टॉक्सिक में अपनी भूमिका के बारे में किया खुलासा

बॉलीवुड एक्ट्रेस कियारा आडवाणी ने हाल ही में अपनी आने वाली फिल्म टॉक्सिक- ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स के लिए एक पोस्ट शेयर किया। इसमें उन्होंने अपनी भूमिका को बहुत खास बताया।

टॉक्सिक में रोल को लेकर कियारा का खुलासा

फिल्म टॉक्सिक में नादिया का रोल निभा रही कियारा आडवाणी ने एक्स पर एक नोट लिखा, यह रोल मुझसे शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक रूप से बहुत कुछ मांगता था। मेरे लिए यह पूरी तरह बदलाव लाने वाला अनुभव रहा। अब तक का मेरा सबसे मुश्किल रोल। महीनों की मेहनत। एक निडर छलांग। इस फर्स्ट लुक को इतना प्यार मिलना मेरे लिए सबकुछ है। मैं शब्दों से ज्यादा आभारी हूं।

फिल्म निर्माताओं का पोस्ट

हाल ही में फिल्म के निर्माताओं ने कियारा का फर्स्ट लुक जारी किया था। इसमें कियारा को स्टाइलिश गाउन में दिखाया गया, जो फर्श तक लंबी और ऊंची स्लिट वाली है। वह चमकदार स्टेज पर आत्मविश्वास से खड़ी नजर आई। बैकग्राउंड में सर्कस जैसा माहौल दिखा। उनके चेहरे पर ग्लैमर के साथ दुख और उदासी के भाव नजर आए।

फिल्म टॉक्सिक के बारे में

यश की मुख्य भूमिका वाली यह फिल्म 19 मार्च 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इसे गीतू मोहनदास ने निर्देशित किया है। प्रोडक्शन वीएन प्रोडक्शंस और मॉन्स्टर माइंड क्रिएशन्स ने किया है। यह कन्नड़ और अंग्रेजी भाषाओं में रिलीज होगी। बाद में इसे हिंदी, तमिल, तेलुगु और मलयालम में डब किया जाएगा। यह कन्नड़ सुपरस्टार यश की सुपरहिट फिल्म केजीएफ चैप्टर 2 (2022) के बाद पहली फिल्म है। कियारा को हाल ही में वॉर 2 में देखा गया था, जिसमें ऋतिक रोशन और जूनियर एनटीआर मुख्य भूमिका में थे।

राशा थडानी से अहान पांडे तक
इस साल इन स्टार किड्स ने किया डेब्यू

इस साल कई नए सितारों ने सिनेमा की दुनिया में कदम रखे। चर्चित सितारों के बच्चों के डेब्यू ने भी दर्शकों का ध्यान खींचा। जनवरी में फिल्म आजाद की रिलीज के साथ ही यह सिलसिला शुरू हो गया था और सालभर चला। मगर, बॉक्स ऑफिस पर कौन अपना दम दिखा पाया?

राशा थडानी

इस साल जनवरी में रिलीज हुई फिल्म आजाद के जरिए रवीना टंडन की बेटी राशा थडानी ने इंडस्ट्री में कदम रखे। सिर्फ उन्होंने ही नहीं, बल्कि उनके साथ अजय देवगन के भांजे अमन देवगन ने भी डेब्यू किया। मगर, यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर खास नहीं रही। हालांकि, राशा ने अपने आइटम नंबर ऊई अम्मा से जरूर सुर्खियां बटोरीं।

इब्राहिम अली खान

सैफ अली खान और अमृता सिंह की बेटी सारा अली खान जहां बॉलीवुड में स्थापित हो चुकी हैं, वहीं इस साल उनके बेटे इब्राहिम अली खान ने फिल्म नादानियां से डेब्यू किया था। हालांकि, इब्राहिम का यह ओटीटी डेब्यू था। मगर फिल्म को काफी नेगेटिव रिव्यू मिले।

आर्यन खान

बॉलीवुड के किंग शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान ने भी इस साल डेब्यू किया। हालांकि, उन्होंने प्लेटफॉर्म ओटीटी चुना। उन्होंने सीरीज द बैड्स ऑफ बॉलीवुड के जरिए बतौर निर्देशक डेब्यू किया। उन्हें काफी अच्छी प्रतिक्रिया मिली। आर्यन दर्शकों का दिल जीतने में कामयाब रहे।

अहान पांडे

इस साल का सबसे धमाकेदार डेब्यू अहान पांडे ने किया। एक्टर चंकी पांडे के भतीजे ने फिल्म सैयारा के जरिए धूम मचा दी। बता दें कि फिल्म की लीड एक्ट्रेस अनीत पड्डा की भी बतौर मुख्य कलाकार यह पहली फिल्म थी। बॉक्स ऑफिस पर सैयारा छा गई और 300 करोड़ी क्लब में एंट्री ली।

शनाया कपूर

एक्टर संजय कपूर की बिटिया शनाया कपूर ने भी इसी साल अभिनय की दुनिया में बोहनी की। उन्होंने फिल्म आंखों की गुस्ताखियां से डेब्यू किया। इसमें वे विक्रांत मैसी के अपोजिट नजर आईं। मगर, कमाई के मामले में फिल्म फ्लॉप साबित रही।

खुशी कपूर और जुनैद खान

फिल्म लवयापा के जरिए आमिर खान के बेटे जुनैद खान और श्रीदेवी की छोटी बेटी खुशी कपूर ने बड़े पर्दे पर डेब्यू किया। इससे पहले जुनैद ओटीटी पर फिल्म महाराज में नजर आए थे और उनके अभिनय की खूब तारीफ हुई थी। वहीं, खुशी कपूर ओटीटी पर आई फिल्म द आर्चीज में नजर आ चुकी थीं। बड़े पर्दे पर रिलीज हुई दोनों सितारों की पहली फिल्म लवयापा फ्लॉप रही।

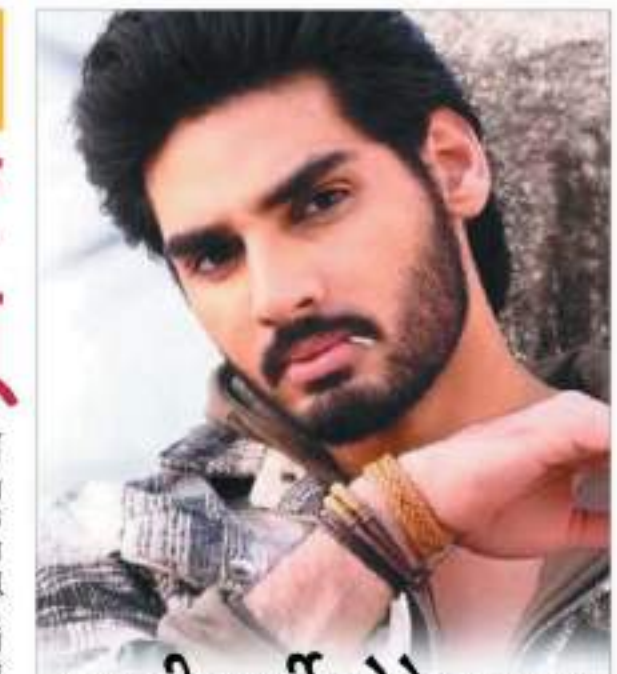

असली आर्मी लोकेशन पर शूटिंग करना नहीं था आसान

हिंदी सिनेमा के लिए फैंस के लिए नए साल की शुरुआत देशभक्ति से भरी फिल्म बॉर्डर 2 से होने वाली है, जिसमें सनी देओल, दिलजीत सिंह दोसांझ, वरुण धवन और अहान शेट्टी सैनिक के किरदार में दिखने वाले हैं। ये फिल्म अहान शेट्टी के लिए बेहद खास है क्योंकि पहली फिल्म तड़प के सुपरफ्लॉप होने के बाद अब बॉर्डर 2 उनके करियर के लिए अहम है। फिल्म में अभिनेता ने नेवी अफसर का रोल प्ले किया है और अब उन्होंने आईएएनएस से खास बातचीत में अपने किरदार और फिल्म की शूटिंग के किस्सों को शेयर किया है। कड़ी मिलिट्री ट्रेनिंग और मुश्किल एक्शन सीक्वेंस के लिए अहान ने बहुत मेहनत की। उन्होंने बताया कि ट्रेनिंग वहां हुई, जहां असली सैनिक ट्रेनिंग लेते हैं। अहान ने कहा कि फिल्म की शूटिंग एनडीए खड़कवासला में हुई और इसका मकसद सिर्फ असली विजुअल्स कैप्चर करना नहीं था बल्कि उस माहौल को सीखना था, जिसने मेरे किरदार को पूरी तरह बदल दिया। आप वहां ट्रेनिंग ले रहे होते हैं जहां असली ऑफिसर ट्रेनिंग लेते हैं। वह माहौल आपको कुछ भी गलत करने नहीं देता, बल्कि आपकी बॉडी, आपका पोस्चर और बात करने का तरीका वहां के हिसाब से ढल जाता है। शूटिंग का अनुभव शेयर करते हुए उन्होंने कहा कि शूटिंग की लोकेशन बदलने लगी लेकिन मेरा रूटीन पहले जैसा रहा। वही स्ट्रेच ट्रेनिंग सेशन, एजिलिटी, कार्डियो, आइस बाथ, स्टीम, सौना और रेड लाइट थेरेपी रोजाना का रूटीन बन गया। आराम के लिए समय नहीं था क्योंकि ट्रेनिंग नहीं छोड़ सकते थे और रोजाना युद्ध वाले सीन शूट करने होते थे, तो आराम का समय नहीं होता है। लगता था कि अब बस अच्छा परफॉर्म करना है। असली मिलिट्री जगहों पर शूटिंग करने में अहान को काफी चुनौतियों का सामना करना पड़ा था। उन्होंने बताया कि 40 डिग्री के तापमान में युद्ध के सीन को शूट किया और 12 घंटों की शूटिंग के दौरान टेक्निकल गियर पहनकर काम करना होता था। बता दें कि बॉर्डर 2 में अहान शेट्टी एक नेवी ऑफिसर का रोल प्ले करने वाले हैं। ये फिल्म और किरदार दोनों ही उनके लिए खास हैं क्योंकि उनके पिता सुनील शेट्टी ने भी फिल्म बॉर्डर में सीमा पर तैनात सैनिक भैरव सिंह का रोल प्ले किया था। फिल्म में उनके जोश और किरदार को खूब पसंद किया गया था, लेकिन अब देखना होगा कि दर्शक उनके बेटे अहान को कितना प्यार देते हैं।

इक्कीस ने मुझे बदल दिया
अगस्त्य नंदा ने सुनाए शूटिंग के किस्से

फिल्म ' इक्कीस' की रिलीज से फिल्म के मुख्य अभिनेता अगस्त्य नंदा ने फिल्म को लेकर बात की। मीडिया से बातचीत में अगस्त्य ने फिल्म से जुड़े अपने अनुभव, डर, सीख और निजी यादों को खुलकर साझा किया। इस दौरान एक्टर ने धर्मेंद्र के साथ पहली मुलाकात से लेकर शूटिंग के दौरान उठाए गए जोखिम, अपने चार साल के सफर और परिवार से मिली सीख तक के बारे में बताया। अभिनेता ने कहा कि यह फिल्म उनके लिए सिर्फ एक प्रोजेक्ट नहीं बल्कि एक गहरा और निजी अनुभव रही है।

ऐसे हुई धर्मेंद्र के साथ पहली मुलाकात

दिवंगत अभिनेता धर्मेंद्र से अपनी पहली मुलाकात को याद करते हुए अगस्त्य ने बताया कि जब मैंने यह फिल्म साइन की थी, उसी दिन धर्मेंद्र जी का जन्मदिन था। मुझे लगा कि खुद को उनसे मिलवाने का सबसे सही तरीका यही होगा कि जाकर उनका आशीर्वाद लिया जाए। उस दिन श्रीराम सर, दिनेश सर, बिनी और मैं उनसे मिलने गए थे। सच कहूं तो मैं बहुत नर्वस था, क्योंकि मुझे समझ नहीं आ रहा था कि उनसे क्या कहूं और कैसे बात करूं। लेकिन वह बेहद गर्मजोशी से मिले। उन्होंने मुझे आशीर्वाद दिया और वह पल मेरे साथ हमेशा के लिए जुड़ गया।

फिल्म के दौरान काफी कुछ सीखने को मिला

फिल्म 'इक्कीस' के सफर के बारे में अगस्त्य ने कहा कि सच कहूं तो इस फिल्म की शुरुआत करने को लेकर आज जब पीछे मुड़कर देखता हूं, तो मैं खुद को एक बिल्कुल अलग इंसान महसूस करता हूं। जब मैंने यह फिल्म शुरू की थी, तब मैं सिर्फ 21 साल का था और आज मैं 25 का हूं। उस वक्त मुझे बिल्कुल अंदाजा नहीं था कि मैं इतना कुछ सीखूंगा या इतने शानदार लोगों के साथ काम करने का मौका मिलेगा। यह फिल्म मेरे लिए सच में एक मजबूत नींव बन गई है। ऐसी नींव, जिसे मैं आगे हर फिल्म में अपने साथ लेकर जाऊंगा। चाहे वह अभिनय से जुड़ा हो या फिर सेट पर रहने के नजरिए से। दिनेश सर से जो मार्गदर्शन मुझे मिला, वह मेरे लिए बहुत मायने रखता है।

जोखिम भरी रही फिल्म की शूटिंग

फिल्म की शूटिंग से जुड़े अनुभवों को साझा करते हुए नवोदित कलाकार ने कहा कि शूटिंग के दौरान कई ऐसे पल आए जब सच में लगता था कि कुछ भी हो सकता है। हमने ये टैंक खुद बनाए थे, इसलिए वे काम करने के लिहाज से पूरी तरह सुरक्षित नहीं थे। फिल्म के दूसरे हिस्से में कुछ एक्शन सीन बहुत जोखिम भरे हैं। हमने ऐसे मूवमेंट किए जो असली टैंक करते हैं। हमने काफी रिहर्सल की थी, लेकिन फिर भी डर बना रहता था। खासकर तब, जब टैंक 20 या 30 फीट की ऊंचाई पर मुड़ता था। उस वक्त सच में डर लगता था कि कहीं वह पलट न जाए। इसके अलावा धमाके हो रहे थे। हर चीज की टाइमिंग बिल्कुल सही होनी थी और टैंक को ठीक उसी पल रुकना था। यह सब आसान नहीं था। शुक्र है कि कुछ गलत नहीं हुआ।

बच्चों से कुछ न छुपाएं, वे हर चीज खुलकर देख-पढ़ रहे हैं

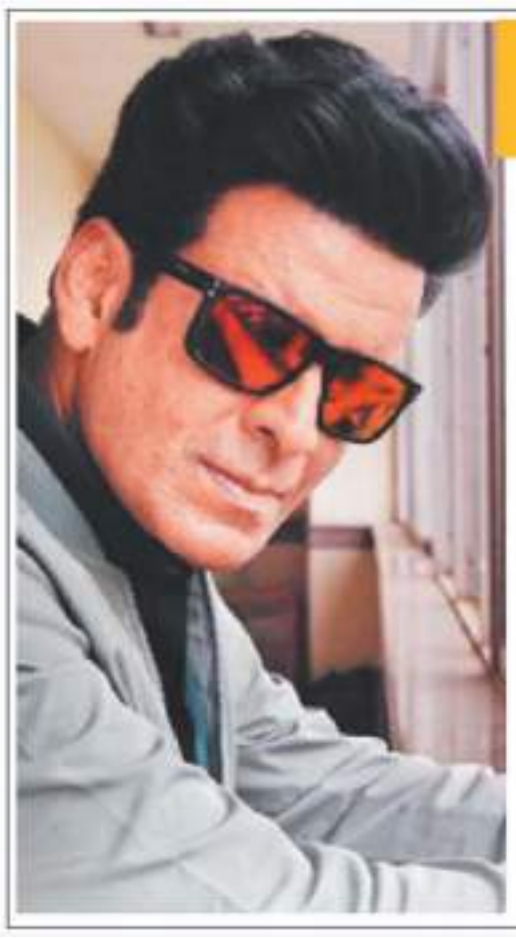

मुंबई का किंग कौन यह डायलॉग बोलने वाले एक्टर मनोज बाजपेयी अनेक बार साबित कर चुके हैं कि वह अभिनय के मामले में किंग हैं। उन्हें 4 बार राष्ट्रीय पुरस्कारों से नवाजा गया है। अब यह कद्दावर अभिनेता अपने 30 साल के सफर में फिल्मों की सेंचुरी लगा चुका है। इस मुलाकात में वह अपने करियर, पैरेंटिंग और जिंदगी के सबक की गिरहें खोलने में जरा भी नहीं हिचकिचाते।

सोशल मीडिया से आजकल हर माता-पिता झपरेशान हैं। पैरेंटिंग पर आपकी राय क्या है?

आप जहां भी जाएंगे, सोशल मीडिया आपके पीछे-पीछे आएगा। यह आपको नहीं छोड़ने वाला तो इसे हैंडल करना होगा। जैसे मेरी बेटी आवा हॉस्टल में रहती है। वहां वह मॉनिटरिंग में रहती है, लेकिन जब वह घर आती है तो उसकी मां उसे फोन दे देती है। मैं यही कहूंगा कि बैन मत करिए, नजर रखिए। जितना आप उन पर रोक-टोक लगाएंगे, उतना वे आपसे छुपाते जाएंगे। पैरेंटिंग का जो सिद्धांत है, वह शबाना (पत्नी) बहुत अच्छे-से जानती हैं और समझाती हैं। आवा अपनी मां से कोई बात छुपाती नहीं। आवा कोई बात बाहर किसी दूसरे से सुने और असमंजस में पड़े, इससे पहले ही उसकी मां वे तमाम बातें उसे बता चुकी होती है। बच्चों के साथ आपको खुलकर बात करनी पड़ेगी। इस समझदारी के साथ पैरेंटिंग के अलावा लगातार मॉनिटरिंग की भी जरूरत होती है। बच्चे का दिमाग जब तक विकसित नहीं होता, तब तक उसे संभाल कर रखना माता-पिता की जिम्मेदारी है। मगर बच्चे से चीजें छुपाए नहीं। उसे हर चीज के बारे में बताएं क्योंकि वे हर चीज देख-सुन और पढ़ रहे हैं। आवा किसी से कुछ भी छुपा ले, मगर मां से कुछ नहीं छुपाती।

क्या आप अपनी वेब सीरीज के टाइटल की तरह असल जिंदगी में भी फैमिली मैन हैं?

यह जोर से मत कहिए! मेरी पत्नी ने सुन लिया तो आपको तुरंत बता देंगी कि यह बिलकुल गलत बात है। मैं शूटिंग पर रहता हूं तो मुझसे शिकायतों का सिलसिला चलता रहता है। पर हां, जब काम नहीं कर रहा होता तो पूरा समय घर पर बिताता हूं। तब 10-15 दिन बाद ही मेरी पत्नी और बेटी कहने लगती हैं कि अब आप शूटिंग पर कब जाओगे? घर पर रहकर बहुत तंग करते हैं। मुझे परिवार के साथ रहना बहुत अच्छा लगता है। परिवार जानता है कि मुझे काम से कितना प्रेम है। उम्र के साथ शरीर थोड़ा साथ नहीं देता, मगर शूटिंग करने में अब भी उतनी ही खुशी मिलती है। हां, शूटिंग के बाद परिवार संग रहना जरूरी है। मैं कहीं विदेश में शूटिंग करूं और परिवार साथ न हो तो मुझे यही बुरा लगता है कि वे इस नए देश को मेरे साथ अनुभव नहीं कर पा रहे। मैं ऐसा ही इंसान हूं, मगर कमियां बहुत हैं, जो मेरी पत्नी बेहतर बताएगी।

30 साल के सफर को पलट कर देखते हैं तो कैसा लगता है?

मैं पीछे मुड़कर देखता ही नहीं। यह मेरे लिए हमेशा मुश्किल रहा है। मेरा स्वभाव ही ऐसा है कि बीती बातों में नहीं उलझता क्योंकि वहां अब कुछ नया मिलने वाला नहीं होता। समय बदला, चीजें बदलीं, समाज बदला और इंडस्ट्री भी लगातार बदलती गई। अब हम जिस रफ्तार से आ रहा है, वह बहुत कुछ बदल रहा है और बदलेगा भी। मेरी एक आदत रही है, बदलते वक्त के साथ खुद को बदलना। बदलाव के साथ तालमेल बैठाकर आगे बढ़ना और अच्छा काम करना- यही मुझे आता है और यही मैं करता आया हूं। उसी में बेहतर करने की कोशिश करता हूं ताकि नई पीढ़ी के साथ कदमताल बनी रहे। अगर किसी चीज में मैं बुरा हूं और मुझे कोई चीज नहीं आती तो मैं उसके लिए किसी को हायर कर लेता हूं। इसके पीछे मेरी सोच यही होती है कि मेरा काम होता रहे और मैं अभिनय करता रहूं।

किस चीज को खोने का दुख सताता है?

अगर इमोशनल तौर पर सोचूं तो मैंने क्या खोया? मैंने खोया है, माता-पिता का साथ। मैं 9 साल की उम्र में हॉस्टल चला गया था और तब से उनके साथ रह ही नहीं पाया। फिर दिल्ली चला गया जबकि वे गांव में थे। जब वे दिल्ली आए, तब तक मैं मुंबई आ चुका था। उनके अंतिम दिनों में जो साथ और जिम्मेदारी मेरे भाई-बहनों ने निभाई, वह मेरा हिस्सा ही नहीं बन सका। मैं उनसे दूर था। आप ऐसी यात्रा पर निकलते हैं तो इस तरह के त्याग के लिए तैयार रहना पड़ेगा। आपको बहुत कुछ खोना पड़ेगा।

आपके जिंदगी के सबक क्या हैं?

मुझे लगता है कि किसी दूसरे को अपनी जिंदगी का निर्धारण न करने दें और न ही उससे प्रभावित होइए क्योंकि आपको लेकर उनकी राय लगातार बदलती रहती है। आपको खुद के और आपके आसपास के लोगों के अलावा कोई नहीं जानता। यही वजह है कि मैं हर अभिनेता से यह कहता हूं कि शुक्रवार से डरो मत। अगर एक शुक्रवार बुरा गया है तो अगला अच्छा जाएगा और फिर आपके बारे में उनकी राय बदल जाएगी। लोगों की राय कभी भी एक जैसी नहीं रहती। इसलिए लोगों की राय पर अपना जीवन न चलाएं। जो मन में हो वही करें, पर यह जरूर देखें कि उससे किसी दूसरे को तकलीफ न हो ।

बॉक्सिंग डे टेस्ट में जीत का सिलसिला बनाये रखने उतरेगी ऑस्ट्रेलियाई टीम

मेलबर्न (एजेंसी)। स्टीव स्मिथ की कप्तानी में ऑस्ट्रेलियाई टीम गुरुवार से यहां इंग्लैंड के खिलाफ एशेज सीरीज के बॉक्सिंग डे टेस्ट में उतरेगी। ऑस्ट्रेलियाई टीम ने पहले ही पांच मैचों की सीरीज 3-0 से जीत ली है। ऐसे में उसका मनोबल बढ़ा हुआ है जिससे वह इस चौथे टेस्ट मैच में भी जीत की प्रबल दावेदार है। इस मैच में नियमित कप्तान पैट कमिंस और स्पिनर नाथन लियोन नहीं खेल रहे। कमिंस को कार्यभार प्रबंधन के तहत आराम दिया गया है। वहीं लियोन चोटिल होने के कारण बाहर हैं। ऐसे में ऑस्ट्रेलिया बिना किसी मुख्य स्पिनर के पूरी तरह तेज गेंदबाजों के भरोसे उतरेगी। बॉक्सिंग डे टेस्ट में नाथन लियोन की जगह टॉड मर्फी को अवसर मिलता है या नहीं ये देखना होगा। माइकल नीसर, ब्रेंडन डॉगेट और जे रिचर्डसन में से किसी दो अंतिम एकादश में जगह मिलना तय है। अगर रिचर्डसन को मौका मिलता है, तो यह एशेज 2021-22 के बाद उनका पहला टेस्ट होगा। वहीं नीसर के लिए यह उनका पहला 'रेड-बॉल टेस्ट' होगा। अब तक उन्होंने जो तीन टेस्ट मैच खेले हैं, सभी पिंक-बॉल टेस्ट रहे हैं। इस बीच कैमरन ग्रीन को बल्ले से खराब दौर के बीच बल्लेबाजी क्रम में नीचे 7 पर उतारा जाएगा। उस्मान ख्वाजा नंबर 5 पर बल्लेबाजी करेंगे और फॉर्म में चल रहे एलेक्स कैरी नंबर 6 पर बने रहेंगे। वहीं दूसरी ओर मेहमान टीम इंग्लैंड तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर के बिना उतरेगी। आर्चर चोटिल होने के कारण बाहर हो गये हैं। के लिए अब भी कोई जगह नहीं मिली है। उनकी जगह पर गस एटकिंसन को शामिल किया गया है। विशेषज्ञ स्पिनर शोएब बशीर को इस बार भी टीम में जगह नहीं मिली है। इंग्लैंड को इस मैच में जीत दर्ज करनी है तो बेहतर बल्लेबाजी और गेंदबाजी करनी होगी। अनुभवी बल्लेबाज जो रूट को बड़ी पारी खेलनी होगी।

बेन डकेट से भी बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद रहेगी। इस मैच में ओली पोप की जगह पर जैकब बेथेल को नंबर 3 पर बल्लेबाजी के लिए शामिल किया गया है। टीम की बल्लेबाजी रूट के अलावा जैक क्रॉली व हैरी ब्रूक पर भी आधारित रहेगी। जहां तक पिच की बात है मेलबर्न की इस पिच से तेज गेंदबाजों को अच्छी सहायता मिलने की संभावना है।

टीम इस प्रकार है

ऑस्ट्रेलिया: स्टीव स्मिथ (कप्तान), जेक वेदराल्ड, ट्रैविस हेड, मार्नस लाबुशेन, उस्मान ख्वाजा, एलेक्स कैरी (विकेटकीपर), कैमरन ग्रीन, माइकल नीसर, मिचेल स्टार्क, ब्रेंडन डॉगेट/जे रिचर्डसन, स्कॉट बोलैंड

इंग्लैंड: बेन स्टोक्स (कप्तान), जैक क्रॉली, बेन डकेट, जैकब बेथेल, जो रूट, हैरी ब्रूक, जेमी स्मिथ (विकेटकीपर), विल जैक्स, गस एटकिंसन, ब्राइडन कार्स, जोश टंग

सिंधु बनी बीडब्ल्यूएफ एथलीट्स कमीशन की चेयरपर्सन

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय महिला बैडमिंटन स्टार पीवी सिंधु को 2026-2029 तक के लिए विश्व बैडमिंटन संघ (बीडब्ल्यूएफ) के एथलीट्स कमीशन की चेयरपर्सन बनाया गया है। ऐसे में पूर्व ओलंपिक पदक विजेता सिंधु अब बीडब्ल्यूएफ काउंसिल में सदस्य के तौर पर काम करेंगी जिससे खिलाड़ियों के हित की बातें इस संस्था के जरिये वह उठा सकेंगी। इस दौरान उन्हें विश्वस्तर पर भागीदारी में भी सहायता मिलेगी। वहीं नीदरलैंड की डेबोरा जिले को सिंधु की सहायक बनाया गया है। सिंधु ने कहा, साथी एथलीटों द्वारा यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपना मेरे लिए सम्मान की बात है, जिसे मैं विनम्रता और के साथ स्वीकार करती हूं। मैं पिछले कार्यकाल में किए गए असाधारण काम के लिए चेयरपर्सन रही ग्रेसिया पोलो को भी दिल से धन्यवाद देना चाहती हूं।

उन्होंने कहा, 'हमारे पास अब हर खिलाड़ी की आवाज उठाने का एक मध्यम आ गया है। यह एक शानदार अवसर है। मैं इसमें हर खिलाड़ी का प्रतिनिधित्व करने और सार्थक, स्थायी बदलाव के लिए लड़ने के लिए बीडब्ल्यूएफ मीडिया के साथ मिलकर काम करने को लेकर पूरी तरह गंभीर हूं।

बुमराह और ऋषभ ने अपने कमेंट पर मुझसे माफी मांगी थी : बावुमा

जोहांसबर्ग (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेट टीम के कप्तान टेम्बा बावुमा ने कहा है कि भारत दौरे में कुछ बातों को लेकर उनका तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत से विवाद हुआ था हालांकि दोनों ने ही बाद में उनसे मुलाकात कर खेद जताया था। बावुमा की कप्तानी में दक्षिण अफ्रीकी टीम ने इस दौरे में भारतीय टीम को 2-0 से हरा दिया था। सीरीज का पहला टेस्ट कोलकाता में खेला गया था। इसी टेस्ट में बुमराह और ऋषभ ने बावुमा की कम लंबाई पर टिप्पणी करते हुए उन्हें बौना कहा था। जिसकी मीडिया में काफी आलोचना भी हुई थी। बावुमा ने कहा है कि इसके बाद ऋषभ और बुमराह ने उनसे इस मामले में माफी मांग ली थी।

वहीं बावुमा ने माना कि कोच शुक्री कॉनराड ने भारतीय टीम को घुटने पर लाने जैसे जो टिप्पणी की थी वह गलत थी। उन्हें इस प्रकार की बात नहीं कहनी चाहिये थी।

बावुमा ने कहा, 'मुझे पता है कि मेरे साथ एक घटना हुई थी जहां भारतीय खिलाड़ियों ने मुझे कुछ कहा था पर मैच समाप्त होने के बाद ऋषभ और बुमराह आए और उन्होंने माफी मांगी।' उन्होंने कहा, 'तब मुझे नहीं पता था कि यह किस बारे में थी। मैंने उस समय इसके बारे में सुना नहीं था और मुझे फिर इस बारे में अपने मीडिया मैनेजर से बात करनी पड़ी थी।'

बावुमा ने आगे कहा, मैदान पर जो होता है उसे हम मन में नहीं रखते हुए बेहतर प्रदर्शन करने पर ध्यान देते हैं।

श्रीलंका के खिलाफ तीसरे टी20 मैच को जीतकर सीरीज पर कब्जा करने उतरेगी भारतीय टीम

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम शुक्रवार को यहां श्रीलंकाई टीम के खिलाफ होने वाले तीसरे टी20 मैच में जीत के साथ ही पांच मैचों की सीरीज अपने नाम करने उतरेगी। भारतीय टीम पहले दोनो ही मैचों में जीत के साथ ही अभी सीरीज में 2-0 से आगे है। भारतीय टीम ने विशाखापत्तनम में पहले दो टी20 मैचों में आठ और सात विकेट से जीत दर्ज की है। भारतीय टीम अभी तक बल्लेबाजी और गेंदबाजी में मेजबान टीम पर भारी पड़ी है। भारतीय टीम की ओर पहले मैच में जेमिमा रोड्रिग्स जबकि दूसरे में शेफाली वर्मा ने अच्छा प्रदर्शन किया था। वहीं गेंदबाजी भी अबतक अच्छी रही है। स्पिनरों ने पहले मैच में श्रीलंका को छह विकेट पर 121 और दूसरे में नौ विकेट पर 128 रनों पर ही समेट दिया था। एन श्रीचरणी, वैष्णवी शर्मा और क्रांति गौड ने अब तक दोनो ही मैचों में अच्छी गेंदबाजी की है।

भारतीय टीम को हालांकि फिल्डिंग पर ध्यान देना होगा। अब तक के दोनो ही मैचों में उसने काफी अवसर खोये। पहले मैच में पांच कैच गिरे जबकि दूसरे मैच में तीन रन आउट के अवसर उसने गंवाए।

वहीं श्रीलंका को उम्मीद इस मैच में जीतकर सीरीज में हार टालना चाहेगी। पहले दोनो ही मैचों में उसके बल्लेबाज और गेंदबाज असफल रहे थे। अब उसे अपने बल्लेबाजों और गेंदबाजों से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद रहेगी। उसकी बल्लेबाजी में भी निरंतरता की कमी रही है। दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं।

भारत : हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उपकप्तान), दीप्ति शर्मा, स्नेह राणा, जेमिमा रोड्रिग्स, शैफाली वर्मा, हरलीन देयोल, अमनजोत कौर, अरुंधति रेड्डी, क्रांति गौड़, रेणुका सिंह ठाकुर, ऋचा घोष (विकेटकीपर), जी कमलिनी (विकेटकीपर), श्री चरणी, वैष्णवी शर्मा।

श्रीलंका : चामरी अटापट्टू (कप्तान), हसिनी परेरा, विष्मी गुणरत्ने, हर्षिता समरविक्रमा, नीलाक्षिका डी सिल्वा, कविशा दिलहारी, इमेशा दुलानी, कौशिनी नुथ्यांगना, मलशा शेहानी, इनोका रणवीरा, शशिनी गिम्हानी, निमेशा मदुशानी, काव्या काविंदी, रश्मिका सेवन्दी, मल्की मदारा।

ब्राजील के फोन्सेका ने टॉप 15 टेनिस खिलाड़ियों में जगह बनाने का रखा लक्ष्य

रियो डी जेनेरो। ब्राजील के टीनएजर जोआओ फोन्सेका ने अगले साल दुनिया के टॉप 15 पुरुष टेनिस खिलाड़ियों में शामिल होने का लक्ष्य रखा है, क्योंकि वह अपनी हालिया प्रगति को आगे बढ़ाना चाहते हैं। 19 साल के इस खिलाड़ी ने 2025 में दो खिताब जीते, जो एटीपी टूर पर उनका पहला पूरा सीजन था, लेकिन उन्होंने कहा कि वह इसे सिर्फ एक शुरुआत मानते हैं। रियो डी जेनेरो में जन्मे फोन्सेका ने मैगजीन वेजा को बताया, 'मेरा इरादा दुनिया के टॉप 15 में जगह बनाने का है। यह थोड़ा मुश्किल है, लेकिन मैं बड़ा सोच रहा हूं। मैं बिना उतार-चढ़ाव के लगातार अच्छे नतीजों पर भी ध्यान दूंगा।'

फोन्सेका ने इस साल 113वीं रैंक से शुरुआत की थी, लेकिन ब्यूनस आयर्स (एटीपी 250) और बेसल (एटीपी 500) में जीत के बाद वह 24वें नंबर पर पहुंच गए हैं। 2025 में उनकी अन्य उपलब्धियों में फ्रेंच ओपन और विंबलडन में तीसरे राउंड तक पहुंचना शामिल है। उन्होंने टेनिस के अलावा नए साल के कुछ और संकल्पों के बारे में भी बात की। फोन्सेका ने कहा, 'अपने खाली समय में, मैं इटैलियन सीखना चाहता हूं, पोकर कोर्स करना चाहता हूं और अपने पैसे मैनेज करना चाहता हूं।' ब्राजील के एकमात्र पुरुष ग्रैंड स्लैम सिंगल्स चैंपियन गुस्तावो कुएर्टन हैं, जिन्होंने 1997, 2000 और 2001 में फ्रेंच ओपन जीता था।

टी20 विश्वकप से पहले लय में आये रिंकू, विजय हजारे ट्रॉफी में खेली आक्रामक पारी

नई दिल्ली। विजय हजारे ट्रॉफी में फिनिशर रिंकू सिंह ने अच्छा प्रदर्शन किया है। नये साल में होने वाले आईसीसी टी20 विश्व कप के पहले रिंकू के लय में आने से भारतीय टीम प्रबंधन को भी राहत मिलेगी। पिछले कुछ समय से रिंकू का प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा था इसके बाद भी प्रबंधन ने उन्हें फिनिशर के तौर पर भारतीय टीम में शामिल था। वहीं अब रिंकू ने विजय हजारे ट्रॉफी में उत्तर प्रदेश की कप्तानी करते हुए हैदराबाद के खिलाफ आक्रामक पारी खेलकर एक बार फिर अपनी क्षमताओं को साबित किया है। रिंकू ने 48 गेंद में 139.58 के स्ट्राइक रेट से 67 रन बनाए। ऐसे में प्रशंसकों को उससे इसी प्रकार के प्रदर्शन की उम्मीद रहेगी। रिंकू भारतीय टी20 टीम के लिए फिनिशर की भूमिका निभाते हैं। रिंकू ने अंतिम बार एशिया कप 2025 के फाइनल में पाकिस्तान के खिलाफ खेला था। तब उन्हें केवल एक गेंद खेलने का अवसर मिला था। रिंकू ने उसपर चौक लगाकर भारतीय टीम को खिताबी जीत दिलायी थी। उनको सिर्फ एक बॉल खेलने का मौका मिला था और उन्होंने उसी पर चौका लगाकर भारत को फाइनल जिताया था। वहीं रिंकू के अलावा आईपीएल में मुम्बई इंडियन्स की ओर से खेलने वाले पंजाब के बल्लेबाज नमन धीर ने भी विजय हजारे ट्रॉफी में अच्छी बल्लेबाजी की है। नमन ने महाराष्ट्र के खिलाफ 97 रन बनाये। उन्होंने अपनी पारी में 7 चौके और 4 छक्के लगाए। नमन को उनकी इस पारी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच का अवॉर्ड भी दिया गया। नमन मुम्बई के भरोसेमंद खिलाड़ियों में है।

डब्ल्यूपीएल में दिल्ली कैपिल्स की कप्तानी करेंगी जेमिमा रोड्रिग्स

मुम्बई (एजेंसी)। दिल्ली कैपिटल्स ने महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के 2026 सत्र के लिए मेग लैनिंग की जगह बल्लेबाज जेमिमा रोड्रिग्स को कप्तान बनाया है। लैनिंग की कप्तानी में दिल्ली की टीम तीन बार टूर्नामेंट के फाइनल तक पहुंची है पर एक बार भी खिताब नहीं जीत पायी है। दिल्ली कैपिटल्स के सह मालिक पार्थ जिंदल ने पहले ही कहा था कि इस बार टीम की कमान किसी भारतीय खिलाड़ी को ही दी जाएगी। दिल्ली की टीम में दक्षिण अफ्रीका की अनुभवी बल्लेबाज लाउरा वोलवार्ट भी शामिल है। वोलवार्ट की कप्तानी में दक्षिण अफ्रीका की टीम महिला विश्व कप के फाइनल में पहुंची थी पर इसके बाद भी दिल्ली ने जेमिमा पर भरोसा जताया है।

डब्ल्यूपीएल में जेमिमा का प्रदर्शन अच्छा रहा है। इस बल्लेबाज ने 27 मैचों में तीन अर्धशतक के साथ ही 28.16 के औसत से 507 रन बनाए हैं, और इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 139.66 का रहा है। उनका इस टूर्नामेंट में सबसे अधिक स्कोर नाबाद 69 रन रहा है। दिल्ली कैपिटल्स डब्ल्यूपीएल 2026 में अपने पहले मुकाबले में 10 जनवरी को मुंबई इंडियंस से खेलेगी।

जेमिमा ने कप्तान बनाये जाने पर खुशी जतायी है। साथ ही कहा, दिल्ली कैपिटल्स की कप्तान बनना मेरे लिए बेहद सम्मान की बात है। मैं टीम के मालिकों और सहयोगी स्टाफ की आभारी हूं जिन्होंने मुझ पर भरोसा जताते हुए मुझे इस टीम का नेतृत्व करने का अवसर दिया। यह शानदार अवसर मिलना मेरे और मेरे परिवार के लिए किसी सपने के सच होने जैसा है। इस बल्लेबाज ने कहा, मैंने पिछले तीन वर्षों में बहुत कुछ सीखा है और दिल्ली कैपिटल्स के साथ अपने कुछ बेहतरीन पल साझा किए हैं। हमारे पास एक मजबूत टीम है और मैं मैदान में उतरने के लिए उत्सुक हूं क्योंकि हम एक बहुत ही अच्छे सत्र की उम्मीद कर रहे हैं।

दिल्ली कैपिटल्स टीम

जेमिमा रोड्रिग्स, शेफाली वर्मा, मारिजाने कप्प, एनाबेल सदरलैंड, निकी प्रसाद, लाउरा वोलवार्ट, चिनेले हेनरी, श्री चरणी, स्नेह राणा, लिजेल ली, दीया यादव, तानिया भाटिया, ममता मादीवाला, नंदनी शर्मा, लुसी हैमिल्टन, मिन्नू मणि।

जयपुर के सुभाष ने हांगकांग इंटरनेशनल जूनियर स्क्वैश चैंपियनशिप में जीता गोल्ड

जयपुर। राजस्थान की राजधानी जयपुर के सुभाष चौधरी ने हांगकांग इंटरनेशनल जूनियर स्क्वैश चैंपियनशिप में ब्वायज अंडर 17 वर्ग में स्वर्ण पदक जीत कर प्रदेश और देश का नाम रोशन किया है। कोच खांगा राम चौधरी ने बुधवार को बताया कि यह प्रतियोगिता हांगकांग में 19 से 24 दिसम्बर तक आयोजित की गई। उन्होंने बताया कि सुभाष चौधरी जयपुर की नीरजा मोदी स्कूल 10वीं कक्षा का विद्यार्थी है। इसके फिटनेस कोच अंकित मानावता है और सुभाष ने पहले राउंड में बाई मिली, दूसरे राउंड में हांगकांग के ली हो सोम को 11-6, 11-6, 11-8 से, प्री क्वार्टर में मकाऊ के लम हाक इन को 11-0, 11-4, 11-4 से हराया। इससे पहले उन्होंने क्वार्टर फाइनल में हांगकांग के हा तू हीन को 11-5, 9-11, 11-6, 11-8, और सेमी फाइनल में हांगकांग के युएन तज लाग को 11-5, 11-5, 11-2 से तथा फाइनल मुकाबले में सिंगापुर के रेहान सिंह को 11-4, 11-4, 11-5 से हरा कर स्वर्ण पदक अपने नाम किया।

इस साल सबसे अधिक रनों का शुभमन का रिकार्ड तोड़ पायेंगे रुट !

मेलबर्न। इंग्लैंड के जो रुट के पास इस साल सबसे अधिक रनों का रिकार्ड अपने नाम करने का अच्छा अवसर है। अभी तक इस साल सबसे ज्यादा रन भारतीय टीम के कप्तान शुभमन गिल के नाम है। भारत के टेस्ट व एकदिवसीय कप्तान बने शुभमन ने इस साल तीनों प्रारुपों को मिलाकर कुल 1764 रन के साथ नंबर-1 पोजीशन हासिल की हुई है। वही दूसरे नंबर पर वेस्टइंडीज के शाई होप हैं उनके नाम 1760 रन पर है। वहीं इंग्लैंड के दिग्गज बल्लेबाज रुट के नाम 1598 रन है और वह शुभमन से 167 रन पीछे है। वेस्टइंडीज और भारतीय टीम को अब इस साल कोई और मैच नहीं खेलना है। ऐसे में अब शुभमन और होप और ज्यादा रन नहीं बना सकते। वहीं रुट को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 26 दिसंबर से एक टेस्ट मैच खेलना है। ऐसे में रुट के पास दो पारियों में शुभमन का रिकार्ड तोड़ने का अच्छा अवसर है। अब देखना है कि वह इसमें सफल रहते हैं या नहीं। रूट अगर चौथे एशेज टेस्ट में शतक लगाने में सफल हुए तो वह शुभमन को पीछे छोड़कर पहले नंबर पर पहुंच सकते हैं। वहीं इस साल सबसे अधिक रन बनाने वालों की सूची में ब्रायन बेनेट 1585 और आगा सलमान- 1569 रन हैं।

जोकोविच की नजरें ऑस्ट्रेलियाई ओपन पर लगीं

माल्टा। सर्बिया के टेनिस स्टार नोवाक जोकोविच की नजरें अब अगले साल होने वाले ऑस्ट्रेलियन ओपन पर लगी हैं। इसमें वह रिकॉर्ड 25वां ग्रैंड स्लैम जीतने उतरेंगे। इससे पहले वह एडिलेड इंटरनेशनल में उतरकर अपनी तैयारियों की समीक्षा करेंगे। है। इसी को देखते हुए जोकोविच ने नये ट्रेनिंग पार्टनर फ्रांस के आर्थर काजोक्स के साथ अभ्यास शुरु कर दिया है। इससे काजोक्स बेहद उत्साहित हैं। इस युवा खिलाड़ी ने लिखा, तीन शानदार दिन, ट्रेनिंग, सीखने और एक महान खिलाड़ी के साथ अनुभव साझा करने का अवसर मिला। बहुत आभारी हूं। काजोक्स ने साल 2025 में अपनी करियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग 58 हासिल की। उन्होंने एटीपी फाइनल में खेलते हुए कई बड़े खिलाड़ियों को हराया और ग्रैंड स्लैम स्तर पर ऑस्ट्रेलियन ओपन और विंबलडन में दो जीत दर्ज की। इस प्रदर्शन से प्रभावित होकर ही जोकोविच ने उन्हें ट्रेनिंग पार्टनर बनाया है। इस साझेदारी से दोनों खिलाड़ियों को लाभ हो रहा है। जहां जोकोविच एक युवा से खेलकर इससे अपने खेल को और बेहतर बना रहे हैं। वहीं काजोक्स को एक शीर्ष खिलाड़ी से खेलने के कारण सीखने का मिल रहा है। जोकोविच जैसे खिलाड़ी के साथ अभ्यास करने से काजोक्स को तकनीक और रणनीति बनाने का भी अनुभव हो रहा है।

मुश्किल हालात में कमान संभालने के लिए अनुभवी खिलाड़ियों की जरूरत है : पीआर श्रीजेश

नई दिल्ली (एजेंसी)। एसजी पाइपर्स हॉकी के डायरेक्टर पीआर श्रीजेश ने कहा है कि अगर फ्रेंचाइजी को हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) के आने वाले सीजन में अच्छा प्रदर्शन करना है, तो अनुभवी खिलाड़ियों को आगे बढ़कर नेतृत्व की भूमिका निभानी होगी, खासकर जब हालात ठीक न हों।

भारत के पूर्व महान खिलाड़ी ने कहा, 'पिछले सीजन में हमने जीत के साथ शुरुआत की थी, लेकिन उसके बाद टीम बिखर गई, टीम को संभालने वाला कोई लीडर नहीं था, अनुभवी खिलाड़ियों को आगे आकर कमान संभालनी चाहिए थी। इस बार ऐसा नहीं होना चाहिए।' एसजी पाइपर्स 2024-25 सीजन में पुरुष और महिला दोनों कैटेगरी में टेबल में सबसे नीचे रही थी। श्रीजेश, जो जूनियर इंडिया हॉकी टीम के हेड कोच भी हैं, ने बताया कि पूर्व भारतीय अंतरराष्ट्रीय अनुभवी खिलाड़ी रुपिंदर पाल सिंह को टीम में मेंटरशिप और बीच में नेतृत्व देने के लिए चुना गया है।

'रुपिंदर को चुनने के पीछे मेरा विचार यह था कि हमें एक मेंटर की जरूरत है, हमें ऐसे किसी व्यक्ति की जरूरत है जो मैदान पर टीम को कड़ी मेहनत करने के लिए प्रेरित करे। हम उनका समझदारी से इस्तेमाल करेंगे ताकि उनसे ज्यादा से ज्यादा फायदा मिल सके।' पद्म भूषण पुरस्कार विजेता, जिनके नेतृत्व में भारत की जूनियर हॉकी टीम ने 2025 के हॉकी जूनियर विश्व कप में कांस्य पदक जीता था, ने कहा कि वह परिणाम से खुश हैं, लेकिन इस बात पर जोर दिया कि आने वाले दिनों में टीम के प्रदर्शन का बारीकी से विश्लेषण किया जाएगा।

'कांस्य पदक अच्छा है, इन युवा खिलाड़ियों के पास अपने सभी प्रयासों का नतीजा दिखाने के लिए कुछ है, हालांकि, महत्वपूर्ण यह है कि वे समझें कि वे सेमीफाइनल्स में या पूरे टूर्नामेंट में और क्या कर सकते थे। इसलिए, एचआईएल के बाद हम सबसे पहले उन्हें उनके सभी मैच दिखाएंगे। मैं चाहता हूं कि वे जानें कि 2027 में उन्हें उन्हीं चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा, शायद किसी दूसरे शहर में, और उन्हें उनसे निपटने के लिए बेहतर तरीके से तैयार रहना होगा।'

उन्हें लगा कि जर्मनी के खिलाफ सेमीफाइनल में, जिसमें भारत हार गया था, वह बेहतर फैसले ले सकते थे। 'मुझे लगा कि जर्मनी के खिलाफ मैच के दौरान मैं कुछ चीजें बेहतर कर सकता था, टैक्टिकली और फैसले लेने के मामले में भी। हालांकि मेरे ज्यादातर फैसले सही थे, यहां तक कि अर्जेंटीना के खिलाफ हमने जो इनडायरेक्ट वेरिएशन किए थे, हमने वही वेरिएशन उनके खिलाफ लगातार आजमाए और वे काम आए, साथ ही, मेरा एक और शानदार फैसला यह था कि आखिरी फ्लिक के लिए रोहित की जगह मैंने अनमोल को लेने के लिए कहा, जो सही साबित हुआ।'

श्रीजेश, जिन्होंने तीन बार FIH गोलकीपर ऑफ द ईयर का अवॉर्ड जीता है, ने एक खिलाड़ी और एक कोच होने के बीच कुछ बड़े अंतर बताए उन्होंने कहा, 'मैं अपने कोचिंग रोल का आनंद ले रहा हूं, जूनियर टीम के साथ लगभग एक साल हो गया है, और मैं नए खिलाड़ियों के एक नए ग्रुप का इंतजार कर रहा हूं, और मुझे नए ग्रुप के साथ शुरू से शुरुआत करनी होगी, इसलिए यह एक बड़ी चुनौती होने वाली है। एक खिलाड़ी के तौर पर, प्रोसेस लीनियर होती है 1 से 10, फिर 10 से 15, 15 से 20 और इसी तरह, लेकिन एक कोच के तौर पर आप 20 तक पहुंचते हैं, फिर जब नया बैच आता है तो आप फिर से एक से शुरू करते हैं।'

संक्षिप्त समाचार

अमेरिका के डेलावेयर में फायरिंग, पुलिसकर्मी और संदिग्ध की मौत

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के डेलावेयर में गोलीबारी में एक पुलिसकर्मी और एक संदिग्ध की मौत हो गई। अधिकारियों ने बताया कि मंगलवार को विलमिंगटन के पास एक मोटर वाहन एजेंसी में हुई गोलीबारी में संदिग्ध बंदूकधारी के साथ डेलावेयर राज्य का एक पुलिस अधिकारी की भी मौत हो गई। राज्य पुलिस ने सोशल मीडिया पर कहा कि दोपहर 3 बजे से पहले ही खतरा टल गया था और वे अन्य चोटों का आकलन करना जारी रखे हुए हैं। बयान में कहा, 'राज्य और स्थानीय कानून प्रवर्तन एजेंसियां मौके पर मौजूद हैं और राहत कार्यों का समन्वय कर रही हैं।'

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में हुए हमले में 5 पुलिसकर्मी मारे गए

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के अशांत खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में मंगलवार को अज्ञात सशस्त्र हमलावरों ने एक पुलिस वैन पर गोलीबारी की, जिसमें पांच पुलिसकर्मी मारे गए। यह घटना करक जिले में उस समय घटी जब पुलिस अधिकारी नियमित गश्त पर थे। जिला पुलिस अधिकारी (डीपीओ) सऊद खान ने बताया कि वैन में सवार सभी पांच पुलिसकर्मी हमले में मारे गए हैं। पुलिस की भारी टुकड़ी मौके पर पहुंची, इलाके को घेर लिया और सबूत जुटाना शुरू कर दिया। हमलावरों को पकड़ने के लिए तलाशी अभियान शुरू किया गया। करक जिले की पुलिस और आतंकवाद विरोधी विभाग (सीटीडी) की टीमों ने भी हत्या में शामिल लोगों को पकड़ने के लिए एक संयुक्त अभियान शुरू किया। पहाड़ी इलाके में पीछा करने के दौरान टीमों का आतंकवादियों से सामना हुआ, जिसके परिणामस्वरूप भीषण गोलीबारी हुई, जिसमें आठ आतंकवादी मारे गए। मारे गए आतंकवादियों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल ले जाया गया है, जबकि उनकी पहचान सुनिश्चित करने के प्रयास जारी हैं। मुख्यमंत्री सोहेल अफरीदी ने हमले की कड़ी निंदा करते हुए इस घटना को 'बेहद दुर्भाग्यपूर्ण' और 'निंदनीय' बताया।

पोलैंड की कोयला खदान में विस्फोट, दो मजदूरों की मौत

वॉरसॉ, एजेंसी। पोलैंड में निजोवेक कोयला खदान में भूमिगत विस्फोट के कारण दो मजदूरों की मौत हो गई। खदान संचालक कंपनी जेएसडब्ल्यू के अनुसार, सोमवार शाम 5 बजे खदान में अचानक मीथेन गैस और चट्टानों का तेज उभार हुआ। उस समय 10 मजदूर काम कर रहे थे। घटना के बाद आठ मजदूर बाहर निकल आए, जबकि दो फंस गए। करीब सात घंटे बाद दोनों को बाहर लाया जा सका, लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

उत्तरी कैलिफोर्निया में अचानक आई बाढ़ से एक की मौत

सैक्रामेंटो, एजेंसी। उत्तरी कैलिफोर्निया में भारी बारिश और बाढ़ से जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया। सड़कों पर पानी भर गया, कई जगहों पर लोगों को वाहनों और घरों से रेस्क्यू करना पड़ा। इस दौरान एक व्यक्ति की मौत हो गई। रेडिंग शहर में एक वाहन चालक की मौत हो गई। मेयर माइक लिटाउ के मुताबिक, व्यक्ति ने 911 पर कॉल किया था, जब उनकी कार पानी से भरने लगी। पुलिस अधिकारी पानी में तैरकर मौके पर पहुंचे और शीशा तोड़कर व्यक्ति को बाहर निकाला, लेकिन सीपीआर के बावजूद उसकी जान नहीं बच सकी।

ब्रिटेन में 56 यौन अपराधों का आरोपी किया गया गिरफ्तार

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन में फिलिप यंग (49) नामक शख्स पर अपनी पूर्व पत्नी जोआन यंग (48) को 13 वर्षों तक नशा देकर दुष्कर्म करने सहित 56 यौन अपराधों के आरोप लगाए गए हैं। पुलिस के अनुसार, आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। फिलिप पर दुष्कर्म, यौन उत्पीड़न के लिए नशीला पदार्थ देने, वॉयरिज्म, बच्चों से जुड़ी अश्लील तस्वीरें रखने और आपत्तिजनक सामग्री के कब्जे जैसे गंभीर मामले आरोप हैं। यह घटनाएं 2010 से 2023 के बीच की बताई जा रही हैं।

अमेरिका में नर्सिंग होम में धमाका, इमारत का हिस्सा ढहा; कई लोग घायल

फिलाडेल्फिया, एजेंसी। अमेरिका के पेंसिल्वेनिया राज्य में फिलाडेल्फिया के पास ब्रिस्टल हेल्थ एंड रिहैब सेंटर नाम के नर्सिंग होम में मंगलवार दोपहर जोरदार धमाका हो गया। धमाके से इमारत का एक हिस्सा ढह गया और कई लोग घायल हो गए। अधिकारियों के मुताबिक, कुछ लोगों के अंदर फंसे होने की भी आशंका है। धमाका स्थानीय समय के मुताबिक, दोपहर करीब 2:17 बजे हुआ। इससे पहले नर्सिंग होम में गैस की गंध की शिकायत मिली थी, जिसके बाद गैस कंपनी की टीम जांच के लिए पहुंची थी। इसी दौरान अचानक विस्फोट हो गया। घटनास्थल से काला धुआं उठता देखा गया।

बांग्लादेश में निष्पक्ष चुनाव पर अमेरिकी सांसदों की चेतावनी

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के कुछ प्रभावशाली सांसदों ने बांग्लादेश की अंतरिम सरकार को चेतावनी दी है कि अगर फरवरी में होने वाले चुनावों से पहले राजनीतिक दलों की भागीदारी पर रोक लगाई गई, तो स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराना संभव नहीं होगा। इन सांसदों ने बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस को एक पत्र लिखा है। इस पत्र में उन्होंने कहा कि सरकार को सभी राजनीतिक दलों से संवाद कर लोकतांत्रिक संस्थाओं में लोगों का भरोसा दोबारा कायम करना चाहिए। यह पत्र अमेरिकी सांसद ग्रेगरी डब्ल्यू. मीक्स, बिल हुइजेंगा और सिडनी कैमलेगर-डोव ने लिखा, जबकि जूली जॉनसन और थॉमस आर. सुओजी ने भी इस पर हस्ताक्षर किए। मंगलवार को यूनुस को लिखे पत्र में सांसदों ने लिखा, 'हम बांग्लादेश में राष्ट्रीय संकट के समय अगले साल फरवरी में होने वाले चुनावों से पहले एक अंतरिम सरकार का नेतृत्व करने के लिए, आपके आगे आने की इच्छा का स्वागत करते हैं। ये बहुत जरूरी है कि अंतरिम सरकार सभी राजनीतिक दलों के साथ मिलकर स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनावों के लिए माहौल बनाए, जिससे लोग शांतिपूर्ण तरीके से मतदान के जरिए अपनी राय रख सकें। साथ ही ऐसे सुधार हों जो राज्य संस्थानों की निष्पक्षता और ईमानदारी में विश्वास बहाल करें।'

उन्होंने चिंता जताई कि अगर सरकार राजनीतिक दलों की गतिविधियां निलंबित करती है या फिर विवादित अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण को दोबारा शुरू करती है, तो चुनाव प्रक्रिया पर लोगों का भरोसा और कमजोर हो सकता है।

अमेरिकी सांसदों ने यह भी याद दिलाया कि अमेरिकी विदेश विभाग और अंतरराष्ट्रीय पर्यवेक्षकों ने बांग्लादेश के 2018 और 2024 के आम चुनावों को पूरी तरह स्वतंत्र और निष्पक्ष नहीं माना था। उनका कहना है कि आने वाले चुनाव की विश्वसनीयता इस बात पर निर्भर करेगी कि अंतरिम सरकार पहले की उन नीतियों से कितना अलग रास्ता अपनाती है, जिनकी अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर आलोचना हुई थी।

संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार कार्यालय की एक रिपोर्ट का हवाला देते हुए सांसदों ने बताया कि 2024 में जुलाई और अगस्त के प्रदर्शनों के दौरान सुरक्षा बलों की कार्रवाई में लगभग 1,400 लोगों की मौत हुई थी। उन्होंने कहा कि इन घटनाओं के लिए जवाबदेही तय करना जरूरी है, ताकि बदले की राजनीति का सिलसिला खत्म हो सके। सांसदों की सबसे बड़ी चिंता किसी राजनीतिक दल की गतिविधियों को पूरी तरह निलंबित करने के फैसले को लेकर थी।

उन्होंने कहा कि संगठन बनाने की स्वतंत्रता और व्यक्तिगत जिम्मेदारी का सिद्धांत बुनियादी मानवाधिकार है। किसी पूरे दल पर रोक उन सिद्धांतों के खिलाफ है। उन्होंने अंतरिम सरकार से इस फैसले पर दोबारा विचार करने को कहा और बताया कि सभी दलों की भागीदारी से ही जनता का भरोसा लौटाया जा सकता है। सांसदों ने कहा, 'आखिरकार, बांग्लादेश के लोगों को एक स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव में चुनी हुई सरकार चुनने का अधिकार है, जिसमें सभी राजनीतिक दल हिस्सा ले सकें ताकि उनकी आवाज सुनी जा सके।

पत्र में यह भी कहा गया कि बांग्लादेश अमेरिका का एक महत्वपूर्ण साझेदार है और अमेरिकी सांसद अंतरिम सरकार के साथ मिलकर दोनों देशों के रिश्तों और बांग्लादेश की लोकतांत्रिक प्रक्रिया को आगे बढ़ाने के लिए तैयार हैं। इसी से जुड़े एक अन्य मामले में सांसद थॉमस आर. सुओजी ने अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो को पत्र लिखकर बांग्लादेश में धार्मिक अल्पसंख्यकों, खासकर हिंदुओं की सुरक्षा को लेकर जानकारी मांगी। उन्होंने हाल की हिंसक घटनाओं और ईशनिंदा कानूनों के दुरुपयोग पर चिंता जताई और कहा कि इन मुद्दों पर उन्हें विस्तार से जानकारी दी जाए, ताकि वह बांग्लादेशी-अमेरिकी समुदाय की चिंताओं को उठा सकें।

यूक्रेन पर रूस के भीषण हमले, 650 से ज्यादा ड्रोन-36 मिसाइलों से 13 इलाकों को बनाया निशाना

कीव, एजेंसी। रूस ने मंगलवार को यूक्रेन पर एक बड़े हमले में 650 से अधिक ड्रोन और करीब 36 मिसाइलें दागीं। 13 यूक्रेनी इलाकों में किए गए इस हमले में तीन लोग मारे गए। मृतकों में एक चार वर्षीय बच्चा भी शामिल है। यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा कि हमले में यूक्रेन के 13 क्षेत्रों में घरों और बिजली ग्रिड को निशाना बनाया गया, जिससे बिजली की व्यापक कटौती हुई। इससे पहले उन्होंने शांति समझौते की दिशा में हुई हालिया प्रगति को ठोस बताया था। जेलेंस्की ने एक पोस्ट में कहा, इस बमबारी से रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का यूक्रेन पर हमला जारी रखने का इरादा स्पष्ट होता है। यूक्रेनी और यूरोपीय अधिकारियों ने शिकायत की है कि पुतिन अमेरिका के नेतृत्व वाले शांति प्रयासों में गंभीरता से सहयोग नहीं कर रहे हैं। जेलेंस्की ने कहा, यह हमला रूसी प्राथमिकताओं का बेहद स्पष्ट संकेत है। क्रिसमस से ठीक पहले ऐसा हमला किया गया, जब लोग परिजनों के साथ घर में रहना चाहते हैं। वह बोले, यह हमला इस युद्ध को खत्म करने के लिए जारी वार्ता के बीच में हुआ है। इससे पता चलता है कि पुतिन यह स्वीकार नहीं कर सकते कि हमें हत्याएं बंद करनी होंगी।

शांति वार्ता में ठोस प्रगति: जेलेंस्की : यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा, रूस-यूक्रेन शांति समझौते के लिए अमेरिका द्वारा पेश किए गए शुरुआती मसौदे कीव की कई मांगों को पूरा करते हैं। जेलेंस्की ने हालांकि संकेत दिया कि युद्ध को समाप्त करने के लिए होने वाली वार्ताओं में दोनों पक्षों की सभी इच्छाएं पूरी होने की संभावना कम ही है। उन्होंने समझौते की कोशिश कर रहे अमेरिकी अधिकारियों के साथ हुई हालिया बातचीत पर कहा, इस चरण में काफी ठोस प्रगति नजर आ रही है।

यूक्रेन ने तेल टर्मिनल व जेट पर साधा निशाना : रूसी हमलों से पहले यूक्रेनी सेना ने रूस में सिलसिलेवार हमलों में एक तेल टर्मिनल, पाइपलाइन, दो खड़े जेट लड़ाकू विमानों और दो जहाजों को निशाना बनाया है। ये हमले रूस की युद्ध क्षमता को कमजोर करने और अग्रिम मोर्चे से दूर के इलाकों में असुरक्षा का माहौल पैदा करने के अभियान का हिस्सा है। हमलों का एक उद्देश्य व्लादिमीर पुतिन की उस रणनीति को भी झटका देना था, जिसके तहत वह रूस को अमेरिकी नेतृत्व वाले शांति प्रयासों में सैन्य रूप से मजबूत स्थिति से बातचीत करने वाले देश के रूप में पेश करना चाहते हैं।

ब्राजील के राष्ट्रपति लूला दा सिल्वा अगले महीने कर सकते हैं भारत का दौरा: सूत्र

ब्रासीलिया, एजेंसी। शीर्ष सूत्रों ने मंगलवार को बताया कि ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला दा सिल्वा अगले साल की शुरुआत में भारत का दौरा कर सकते हैं। यह दौरा जनवरी के अंत या फरवरी 2026 की शुरुआत में संभव हो सकता है। लूला का यह दौरा भारत और ब्राजील के बीच द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के उद्देश्य से किया जा रहा है। उम्मीद है कि प्रस्तावित दौरे के दौरान भारत और ब्राजील व्यापार, निवेश, रक्षा सहयोग, ऊर्जा, कृषि और प्रौद्योगिकी जैसे प्रमुख क्षेत्रों में संबंधों को और मजबूत करेंगे। एक शीर्ष अधिकारी ने बताया कि दोनों पक्ष अपनी रणनीतिक साझेदारी को और गहरा करने के तरीकों पर भी विचार कर सकते हैं। भारत और ब्राजील ब्रिक्स और जी20 जैसे अंतरराष्ट्रीय मंचों पर करीबी साझेदार हैं। इस दौरान वैश्विक आर्थिक मुद्दे, विकास संबंधी चिंताएं, और विकासशील देशों के बीच सहयोग भी चर्चा का विषय रहने की उम्मीद है। हालांकि, दौरे की आधिकारिक पुष्टि अभी बाकी है। पिछले महीने दक्षिण अफ्रीका के जोहान्सबर्ग में जी20 शिखर सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ब्राजील के राष्ट्रपति से मुलाकात की, जिससे भारत-ब्राजील संबंधों में निरंतर आ रही प्रगति पर प्रकाश डाला गया।

प्रधानमंत्री मोदी ने लुइज इनासियो लूला दा सिल्वा के साथ अपनी तस्वीर साझा करते हुए फेसबुक पर लिखा कि राष्ट्रपति लूला से मिलना हमेशा ही सुखद होता है। भारत और ब्राजील अपने लोगों के लाभ के लिए व्यापार और सांस्कृतिक संबंधों को बढ़ावा देने के लिए मिलकर काम करना जारी रखेंगे।

प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति लूला ने इस वर्ष की शुरुआत में प्रधानमंत्री मोदी की ब्राजील यात्रा के दौरान प्राप्त हुई प्रगति की बार-बार पुष्टि की और भारत-ब्राजील रणनीतिक साझेदारी को गहरा करने की साझा प्रतिबद्धता पर जोर दिया। रियो डी जनेरियो में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भाग लेने के बाद जुलाई में प्रधानमंत्री मोदी की ब्राजील यात्रा के दौरान दोनों नेताओं की मुलाकात ब्रासीलिया में हुई थी।

उस्मान हादी के भाई का मोहम्मद यूनुस पर गंभीर आरोप, कहा- 'चुनाव रद्द कराने के लिए तुमने उसे मारा'

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश के चर्चित छात्र नेता और इंकिलाब मंचो के संयोजक शरीफ उस्मान हादी की हत्या के बाद देश की राजनीति में भूचाल आ गया है। मृतक के भाई ओमर हादी ने मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार पर बेहद गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि उनके भाई की हत्या आगामी राष्ट्रीय चुनावों को पटरी से उतारने के लिए कराई गई। ओमर हादी का दावा है कि सत्ता में बैठे लोगों के एक गुट ने जानबूझकर इस हत्या को अंजाम दिया, ताकि चुनावी माहौल को अस्थिर किया जा सके और राजनीतिक फायदा उठाया जा सके।

'आपने उसे मरवाया', सरकार पर सीधा हमला : ढाका के शाहबाग इलाके में राष्ट्रीय संग्रहालय के सामने आयोजित शहीदी शपथ कार्यक्रम में बोलते हुए ओमर हादी ने सरकार पर तीखा हमला बोला। बांग्लादेशी अखबार द डेली स्टार के अनुसार, उन्होंने कहा यह आप ही हैं जिन्होंने उस्मान हादी को मरवाया और अब उसी मुद्दे को लेकर चुनाव बिगाड़ने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार के भीतर मौजूद एक खास गुट ने साजिश रचकर इस हत्या को अंजाम दिया। बता दें कि उस्मान हादी आगामी 12 फरवरी को होने वाले आम चुनाव में उम्मीदवार थे। ओमर हादी का यह भी आरोप है कि उनके भाई की हत्या इसलिए की गई, क्योंकि उन्होंने किसी भी एजेंसी या विदेशी आकाओं के आगे झुकने से इनकार कर दिया था।

यूनुस सरकार को चेतावनी : ओमर हादी ने अंतरिम सरकार को चेतावनी देते हुए कहा कि अगर उनके भाई के हत्यारों को जल्द सजा नहीं दी गई, तो यूनुस सरकार का अंजाम भी पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना जैसा हो सकता है। उन्होंने कहा हत्यारों पर जल्द मुकदमा चलाएं, ताकि चुनावी माहौल खराब न हो। सरकार अब तक कोई ठोस प्रगति नहीं दिखा पाई है। अगर उस्मान हादी को न्याय नहीं मिला, तो आपको भी एक दिन बांग्लादेश छोड़ने पर मजबूर होना पड़ेगा।

मस्जिद से निकलते समय मारी गई गोली : गौरतलब है कि 32 वर्षीय शरीफ उस्मान हादी पर ढाका में एक मस्जिद से बाहर निकलते समय गोली चलाई गई थी। गंभीर रूप से घायल हादी को इलाज के लिए सिंगापुर ले जाया गया, जहां 19 दिसंबर को इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। उनकी हत्या ने पूरे देश को झकझोर दिया और राजधानी ढाका समेत कई इलाकों में तनाव की स्थिति बन गई। उस्मान हादी उन प्रमुख छात्र नेताओं में शामिल थे, जिन्होंने 2024 में हुए जन आंदोलन का नेतृत्व किया था। इसी आंदोलन के बाद तत्कालीन प्रधानमंत्री शेख हसीना को अगस्त 2024 में पद छोड़कर भारत भागना पड़ा था।

अमेरिका में अवैध रूप से रह रहे 30 भारतीय गिरफ्तार, बॉर्डर पेट्रोल एजेंट्स ने हाईवे से पकड़ा

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की बॉर्डर पेट्रोल पुलिस ने अवैध रूप से रह रहे 30 भारतीयों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए लोग अमेरिका में कमर्शियल ड्राइवर लाइसेंस लेकर ट्रक चला रहे थे। बॉर्डर पुलिस ने एक विशेष अभियान के तहत इन लोगों को पकड़ा। यूएस कस्टम और बॉर्डर प्रोटेक्शन विभाग ने एक बयान जारी कर बताया कि बॉर्डर पेट्रोल एजेंट्स ने कैलिफोर्निया के अल सेंट्रो सेक्टर में 49 अवैध अप्रवासियों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार लोगों के पास से कमर्शियल ड्राइविंग लाइसेंस मिले हैं।

पकड़े गए लोगों में से अधिकतर भारतीय : कस्टम एजेंसी ने बताया कि अप्रवासन चेक पॉइंट पर जांच के दौरान ये लोग पकड़े गए। कस्टम विभाग ने बताया कि 23 नवंबर से 12 दिसंबर तक चले अभियान में कुल 42 अवैध अप्रवासी पकड़े गए हैं, जो कमर्शियल ड्राइविंग लाइसेंस पर ट्रक चला रहे थे। पकड़े गए लोगों में से 30 भारतीय नागरिक हैं। वहीं दो लोग अल सल्वाडोर के और बाकी चीन, एरीट्रिया, हैती, होंडुरास, मैक्सिको, रूस, सोमालिया, तुर्किये और यूक्रेन के निवासी हैं। एजेंसी ने बताया कि पकड़े गए लोगों में से 31 को कमर्शियल ड्राइविंग लाइसेंस कैलिफोर्निया राज्य की सरकार ने जारी किए थे। आठ लाइसेंस फ्लोरिडा, इलिनोइस, इंडियाना, ओहायो, मैरीलैंड, मिनेसोटा, न्यू जर्सी, न्यूयॉर्क, पेंसिल्वेनिया और वाशिंगटन ने जारी किए थे। अप्रवासन एजेंसी का ट्रक चालकों के खिलाफ ये अभियान कई घातक दुर्घटनाओं के बाद सामने आया है, जिसमें अवैध रूप से रह रहे लोगों ने सड़क दुर्घटनाएं कीं, जिनमें कई लोगों की मौत हुई।

राजमार्गों को सुरक्षित करना उद्देश्य : कस्टम एजेंसी ने कहा कि इस अभियान का उद्देश्य अप्रवासन कानून को लागू करना, अमेरिकी राजमार्गों को सुरक्षित करना और कमर्शियल परिवहन क्षेत्र में नियामक मानकों को बनाए रखना था। अधिकारियों ने कहा, 'गिरफ्तार किए गए लोगों को कभी भी ये ट्रक नहीं चलाने चाहिए थे, और जिन राज्यों ने उन्हें कमर्शियल ड्राइवर लाइसेंस जारी किए हैं, वे हाल ही में हमने दुखद रूप से देखी गई घातक दुर्घटनाओं के लिए सीधे तौर पर जिम्मेदार हैं। होमलैंड सिक्योरिटी इन्वेस्टिगेशन और अन्य एजेंसियों में हमारे सहयोगी भागीदारों के साथ मिलकर, एल सेंट्रो सेक्टर यह सुनिश्चित करना जारी रखेगा कि अमेरिकी जनता की सुरक्षा हमारे प्रयासों में सबसे आगे रहे।' हाल के महीनों में ऐसे कई मामले सामने आए हैं जहां अवैध रूप से अमेरिका में रह रहे भारतीय ट्रक चलाते समय खतरनाक और घातक दुर्घटनाओं में शामिल रहे हैं।

लीबिया के आर्मी चीफ की प्लेन क्रैश में मौत:7 और लोग भी मारे गए, तुर्किए में उड़ान भरने के 30 मिनट बाद हादसा

अंकारा, एजेंसी। लीबियाई की सेना के चीफ ऑफ जनरल स्टाफ लेफ्टिनेंट जनरल मोहम्मद अल-हद्दाद की मंगलवार रात तुर्किये में प्लेन क्रैश में मौत हो गई। प्लेन में 8 लोग सवार थे, सभी की मौके पर ही मौत हो गई। तुर्किये के गृह मंत्री अली येरलिकाया ने बताया कि फाल्कन-50 विमान का मलबा अंकारा के पास हायमाना इलाके में मिला है। विमान में टेकऑफ के 30 मिनट बाद ही तकनीकी खराबी आ गई थी, जिसके चलते यह हादसा हुआ। यह लीबियाई मिलिट्री डेलिगेशन अंकारा में तुर्किये के साथ रक्षा सहयोग बढ़ाने को लेकर हाई-लेवल बातचीत के लिए आया था और वापस लीबिया लौट रहा था। हादसे में मरने वालों में लीबिया के थल सेना प्रमुख जनरल अल-फितूरी ग्रैबिल, ब्रिगेडियर जनरल महमूद अल-कताबी, चीफ ऑफ स्टाफ के सलाहकार मोहम्मद अल-असावी दियाब, सैन्य फोटोग्राफर मोहम्मद ओमर अहमद महजूब और 3 क्रू मेंबर शामिल हैं।

प्लेन ने इमरजेंसी लैंडिंग का मैसेज भेजा था : लीबिया के प्रधानमंत्री अब्दुल-हामिद दबैबा ने फेसबुक पर बयान जारी कर जनरल अल-हद्दाद और अन्य अधिकारियों की मौत की पुष्टि की और इसे देश के लिए बहुत बड़ा नुकसान बताया। तुर्किये के गृह मंत्री अली यरलीकाया के मुताबिक, विमान लोकल समय के मुताबिक रात करीब 8 बजे अंकारा के एसनबोगा एयरपोर्ट से उड़ा था और कुछ देर बाद संपर्क टूट गया। प्लेन ने हायमाना इलाके के पास आपात लैंडिंग का संकेत भेजा था, लेकिन इसके बाद कोई संपर्क नहीं हो सका। स्थानीय टीवी चैनलों पर जारी सीसीटीवी फुटेज में रात के आसमान में तेज रोशनी और विस्फोट जैसा दृश्य दिखा। विमान का मलबा अंकारा से करीब 70 किलोमीटर दक्षिण हायमाना जिले के एक गांव के पास मिला। हादसे के बाद अंकारा एयरपोर्ट को अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया और कई उड़ानों को दूसरे एयरपोर्ट पर भेजा गया। तुर्किये के न्याय मंत्रालय ने हादसे की जांच के लिए चार अधिकारियों की नियुक्ति की है। वहीं, लीबिया सरकार ने भी जांच में सहयोग के लिए अपनी टीम अंकारा भेजने का फैसला किया है। हायमाना के एक स्थानीय निवासी बुरहान चिचेक ने बताया कि उन्होंने जोरदार धमाके की आवाज सुनी। उन्होंने कहा- ऐसा लगा जैसे कोई बम फटा हो। तुर्किये की मीडिया में भी ऐसी तस्वीरें दिखाई गईं, जिनमें हादसे के समय आसमान में तेज रोशनी नजर आई।

पाकिस्तानी सांसद का मुनीर पर हमला, कहा- भारत के ऑपरेशन सिंदूर पर कैसे कर सकते हैं आपत्ति?

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान की सियासत में एक अहम बयान सामने आया है। जमीयत उलेमा-ए-इस्लाम (फजल) के प्रमुख और वरिष्ठ पाकिस्तानी सांसद मौलाना फजलुर रहमान ने पाकिस्तान की सैन्य नीति को कठघरे में खड़ा करते हुए भारत के 'ऑपरेशन सिंदूर' का हवाला दिया है। उन्होंने सवाल उठाया कि जब पाकिस्तान अफगानिस्तान के भीतर सैन्य कार्रवाई को जायज ठहराता है, तो फिर भारत द्वारा पाकिस्तान की जमीन पर आतंकियों के ठिकानों पर किए गए हमलों पर आपत्ति किस आधार पर की जा सकती है।

कराची के लियारी इलाके में आयोजित 'मजलिस-ए-इत्तेहाद-ए-उम्मत' सम्मेलन को संबोधित करते हुए मौलाना फजलुर रहमान ने पाकिस्तान सेना प्रमुख आसिम मुनीर के नेतृत्व वाली सैन्य कार्रवाइयों की कड़ी आलोचना की। उन्होंने कहा कि अफगानिस्तान में पाकिस्तानी हमलों में आम नागरिकों की मौत हुई है और इस पर इस्लामाबाद की दलीलें खोखली हैं।

तर्क एक जैसा नहीं हो सकता : फजलुर रहमान ने कहा, 'अगर आप कहते हैं कि हमने अफगानिस्तान में अपने दुश्मन पर हमला किया और उसे जायज ठहराते हैं, तो भारत भी यह कह सकता है कि उसने बहावलपुर, मुरीदके और कश्मीर हमलों के जिम्मेदार संगठनों के मुख्यालयों पर कार्रवाई की।' उन्होंने आगे सवाल किया, 'फिर आप आपत्ति कैसे कर सकते हैं? आज वही आरोप अफगानिस्तान पाकिस्तान पर लगा रहा है। दोनों स्थितियों को आप कैसे सही ठहराएंगे?' मौलाना के इस बयान को सीधे तौर पर भारत के 'ऑपरेशन सिंदूर' से जोड़कर देखा जा रहा है।

आपको बता दें कि 7 मई को भारतीय सशस्त्र बलों ने तड़के पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में स्थित नौ आतंकी ठिकानों पर सटीक मिसाइल हमले किए थे। इनमें जैश-ए-मोहम्मद का गढ़ बहावलपुर और लश्कर-ए-तैयबा का मुख्य ठिकाना मुरीदके शामिल था। इस अभियान को 'ऑपरेशन सिंदूर' नाम दिया गया, जो 22 अप्रैल को हुए उस आतंकी हमले का बदला था, जिसमें 26 निर्दोष नागरिकों की हत्या कर दी गई थी।

भारतीय कार्रवाई के बाद पाकिस्तान ने ड्रोन और अन्य हथियारों से भारत के कई शहरों को निशाना बनाने की कोशिश की, लेकिन भारतीय सेना ने इन प्रयासों को नाकाम कर दिया था।

पाकिस्तान-अफगानिस्तान तनाव : मौलाना फजलुर रहमान लंबे समय से पाकिस्तान की अफगान नीति के आलोचक रहे हैं। अक्टूबर में दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ने पर उन्होंने मध्यस्थता की पेशकश भी की थी। वह तालिबान के सर्वोच्च नेता हैबतुल्लाह अखुंदजादा से मुलाकात करने वाले इकलौते पाकिस्तानी सांसद माने जाते हैं। हाल ही में भारत ने भी अफगानिस्तान पर पाकिस्तान के ताजा हमलों की निंदा की। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रंधीर जायसवाल ने कहा, 'हम उन रिपोर्टों से अवगत हैं जिनमें अफगान नागरिकों के मारे जाने की बात कही गई है। हम निर्दोष अफगान लोगों पर हमलों की कड़ी निंदा करते हैं।' उन्होंने दोहराया कि भारत अफगानिस्तान की संप्रभुता, क्षेत्रीय अखंडता और स्वतंत्रता का समर्थन करता है। वहीं तालिबान सरकार के प्रवक्ता ने दावा किया कि हमले पाकिस्तान ने शुरू किए, जिसके जवाब में काबुल को कार्रवाई करनी पड़ी। 2021 में तालिबान की काबुल वापसी के बाद से पाकिस्तान और अफगानिस्तान के रिश्ते लगातार बिगड़ते गए हैं। पाकिस्तान अफगानिस्तान पर आतंकियों को पनाह देने का आरोप लगाता है, जबकि तालिबान सरकार इन आरोपों को खारिज करती रही है।

बांग्लादेश में हिन्दू अल्पसंख्यकों पर हिंसा गंभीर चिंता का विषय: मायावती

नई दिल्ली (एजेंसी)। लखनऊ (ईएमएस)। बहुजन समाज पार्टी की सुप्रीमो एवं उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने पड़ोसी देश बांग्लादेश में हिन्दू अल्पसंख्यकों के खिलाफ हो रही साम्प्रदायिक हिंसा और हाल ही में एक दलित युवक की नृशंस हत्या पर गहरी चिंता व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार से नृशंस हत्या की गयी है उसको लेकर भारत भर में लोगों का सड़कों पर फूटा आक्रोश स्वाभाविक है। इस मामले में केंद्र को समुचित संज्ञान लेकर सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए।

बसपा नेत्री मायावती ने एक्स पर लिखा कि अपने पड़ोसी देश बांग्लादेश में हिन्दू अल्पसंख्यकों के जान, माल व मजहब को जिस प्रकार से साम्प्रदायिक हिंसा का शिकार बनाकर उन्हें प्रताड़ित किया जा रहा है उससे अपने देश में ही नहीं बल्कि अन्यत्र भी चिन्ता की लहर है तथा अभी हाल ही में वहाँ एक दलित युवक की जिस प्रकार से नृशंस हत्या की गयी है उसको लेकर भारत भर में लोगों का सड़कों पर फूटा आक्रोश स्वाभाविक है, जिसका भारत सरकार को तुरन्त समुचित संज्ञान लेकर आगे हर स्तर पर कुछ और भी अधिक सक्रिय भूमिका निभाने की देश को आशा है और यही समय की माँग भी लगती है। उन्होंने कहा कि वैसे तो अपने देश में भी खासकर दलितों व आदिवासियों आदि पर सदियों से होने वाली जातिवादी द्वेष, जुल्म-ज्यादती, शोषण व तिरस्कार आदि रुका नहीं है बल्कि हर स्तर पर लगातार जारी है तथा उनकी सुरक्षा को लेकर बने कानूनों को एक प्रकार से निष्क्रिय ही बना दिया गया है, किन्तु पड़ोसी देश बांग्लादेश में इसी प्रकार की होने वाली जुल्म-ज्यादती कोई कम गंभीर बात नहीं है बल्कि यह अति-दुखद व चिन्ता की बात है।

बसपा सुप्रीमो ने कहा कि साथ ही, पड़ोसी देशों में अल्पसंख्यकों की दयनीय स्थिति को लेकर खासकर देश में लोगों की चिन्तायें लगातार बनी रहती हैं और इस मामले में सरकार अपनी भूमिका भी निभाने का प्रयास करती रहती है, किन्तु हाल के दिनों में बांग्लादेश में जिस प्रकार से भारत व हिन्दू विरोधी घटनायें घटित हो रही हैं उसको लेकर केन्द्र सरकार को लोगों की अपेक्षा के अनुसार और भी अधिक सक्रियता एवं प्रभावी कदम उठाने की जरूरत लग रही है जिसको लेकर जनता का समर्थन अवश्य ही सरकार के साथ होगा। सरकार उचित ध्यान दे।

एक करोड़ का इनामी नक्सली गणेश उइके ढेर, पांच अन्य नक्सली भी मुठभेड़ में मारे गए

कंधमाल (एजेंसी)। ओडिशा के कंधमाल जिले में गुरुवार को सुरक्षा बलों के साथ हुई मुठभेड़ में शीर्ष माओवादी नेता गणेश उइके समेत छह नक्सली मारे गए। राज्य में नक्सल विरोधी अभियान का नेतृत्व कर रहे वरिष्ठ अधिकारियों ने बताया कि, यह मुठभेड़ चकापाद पुलिस स्टेशन क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले घने जंगलों में हुई। मारा गया गणेश उइके (69 वर्ष) सीपीआई (माओवादी) की केंद्रीय समिति का सदस्य था और ओडिशा में इस प्रतिबंधित संगठन का प्रमुख था, जिस पर प्रशासन ने 1.1 करोड़ रुपये का इनाम घोषित था। मूल रूप से तेलंगाना के नलगोंडा जिले का रहने वाला उइके, पक्का हनुमंतु और राजेश तिवारी जैसे कई नामों से भी जाना जाता था।

सुरक्षा एजेंसियों के लिए बड़ी उपलब्धि

पुलिस ने बताया कि इस सफल ऑपरेशन में गणेश उइके के अलावा पांच अन्य नक्सली भी मारे गए हैं, जिनमें दो महिलाएं शामिल हैं। फिलहाल अन्य तीन नक्सलियों की पहचान नहीं हो पाई है। सुरक्षा बलों के लिए इसे एक बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है क्योंकि उइके लंबे समय से सुरक्षा एजेंसियों की रडार पर था और क्षेत्र में नक्सली गतिविधियों में शामिल था। फिलहाल इलाके में अभी भी तलाश अभियान जारी है।

काशी विश्वनाथ मंदिर प्रशासन का बड़ा फैसला... वीआईपी प्रोटोकॉल और स्पर्श दर्शन पर रोक

वाराणसी (एजेंसी)। नए साल का उत्साह अभी से देशभर में देखने को मिल रहा है। इसी उत्साह और आस्था के चलते देश के प्रमुख धार्मिक और पर्यटन स्थलों में शामिल वाराणसी में श्रद्धालुओं की संख्या तेजी से बढ़ने लगी है। खासतौर पर द्वादश ज्योतिर्लिंगों में से एक काशी विश्वनाथ मंदिर में भक्तों की भारी भीड़ उमड़ रही है। लगातार बढ़ती भीड़ और सुरक्षा व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए मंदिर प्रशासन ने बड़ा फैसला लिया है। अगले आदेश तक काशी विश्वनाथ मंदिर में वीआईपी दर्शन, प्रोटोकॉल के जरिए होने वाले दर्शन और स्पर्श दर्शन पर रोक लगा दी गई है। अस्थायी श्रद्धालु नए साल की शुरुआत भगवान के दर्शन और पूजा-अर्चना के साथ करने के लिए अभी से काशी पहुंचने लगे हैं। शीतकालीन छुट्टियों और अंग्रेजी कैलेंडर के नववर्ष के कारण काशी विश्वनाथ धाम में श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ गई है। इसी के चलते मंदिर परिसर और आसपास के इलाकों में भारी भीड़ देखी जा रही है। मंदिर प्रशासन का कहना है कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा, सुविधा और सुचारू दर्शन व्यवस्था को बनाए रखने के लिए यह निर्णय लिया गया है। काशी विश्वनाथ मंदिर के मुख्य कार्यपालक अधिकारी विश्वभूषण मिश्र ने कहा कि वर्तमान परिस्थितियों में सभी श्रद्धालुओं को समान रूप से दर्शन की सुविधा देने पर जोर दिया जा रहा है। बढ़ती भीड़ को नियंत्रित करना और किसी भी तरह की अव्यवस्था से बचने के लिए विशेष व विशिष्ट दर्शन की अनुमति फिलहाल स्थगित रखी गई है।

मुर्गों की लड़ाई के दौरान व्यक्ति की गोली मारकर हत्या

रांची (एजेंसी)। झारखंड के सरायकेला-खरसावां जिले में 35 वर्षीय व्यक्ति की गोली मारकर हत्या कर दी गई। पुलिस अधिकारी ने बताया कि विजय चिलगु में मुर्गों की लड़ाई देखने गया था, तभी वहां पहले से इंतजार कर रहे हथियारबंद लोगों ने उस पर गोलीबारी शुरू कर दी। पुलिस के मुताबिक, विजय आपराधिक गतिविधियों में शामिल था। उन्होंने बताया कि हमलावरों ने विजय को कई गोली मारी, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। अधिकारी के अनुसार, विजय की व्यक्तिगत दुश्मनी या गैंगवार के कारण हत्या करने की आशंका है। उन्होंने बताया कि पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। अधिकारी ने कहा, "हमने कुछ संदिग्धों की पहचान कर ली है। उन्हें पकड़ने के लिए छापेमारी की जा रही है।"

सेना के जवानों को इंस्टाग्राम इस्तेमाल की परमीशन-वॉट्सएप, टेलीग्राम पर गैर-गोपनीय जानकारी शेयर कर सकेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय सेना ने जवानों के सोशल मीडिया एप्स के इस्तेमाल को लेकर नई पॉलिसी जारी की है। इंस्टाग्राम पर रील, फोटो और वीडियो देख सकेंगे हालांकि कमेंट करने की परमीशन नहीं है। वॉट्सएप, टेलीग्राम जैसे एप्स पर गैर-गोपनीय जानकारी शेयर कर सकेंगे। इसके अलावा यू-ट्यूब और एक्स का इस्तेमाल केवल जानकारी के लिए किया जा सकेगा। वहीं लिंक्डइन, स्काइप और सिग्नल एप के लिए भी नई गाइडलाइन जारी की गई है। भारतीय सेना ने पिछले महीने नए कोट कॉम्बैट के डिजाइन (डिजिटल प्रिंट) का पेटेंट कराया था। यह तीन-लेयर वाली यूनिफॉर्म सैनिकों के लिए हर मौसम में आरामदायक है। यानी कोई बिना सेना की अनुमति के इस डिजाइन का यूनिफॉर्म न तो बना सकेगा न बेच सकेगा व प्रयोग कर सकेगा। ऐसा करने पर कानूनी कार्रवाई और जुर्माना होगा। इस नए कोट कॉम्बैट को नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी (निफ्ट), दिल्ली ने आर्मी डिजाइन ब्यूरो के साथ तैयार किया है। सेना ने जनवरी 2025 में नया कॉम्बैट यूनिफॉर्म को पेश किया था।

कोडीन कफ सिरप मामले में मुख्य आरोपी जायसवाल के परिजनों के नाम पर दर्ज संपत्ति जब्त होगी

वाराणसी (एजेंसी)। कोडीन कफ सिरप मामले में 50 हजार के इनामी शुभम जायसवाल के परिजनों के नाम दर्ज 38 संपत्ति अब वाराणसी पुलिस जब्त करेगी। कोतवाली पुलिस की रिपोर्ट के आधार पर अदालत ने संपत्ति जब्त करने के लिए नोटिस दे दिया है। डीसीपी गौरव बंसवाल के अनुसार जल्द ही पुलिस कार्रवाई शुरू करेगी और शैली ट्रेडिंग के मालिक भोला प्रसाद, उनकी पत्नी और बेटी के नाम दर्ज कुल 38 करोड़ की संपत्ति जब्त होगी।

डीसीपी बंसवाल ने बताया कि फरार और 50 हजार के इनामी शुभम जायसवाल के परिजनों के नाम दर्ज 38 करोड़ की संपत्ति जल्द ही पुलिस जब्त करेगी। इसके लिए उन्हें कोर्ट से ऑर्डर मिल गया है। डीसीपी काशी जोन ने बताया कि शुभम कोडीन कफ सिरप मामले में मुख्य अभियुक्त है और अभी फरार चल रहा है। उसके पिता शैली ट्रेडर्स के प्रोपराइटर भोला प्रसाद को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। फिलहाल वे जेल में है। रिपोर्ट के अनुसार भोला प्रसाद, उनकी पत्नी शारदा जायसवाल, बेटी प्रगति जायसवाल और शुभम की पत्नी वैशाली के नाम पर 38 करोड़ की संपत्ति दर्ज है। जिसे जब्त किया जाएगा।

बिहार में उपेंद्र कुशवाहा की पार्टी में टूट के आसार... तीन विधायक लिट्टी-चोखा भोज में शामिल नहीं हुए

पटना। उपेंद्र कुशवाहा की पार्टी में अब टूट होती दिख रही है। राष्ट्रीय लोक मोर्चा के तीन विधायक माधव आनंद, रामेश्वर महतो और आलोक सिंह उपेंद्र कुशवाहा के आवास पर लिट्टी-चोखा भोज में शामिल नहीं हुए। तीनों विधायकों ने भोज में शामिल न होकर पटना में नितिन नवीन से मिलने पहुंचे। बीजेपी के नए कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष के आवास पर ये मुलाकात हुई। बताया जा रहा है कि उपेंद्र कुशवाहा की पार्टी के विधायक माधव आनंद मंत्री की रेस में थे, लेकिन कुशवाहा ने अपने बेटे को मंत्री बना दिया। दरअसल रालोमा के टिकट पर मधुबनी से जीते माधव आनंद मंत्री की रेस में सबसे आगे थे,

लेकिन उपेंद्र कुशवाहा ने अपने बेटे दीपक प्रकाश को मंत्री बना दिया। इसके बाद से उनकी नाराजगी की खबरें सामने आई। हालांकि, डैमेज कंट्रोल के लिए कुशवाहा ने माधव आनंद को पार्टी के विधायक दल का नेता नियुक्त कर दिया। कुछ दिन पहले ही मंत्री नहीं बनने पर नाराजगी भी जाहिर की थी। उन्होंने कहा था, मेरी व्यक्तिगत इच्छा है कि मैं मंत्री बनूं। मंत्री बनने की हर काबिलियत मुझमें है। अर्थशास्त्री हूं। 55 देशों की यात्रा कर चुका हूं। आगे भी मंत्री बनने की इच्छा रहेगी। उम्मीद है कि आगे मुझे कैबिनेट में मौका मिलेगा। माधव आनंद एक उद्यमी और कारोबारी बैकग्राउंड से आते हैं। चुनावी हलफनामे में उनकी कुल संपत्ति 55 करोड़ से ज्यादा है। मधुबनी सीट से उन्होंने आरजेडी के उम्मीदवार और दो बार के पूर्व विधायक समीर महासेठ को 20,552 वोटों के अंतर से हराया। माधव आनंद को लगभग 97,956 वोट मिले।

नेताजी की अस्थियां को भारत वापस लाने की उठी मांग... पड़पोते ने राष्ट्रपति मुर्मू से की भावुक अपील

कोलकाता (एजेंसी)। नेताजी सुभाष चंद्र बोस के अवशेषों को भारत वापस लाने के दशकों पुराने संवेदनशील मुद्दे फिर चर्चा में आ गया है। नेताजी के पड़पोते चंद्र कुमार बोस ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से यह भावुक अपील की है। चंद्र कुमार बोस ने राष्ट्रपति को पत्र लिखकर मांग की है कि नेताजी की अस्थियां जापान के रेंकोजी मंदिर से भारत लाई जाएं।

उन्होंने राष्ट्रपति को लिखे अपने खत में बताया कि परिवार चाहता है कि यह प्रक्रिया 23 जनवरी 2026 (नेताजी की 129वीं जयंती) से पहले पूरी हो जाए। उन्होंने इसे दुर्भाग्यपूर्ण बताया है कि इतने दशकों बाद भी देश के महान नायक के अवशेष पराये देश में रखे हुए हैं।

उन्होंने बताया कि यह केवल चंद्र कुमार बोस की मांग नहीं है, बल्कि नेताजी की बेटी अनीता बोस फाफ (जो जर्मनी में रहती हैं) भी लंबे समय से भारत सरकार से उनके अवशेषों को वतन लाने और उनका डीएनए टेस्ट कराने की अपील करती रही हैं। नेताजी की मृत्यु को लेकर भारत में हमेशा से दो विचारधाराएं रही हैं। एक वर्ग आधिकारिक विमान दुर्घटना के सिद्धांत को मानता है, जबकि दूसरा वर्ग इस स्वीकार नहीं करता। यही कारण है कि अस्थियां वापस लाने का मुद्दा राजनीतिक और भावनात्मक रूप से जटिल रहा है। इस बार 129वीं जयंती का लक्ष्य रखकर सरकार पर दबाव बनाने की कोशिश की जा रही है ताकि नेताजी को उनकी अपनी मिट्टी में अंतिम विदाई दी जा सके।

नेताजी की अस्थियां जापान में कब से

नेताजी सुभाष चंद्र बोस के बारे में ऐसी मान्यता है कि 18 अगस्त, 1945 को मौजूदा ताइवान में जापानी मिलिट्री के एक विमान हादसे में उनका निधन हो गया था; और सितंबर 1945 से उनकी अस्थियां रेंकोजी स्थित बौद्ध मंदिर के एक सुरक्षित कलश में रखी हुई हैं। नेताजी की मौत को लेकर अभी तक जो जांच हुई है, उसका यह निष्कर्ष निकाला गया है कि विमान हादसे में वह गंभीर रूप से झुलस गए थे और एक जापानी मिलिट्री के अस्पताल में उन्होंने आखिरी सांसें ली थीं।

विजयन सरकार पिछले 10 वर्षों से भ्रष्टाचार में डूबी हुई : राजीव चंद्रशेखर

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन पूर्व केंद्रीय मंत्री और भाजपा नेता राजीव चंद्रशेखर के बीच तीखी बयानबाजी जारी है। दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर गंभीर आरोप लगाए हैं। बीजेपी नेता चंद्रशेखर ने विजयन सरकार पर पिछले 10 वर्षों से भ्रष्टाचार करने का आरोप लगाया है। उन्होंने विशेष रूप से सबरीमाला मंदिर से जुड़े मुद्दों को उठाया। चंद्रशेखर का दावा है कि मंदिर से करीब 4-4.5 किलो सोना चोरी हुआ है। उन्होंने आरोप लगाया कि एलडीएफ द्वारा नियुक्त देवस्वम बोर्ड के तहत 4 पंचधातु की मूर्तियां अंतरराष्ट्रीय गिरोहों को बेची गईं। भाजपा इन आरोपों के जरिए एलडीएफ सरकार को हिंदू विरोधी या कुप्रबंधन करने वाली सरकार के रूप में पेश करने की कोशिश कर रही है। उन्होंने पथिनेट्टम पाडी (18 पवित्र सीढ़ियां) के कुछ हिस्सों को लूटे जाने का भी दावा किया। भावनात्मक और धार्मिक मुद्दों का चंद्रशेखर द्वारा लगाए गए आरोप-विशेषकर सोने की चोरी और मूर्तियों की तस्करी-अत्यंत गंभीर हैं। ये आरोप सीधे तौर पर हिंदू मतदाताओं की भावनाओं और मंदिर प्रशासन (देवस्वम बोर्ड) की पारदर्शिता से जुड़े हैं।

वहीं मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने केंद्र सरकार पर केरल को आर्थिक रूप से निशाना बनाने का आरोप लगाया है। विजयन का कहना है कि केंद्र जानबूझकर राज्य की उधार लेने की क्षमता को सीमित कर रहा है। केरल राज्य विकास आयोग (केआईआईएफबी) द्वारा लिए गए ऋण को राज्य के कुल ऋण में शामिल करने पर विजयन ने आपत्ति जाहिर की है, उनका कहना है कि यह आरबीआई के पुराने नियमों के खिलाफ है। उन्होंने केंद्र पर अनुच्छेद 293(3) का दुरुपयोग कर राज्यों के विकास मॉडल को कमजोर करने का आरोप लगाया। चंद्रशेखर के अनुसार, केरल में पिछले 10 वर्षों में जो भी विकास हुआ है, वह प्रधानमंत्री मोदी की सरकार के कारण हुआ है। उन्होंने विजयन पर जनता को भ्रमित करने का आरोप लगाया। विजयन ने संकल्प लिया है कि केंद्र की बाधाओं के बावजूद केरल अपना विकास

एजेंडा जारी रखेगा। उन्होंने इसे केरल के विकास मॉडल पर हमला बताया है। विवाद में राजीव चंद्रशेखर का उल्लेख केरल भाजपा के संदर्भ में किया गया है, जो वर्तमान में राज्य की राजनीति और केंद्र के प्रतिनिधित्व के बीच एक महत्वपूर्ण कड़ी बने हुए हैं।

मायावती के भतीजे आकाश आंनद के घर आई लक्ष्मी

लखनऊ (एजेंसी)। बहुजन समाज पार्टी (बीएसपी) के गुट के लिए व्यक्तिगत और राजनीतिक दोनों लिहाज से काफी चर्चा में है। बसपा सुप्रीमो मायावती के भतीजे और पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक आकाश आनंद पिता बन गए हैं। उनके घर बेटी का जन्म हुआ है। मायावती ने खुद एक्स पर यह जानकारी साझा करते हुए खुशी जाहिर की। पूर्व सीएम मायावती ने विशेष रूप से उल्लेख किया कि आकाश आनंद ने अपनी बेटी को भी बहनजी (मायावती) की तरह ही बहुजन समाज के मिशन के प्रति समर्पित करने का संकल्प लिया है। मां और नवजात बच्ची दोनों पूरी तरह स्वस्थ है।

यही खुशखबरी के साथ-साथ मायावती ने पड़ोसी देश बांग्लादेश में हो रही सांप्रदायिक हिंसा और वहां हिंदू अल्पसंख्यकों की स्थिति पर गहरी चिंता व्यक्त की है। उन्होंने हाल ही में वहां एक दलित युवक की नृशंस हत्या का जिक्र कर कहा कि इससे भारत के लोगों में भारी आक्रोश है। मायावती ने केंद्र सरकार से अपील की है कि वे इस मामले में अधिक सक्रिय और प्रभावी कदम उठाएं ताकि वहां के अल्पसंख्यकों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। उन्होंने देश के भीतर भी दलितों और आदिवासियों पर होने वाले जातिवादी द्वेष और कानूनों की निष्क्रियता पर सवाल उठाए, लेकिन साथ ही जोर दिया कि बांग्लादेश में जो हो रहा है वह अत्यंत गंभीर और दुखद है।

सांसद थरूर ने कहा- बांग्लादेश में स्थिति चिंताजन, लेकिन भारत रख रहा है नजर

नई दिल्ली (एजेंसी)। बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदुओं के खिलाफ जारी हिंसा और वहां के अस्थिर हालातों ने भारत में भी चिंता और आक्रोश पैदा कर दिया है। पड़ोसी देश में बिगड़ती स्थिति के विरोध में भारत के विभिन्न हिस्सों में हो रहे प्रदर्शनों पर कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। थरूर ने इन प्रदर्शनों के हिंसक होने की आशंकाओं को खारिज करते हुए कहा कि एक जीवंत लोकतंत्र में हर नागरिक को अपनी बात रखने और विरोध जताने का संवैधानिक अधिकार है। उन्होंने स्पष्ट किया कि भारत में हो रहे ये प्रदर्शन फिलहाल पूरी तरह नियंत्रण में हैं और यहां की पुलिस किसी भी प्रकार की अप्रिय स्थिति को रोकने में सक्षम है।

शशि थरूर ने बांग्लादेश की अंतरिम सरकार और उसके प्रमुख मोहम्मद यूनुस को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि केवल घटनाओं पर खेद जताना या निंदा करना एक सरकार के लिए पर्याप्त नहीं है। उन्होंने जोर देकर कहा कि सड़कों पर हो रही हिंसा को रोकना और कानून-व्यवस्था बहाल करना वहां के प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है। थरूर के अनुसार, जब तक आम नागरिक और अल्पसंख्यक समुदाय सुरक्षित महसूस नहीं करेंगे, तब तक लोकतंत्र की बहाली संभव नहीं है। उन्होंने कड़े शब्दों में कहा कि यदि वहां की पुलिस स्थिति संभालने में विफल हो रही है, तो सेना की मदद ली जानी चाहिए, लेकिन अराजकता का यह दौर अब समाप्त होना चाहिए।

बांग्लादेश में आगामी चुनावों की विश्वसनीयता पर सवाल उठाते हुए सांसद ने कहा कि जिस देश में चारों तरफ डर का माहौल हो और मतदाता खुद को असुरक्षित महसूस कर रहा हो, वहां निष्पक्ष चुनाव कराना लगभग असंभव है। उन्होंने कहा कि चुनाव से पहले शांति और सुरक्षा का वातावरण तैयार करना अनिवार्य है। गौरतलब है कि बांग्लादेश में छात्र नेता उस्मान हादी की हत्या के बाद से स्थिति और अधिक तनावपूर्ण हो गई है। जहां प्रशासन इस हत्या के पीछे राजनीतिक रंजिश बता रहा है, वहीं हादी के परिवार ने अंतरिम सरकार पर ही गंभीर आरोप लगाए हैं। परिवार का मानना है कि चुनावों को टालने और सत्ता पर पकड़ बनाए रखने के लिए इस तरह की घटनाओं को अंजाम दिया जा रहा है। इस राजनीतिक उथल-पुथल के बीच, बांग्लादेश की राजनीति के एक और बड़े खिलाड़ी और पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया के बेटे तारिक रहमान की वापसी की चर्चाओं ने सरगर्मी बढ़ा दी है। एक तरफ कट्टरपंथियों का बढ़ता प्रभाव और दूसरी तरफ प्रमुख राजनीतिक हस्तियों की सक्रियता ने बांग्लादेश के भविष्य को अनिश्चितता के भंवर में डाल दिया है। भारत इस पूरी स्थिति पर पैनी नजर बनाए हुए है, क्योंकि वहां की अस्थिरता का सीधा असर सीमावर्ती क्षेत्रों और क्षेत्रीय सुरक्षा पर पड़ता है।

उन्नाव रेप पीड़िता ने कहा- 250 टांके, हाथ-पैर में रॉड लिए कोर्ट में थी पर अंग्रेजी में बहस समझ नहीं पाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश को झकझोर देने वाले उन्नाव मामले की पीड़िता एक बार फिर गहरे सदमे और भय के साये में है। हाल ही में उच्च न्यायालय द्वारा मुख्य आरोपी और पूर्व विधायक कुलदीप सिंह सेंगर को जमानत दिए जाने के फैसले ने पीड़िता के उन जख्मों को फिर से कुरेद दिया है, जो वर्षों के संघर्ष के बाद भी नहीं भरे थे। पीड़िता का कहना है कि यह आदेश उसके लिए किसी बड़े मानसिक आघात से कम नहीं है, जिसने उसे और उसके परिवार को असुरक्षा के गहरे दलदल में धकेल दिया है।

अदालती कार्यवाही के दौरान के अपने अनुभव साझा करते हुए पीड़िता ने बताया कि जब वह न्यायालय में मौजूद थी, तो वह विरोध करना चाहती थी, लेकिन भाषा की बाधा और कानूनी जटिलताओं के बीच उसकी आवाज दबकर रह गई। उसका कहना है कि अदालतों में होने वाली बहस अक्सर आम और गरीब लोगों की समझ से परे होती है, जिसके कारण उन्हें न्याय की प्रक्रिया और भी जटिल और डरावनी लगने लगती है। फैसले के बाद की मानसिक स्थिति का जिक्र करते हुए उसने भावुक होकर कहा कि एक पल के लिए उसके मन में आत्मघाती विचार भी आए, लेकिन अपने बच्चों और परिवार के भविष्य को देखते हुए उसने संघर्ष जारी रखने का फैसला किया।

पीड़िता ने गंभीर आरोप लगाया कि आरोपी की जमानत की प्रक्रिया शुरू होते ही उसके परिवार और गवाहों की सुरक्षा में कटौती की जाने लगी है। उसका मानना है कि जब आरोपी रसूखदार और सत्ता से जुड़ा रहा हो, तो खतरा केवल जेल के भीतर से नहीं, बल्कि बाहर मौजूद उसके नेटवर्क और समर्थकों से भी होता है। पीड़िता ने सवाल उठाया कि उसके चाचा, जिन्होंने कोई अपराध नहीं किया, वे वर्षों से जेल में हैं, जबकि जघन्य अपराध के आरोपी को राहत दी जा रही है। यह विडंबना न्याय व्यवस्था की निष्पक्षता पर गंभीर प्रश्न खड़े करती है। हाल ही में दिल्ली के इंडिया गेट पर हुए विरोध प्रदर्शन के दौरान पुलिसिया कार्रवाई पर भी पीड़िता ने तीखे सवाल किए। उसने आरोप लगाया कि शारीरिक रूप से अक्षम होने के बावजूद, पुलिस ने उसके साथ बदसलूकी की और उसे घसीटा गया। उसके शरीर पर मौजूद टांके और रॉड उसकी आपबीती की गवाही दे रहे थे, फिर भी प्रशासन का रवैया संवेदनहीन रहा। उसका कहना है कि उसे डराने और चुप रहने की कोशिशें की जा रही हैं, लेकिन वह अब पीछे हटने वाली नहीं है।

दुनिया देख रही इसरो का दम, जापान और दक्षिण कोरिया जो न कर सके, भारत ने कर दिखाया!

नई दिल्ली (एजेंसी)। अंतरिक्ष की रेस में भारत अब केवल भागीदार नहीं, बल्कि लीडर बनकर उभरा है। बुधवार को भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने श्रीहरिकोटा से एक ऐसा कीर्तिमान रचा, जिसने वैश्विक अंतरिक्ष बाजार में भारत की धाक को और मजबूत कर दिया है। जहां जापान, ब्राजील और दक्षिण कोरिया जैसे विकसित देश हाल के दिनों में अपने मिशन में विफल रहे, वहीं इसरो के बाहुबली एलवीएम 3 ने एक बार फिर 100 प्रतिशत सफलता का परचम लहराया।

इसरो ने अमेरिकी कंपनी के ब्लूबर्ड ब्लॉक-2 सैटेलाइट को उसकी सटीक कक्षा में स्थापित किया। यह मिशन इसरो के व्यावसायिक इतिहास में एक मील का पत्थर है। इसरो की इस कामयाबी पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसरो की पूरी टीम को बधाई देकर यह भारत के लिए गौरव का क्षण है। इसरो की यह सफलता अंतरिक्ष क्षेत्र में हमारी बड़ी छलांग को दर्शाती है।

इसरो की यह कामयाबी इसलिए बड़ी है क्योंकि पिछले कुछ समय में दुनिया के कई दिग्गज देशों के अंतरिक्ष मिशन धराशायी हुए हैं। भारत ने अपनी विश्वसनीयता से यह साबित किया है कि कम लागत और उच्च तकनीक का सही तालमेल क्या होता है।

मार्च 2023 में जापान को तब गहरा सदमा लगा जब उसका एच3 रॉकेट दूसरे चरण में इंजन फेल होने के कारण नष्ट हो गया। इस हादसे में जापान का कीमती एएलओएस-3 उपग्रह भी बर्बाद हो गया था।

हाल ही में दक्षिण कोरिया का कमर्शियल रॉकेट हनबिट-नैनो ब्राजील से लॉन्च होने के मात्र 30 सेकंड बाद ही क्रैश हो गया। इस मिशन में 5 सैटेलाइट्स थे, जो समुद्र/सुरक्षित क्षेत्र में जा गिरे।

अंतरिक्ष इतिहास का सबसे दुखद हादसा ब्राजील के अल्कांतारा स्पेस सेंटर में हुआ था, जब वीएलएस-1 वी03 रॉकेट लॉन्च पैड पर ही फट गया था। इस हादसे ने 21 वैज्ञानिकों की जान ले ली थी, जिससे ब्राजील का स्पेस प्रोग्राम सालों पीछे चला गया।

वहीं इसरो का एलवीएम 3 रॉकेट की यह लगातार छठी सफल उड़ान है। यह वही रॉकेट है जिसने चंद्रयान-2 और चंद्रयान-3 जैसे ऐतिहासिक मिशन पूरे किए। अब 6100 किलो का भारी-भरकम वजन उठाकर अपनी ताकत का लोहा मनवाया। ब्लूबर्ड ब्लॉक-2 सैटेलाइट के सफल प्रक्षेपण से पूरी दुनिया में मोबाइल नेटवर्क कनेक्टिविटी में क्रांतिकारी बदलाव आएंगे। अब दुर्गम इलाकों में भी सीधा सैटेलाइट-टू-फोन कनेक्शन संभव हो सकेगा। अंतरिक्ष विज्ञान में रिस्क हमेशा बना रहता है, लेकिन इसरो ने अपनी तकनीक और कठोर परीक्षणों से विफलता की दर को लगभग शून्य कर दिया है। अन्य देश अरबों डॉलर खर्च करके भी विफल हो रहे हैं, इसरो बहुत ही कम बजट में जटिल मिशन (जैसे चंद्रयान-3 और अब एलवीएम 3 की सफल उड़ानें) पूरे कर रहा है। जापान और दक्षिण कोरिया जैसे देशों के मिशनों में तकनीकी खामियां अक्सर विदेशी इंजन या पुराने डिजाइनों पर निर्भरता के कारण भी आती हैं, जबकि भारत ने अपने क्रायोजेनिक इंजन और रॉकेट चरणों को स्वदेशी रूप से विकसित किया है।